रायपुर। सोमवार, 12 अक्टूबर, 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 71/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

नवरात्र दूसरा दिन
माता शैलपुत्री

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल इंटर मियामी ने डीसी यूनाइटेड को 4-0 से हराया... @ विचार रूस से डीजल खरीदेंगे ट्रंप, जेलेंस्की हुए आग बबूला... @ व्यापार आत्मनिर्भरता मिशन के चलते दाल उत्पादन ...

खबर झरोखा

इंडिगो फ्लाइट में पावर बैंक में लगी आग, इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। दिल्ली से चेन्नई जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक यात्री के पावर बैंक में उड़ान के दौरान अचानक आग लग गई। स्थिति को देखते हुए विमान को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर मोड़ना पड़ा, जहां सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। घटना में सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। जानकारी के अनुसार, इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6115 दिल्ली से चेन्नई जा रही थी।

शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को हिरासत में न लें: मेट्रो-इंटरनेट बहाल करें- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान मेट्रो-ट्रेन सेवाएं बंद करने, इंटरनेट बाधित करने और लोगों को हिरासत में लेने से जुड़ी याचिकाओं पर रविवार को सुप्रीम कोर्ट की स्पेशल बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से चलनी चाहिए। इंटरनेट बाधित नहीं होना चाहिए और लोगों की आवाजाही नहीं रोकी जानी चाहिए।

छग में पूर्व अग्निवीरों के लिए 36 पद मंजूर

'आदिम जाति विकास विभाग' का नाम बदलकर 'जनजातीय कार्य विभाग' करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ कैबिनेट ने पूर्व अग्निवीरों के लिए गृह विभाग में आरक्षक के 36 पदों पर भर्ती की मंजूरी दी है। इन पदों पर खाली जगहों के हिसाब से भर्ती की जाएगी। राज्य सरकार पहले ही पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षक भर्ती में 10 प्रतिशत श्रेणीवार आरक्षण देने का प्रावधान कर चुकी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में रविवार को हुई कैबिनेट बैठक में 'आदिम जाति विकास विभाग' का नाम बदलकर 'जनजातीय कार्य विभाग' करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। इसके लिए छत्तीसगढ़ शासन के कार्य आवंटन नियम में बदलाव किया जाएगा।

वहीं, कैबिनेट बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी के सरकार के मुखिया के रूप में 25 साल पूरे होने पर अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया गया। कैबिनेट की बैठक के बाद सीएम साय ने मीडिया से बातचीत की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नक्सलवाद प्रदेश के विकास में बड़ी बाधा बन गया था। एक समय ऐसा लगता था कि इसका अंत हो भी पाएगा या नहीं। बस्तर के भोले-भाले लोग कहीं लंबे समय तक विकास से दूर न रह जाएं, ऐसी चिंता बनी रहती थी।

नरेंद्र मोदी सरकार आने के बाद इस दिशा में बदलाव आया है। नक्सलवाद के खिलाफ लगातार कार्रवाई हुई और अब छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्ति की ओर बढ़ा है। उन्होंने इसे प्रदेश के विकास के लिए बड़ी उपलब्धि बताया।

सीएम साय ने गिनाई पीएम मोदी की उपलब्धियां

साय ने कहा कि नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर लगातार 13 साल तक काम कर चुके हैं। इस दौरान गुजरात में विकास का एक मॉडल तैयार हुआ, जिसे 'गुजरात मॉडल' के नाम से पहचान मिली। कई राज्यों ने भी इसे अपनाया।

उन्होंने कहा कि कच्छ में आए भीषण भूकंप से पूरा इलाका तबाह हो गया था, लेकिन नरेंद्र मोदी ने अपनी मेहनत और दूरदृष्टि से उसे फिर से विकसित करने का काम किया। गुजरात में वाइब्रेंट गुजरात जैसे आयोजन भी शुरू किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी 2014 से देश के प्रधानमंत्री हैं। उनके नेतृत्व में भारत लगातार आगे बढ़ रहा है। साय के मुताबिक, 2014 से पहले भारत दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में दसवें स्थान पर था, जबकि अब चौथे स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने इसका श्रेय प्रधानमंत्री की मेहनत और दूरदृष्टि को दिया।

कैबिनेट बैठक में मंत्रिमंडल की मौजूदगी में ये फैसले लिए गए।

2047 तक विकसित देश बनाने का लक्ष्य: सीएम साय

साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित देश बनाना और अर्थव्यवस्था के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंचाना है। इसी लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में देश आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने सशक्त भारत का जिक्र करते हुए कहा कि 2014 से पहले पाकिस्तान की ओर से बार-बार उकसाने वाली घटनाएं होती थीं। उस समय की सरकार बातचीत के जरिए मामले सुलझाने की कोशिश करती थी।

उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय सैनिक के सिर को धड़ से अलग कर उसके साथ फुटबॉल की तरह व्यवहार किया गया था, लेकिन तब भी सरकार ने बातचीत से आगे कोई कार्रवाई नहीं की।

सीएम साय ने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत ने एयर स्ट्राइक, सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी सैन्य कार्रवाइयां कीं।

उन्होंने कहा कि भारत किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन अगर कोई उसे छेड़ता है तो उसे जवाब जरूर देता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत अब दुश्मन के घर में घुसकर जवाब देने वाला मजबूत देश बनकर खड़ा है।

यह लड़ाई चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ है: आशुतोष

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से रविवार को दिल्ली के प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। इस दौरान सीजेपी के सह-संयोजक और प्रवक्ता आशुतोष रांका ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाए।

सीजेपी के सह-संयोजक और प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि पिछले 72 घंटों में देश में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनकी किसी

ने कल्पना भी नहीं की थी। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ है। आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी देश को बचाने और आगे बढ़ाने की है लेकिन वह समझौता कर चुका है। उन्होंने दावा किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भाजपा को जिताने के लिए काम कर रहे हैं।

आशुतोष रांका ने कहा कि शनिवार को अभिजीत की दादी का निधन हो गया। जब अभिजीत को इस बारे में बताया गया, तब भी दिल्ली पुलिस ने अमानवीय व्यवहार किया।

आशुतोष रांका ने कहा, 'जब उन्हें उनकी मौत के बारे में बताया गया तो दिल्ली पुलिस ने बहुत ही अमानवीय तरीके से व्यवहार किया। मुझे शर्म आती है कि इस देश की राजधानी की पुलिस ने इस तरह का व्यवहार किया। जब दिपके को उनकी दादी की मौत के बारे में बताया गया, तब भी दिल्ली पुलिस के जवान कैमरे और माइक लेकर वहां खड़े थे। उन्होंने इस घटना को भी तमाशा बनाने की कोशिश की।

उन्होंने बताया कि दिपके बार-बार बोलते रहे कि उनके माता-पिता बहुत जल्दी बेहला हो जाते हैं, वे हार्ट के मरीज हैं।

संकटग्रस्त जहाज से 22 भारतीयों का रेस्क्यू

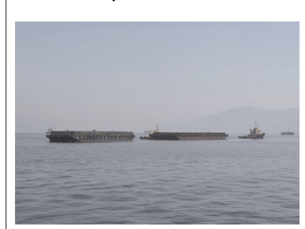

एजेंसी ■ दुबई

दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने रविवार को बताया कि रस अल खैमाह तट के पास कच्चे तेल के टैंकर एमटी जेम नंबर 2 से एक दुर्घटना के बाद कुल 22 भारतीय चालक दल के सदस्यों को बचाया गया।

वाणिज्य दूतावास ने कहा कि हमें रस अल खैमाह तट के पास जहाज एमटी जेम नंबर 2 से जुड़ी एक घटना की जानकारी मिली है, जिसमें 22 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे। सभी चालक दल के सदस्यों को बचा लिया गया है और वे सुरक्षित हैं।

नेपाल की बूढ़ी गंडकी नदी में भीषण बाढ़, कई घर और पुल बहे

एजेंसी ■ काठमांडु

नेपाल के पश्चिमी गोरखा जिले में बहने वाली बूढ़ी गंडकी नदी में आई भीषण बाढ़ से कई घर और अन्य ढांचे बह गए हैं। रविवार तड़के ही नेपाल का राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण ने बाढ़ की चेतावनी जारी की थी।

गोरखा जिला प्रशासन कार्यालय के प्रमुख जिला अधिकारी धर्मेंद्र कुमार मिश्रा ने रविवार को बताया कि फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, चीन की सीमा से लगे चुमनुबरी ग्रामीण नगर पालिका क्षेत्र से गुजरने वाली बूढ़ी गंडकी नदी के किनारे बने दर्जनों घर बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने कहा, 'हम बाढ़ से हुए नुकसान की जानकारी जुटा रहे हैं। चुमनुबरी ग्रामीण नगरपालिका के जगत और सल्लेरी गांवों के कुछ घर और 341 मेगावाट बूढ़ी जलविद्युत परियोजना का कैंप भी बाढ़ में बह गया है।'

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बाढ़ में कई घर, झूला पुल और एक स्टील पुल बह गए हैं। इसके अलावा एक जलविद्युत परियोजना के निर्माण स्थल को भी नुकसान पहुंचा है।

शुरुआती अनुमान के मुताबिक, बाढ़ की वजह लोकपा और चुम्लिंग के बीच हुए भूस्खलन को माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस भूस्खलन से स्यार खोला, जो बूढ़ी गंडकी की एक सहायक नदी है, का प्रवाह रुक गया होगा। हालांकि, इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बाढ़ का असली कारण और नुकसान का पूरा आकलन फिलहाल सामने नहीं आया है। चुमनुबरी ग्रामीण नगरपालिका की उपाध्यक्ष लक्ष्मी गुरुंग ने स्थानीय समाचार पोर्टल 'ऑनलाइनखबर' से कहा कि बूढ़ी गंडकी की यह बाढ़ काफी हद तक भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ जैसी लग रही है। उन्होंने कहा कि यह बाढ़ भोटेकोशी की बाढ़ की याद दिलाती है। दर्जनों घर बह गए हैं।

आज का युवा 'विकसित भारत' के विजन की ताकत बनना चाहता है : पीएम मोदी

एजेंसी ■ चेन्नई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु में जयगोपाल गरोडिया हिंदू विद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज नवरात्रि के प्रथम दिन शिव और शक्ति की पवित्र धरती तमिलनाडु आने का ये सौभाग्य और मां सरस्वती के साधकों से मिलने का ये अवसर मेरे लिए नवरात्रि का अद्भुत शुभारंभ है।

उन्होंने कहा कि मेरे युवा साथियों का ये जो उत्साह देख रहा हूं, ये जो पॉजिटिव एनर्जी है, मैं इसे महसूस कर रहा हूं। मुझे आप सभी के आंखों में भारत का भविष्य दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कहा कि आज का युवा 'विकसित भारत' के विजन की ताकत बनना चाहता है। विकसित भारत के लिए जो नए आइडियाज चाहिए... जो नए सॉल्यूशन चाहिए... उनसे भारत ही नहीं, विश्व का भविष्य भी तय होगा। आज भारत में जो अनंत अवसर है, मैं चाहता हूं कि हर युवा अपने भविष्य को उसी बड़े कैनवॉश पर देखें। यह आपका समय है, यह आपका अवसर है। मुझे ये पूरा विश्वास है कि हमारा ये सपना पूरा होकर रहेगा।

उन्होंने कहा कि आज दुनिया समाधान ढूंढ रही है, और आपमें उन्हें प्रदान करने की क्षमता है। मैं चाहता हूं कि हर युवा भारत द्वारा प्रदत्त अनंत अवसरों के विशाल परिदृश्य में खुद को देखे क्योंकि यही आपका समय है। यही आपका अवसर है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह सपना साकार होगा। साथ मिलकर, हम इसे कर दिखाएंगे!

उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू विद्या केंद्र अपना गोल्डेन जुबली मना रहा है। ये माइलस्टोन जितना बड़ा है, इसकी यात्रा भी उतनी ही इंस्पायरिंग है। मैं इस अवसर पर जयगोपाल गरोडिया जी के योगदान को भी मैं आदरपूर्वक याद करता हूं। उन्होंने विद्यालय के भवन निर्माण में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। आज मैं उन सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, अभिभावकों और पूर्व विद्यार्थियों का भी अभिनंदन करता हूं, जिन्होंने हिंदू विद्यालय की यात्रा को सफल बनाया है। उन्होंने कहा कि एक छोटे से विद्यालय के रूप में इस संस्थान की शुरूआत हुई थी। उस समय इसमें केवल 7 छात्र थे।

अभिषेक बनर्जी को पुलिस ने फिर भेजा नोटिस

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी को रविवार को नया नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया है। यह मामला 27 अगस्त को मध्य कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित उनके कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं, पुलिसकर्मियों और कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के कर्मचारियों के बीच हुई झड़प से जुड़ा है।

केएमसी के कर्मचारी पुलिसकर्मियों के साथ अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में कथित अवैध होर्डिंग हटाने पहुंचे थे। इस दौरान विवाद और झड़प की स्थिति पैदा हो गई थी।

यूपी कांग्रेस- पदभार ग्रहण समारोह के दौरान बवाल, समर्थकों में भिड़ंत

एजेंसी ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में रविवार को नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' और कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद के पदभार ग्रहण समारोह के दौरान पार्टी के भीतर का विवाद खुलकर सामने आ गया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और आराधना मिश्रा के समर्थकों के बीच कहासुनी के बाद धक्का-मुक्की और मारपीट की नौबत आ गई। घटना के बाद मुख्यालय में करीब आधे घंटे तक अफरा-तफरी और गहमागहमी का माहौल बना रहा।

जानकारी के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पदभार ग्रहण समारोह के दौरान अजय राय अपने समर्थकों के साथ पहुंचे थे। इसी बीच पार्टी की एक महिला नेता और अजय राय के बीच बातचीत के दौरान विवाद की स्थिति बन गई। इसके बाद अजय राय नाराज होकर कार्यालय से बाहर निकल गए।

उनके समर्थकों ने संबंधित महिला नेता को बाहर करने और माफी मांगने की मांग रखी।

भारत-जिम्बाब्वे महिला टी-20 सीरीज, कैप्टन स्मृति मंधाना रायपुर पहुंचीं

आज प्रैक्टिस करेगी टीम इंडिया; 16, 18 और 20 अक्टूबर को होंगे मुकाबले

संवाददाता ■ रायपुर

रायपुर में भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच टी-20 सीरीज का रोमांच जल्द शुरू होने वाला है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कैप्टन स्मृति मंधाना रविवार शाम रायपुर पहुंचीं। जिम्बाब्वे की टीम सोमवार पहुंचेगी।

दोनों टीमों के बीच तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे। सभी मैच नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होंगे। सीरीज का पहला मुकाबला 16 अक्टूबर, दूसरा 18 अक्टूबर

और तीसरा 20 अक्टूबर को खेला जाएगा। सभी मैच शाम 7 बजे से शुरू होंगे। दोनों टीमें कल प्रैक्टिस भी करेंगी। रायपुर पहुंचने के अगले दिन यानी 12 अक्टूबर को भारतीय टीम अभ्यास करेगी। वहीं, जिम्बाब्वे की महिला टीम 12 अक्टूबर को रायपुर पहुंचेगी और 13 अक्टूबर को अभ्यास सत्र में हिस्सा लेगी। इसके बाद दोनों टीमें सीरीज के मुकाबलों के लिए मैदान पर उतरेंगी।

स्मृति मंधाना पहली बार फुल-टाइम कप्तान

इस सीरीज में स्मृति मंधाना पहली बार फुल-टाइम कप्तान के तौर पर भारतीय टीम की कमान संभालेंगी। शेफाली वर्मा उप-कप्तान होंगी। पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर भी टीम में शामिल हैं।

15 सदस्यीय टीम में ऋचा घोष, जी. कमलिनी, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, जिन्तिमणि कलिता और मिन्नू मणि भी शामिल हैं। तीनों मैच रायपुर में होने से स्थानीय क्रिकेट प्रशंसकों को छह दिनों में तीन अंतरराष्ट्रीय मैच देखने का मौका मिलेगा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में बनाई गई लोकल सपोर्ट कमेटी

मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में मैचों की तैयारियों की समीक्षा की गई।

विश्व केसरी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हरलीन देओल ने हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों से की मुलाकात

मेहनत और आत्मविश्वास का दिया मंत्र

विश्व केसरी

रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी हरलीन देओल ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग की रायपुर आवासीय हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सभी खिलाड़ियों से आत्मीय संवाद किया और अपने खेल जीवन के अनुभव साझा किए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाली खिलाड़ी से मिलकर अकादमी के बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की पहल पर हरलीन देओल हॉकी अकादमी आई थीं। राज्य के युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त करने वाली खिलाड़ी के अनुभवों से परिचित कराने तथा उन्हें अपने खेल जीवन में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करने हरलीन अकादमी पहुंची थीं।

खिलाड़ियों को दिया सफलता का मंत्र

हरलीन देओल ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अकादमी में उपलब्ध खेल सुविधाओं, प्रशिक्षण और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने बच्चों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, अनुशासन के साथ नियमित अभ्यास करने और भारतीय टीम का हिस्सा बनकर देश के लिए खेलने का सपना देखने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा, 'आप मेहनत कीजिए, अपने लक्ष्य के लिए पूरी लगन से प्रयास कीजिए। भगवान भी आपकी मदद करेंगे। अपने ऊपर विश्वास रखिए और देश के लिए खेलने का सपना जरूर देखिए। अपने खेल जीवन के अनुभव साझा करते हुए हरलीन देओल ने बताया कि सफलता प्राप्त करने के लिए प्रतिभा के साथ कड़ी मेहनत, धैर्य, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। उन्होंने खिलाड़ियों को अपनी कमियों को पहचानने, उनमें सुधार करने और हर दिन पहले से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

मेंटर के रूप में हरलीन देओल के अनुभवों से मिली सीख

एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी से सीधे संवाद करने का अवसर युवा खिलाड़ियों के लिए विशेष महत्व रखता है। हरलीन देओल के अनुभवों से खिलाड़ियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, दबाव की परिस्थितियों में आत्मविश्वास बनाए रखने, असफलताओं से सीखने और निरंतर अपने प्रदर्शन में सुधार करने की प्रेरणा मिली। क्रिकेट और हॉकी अलग-अलग खेल हैं, लेकिन दोनों में सफलता के लिए अनुशासन, फिटनेस, मानसिक मजबूती, टीम भावना और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता महत्वपूर्ण है।

रायपुर में झारखंड, बस्तर में एमपी की शराब बरामद

विश्व केसरी

रायपुर/जगदलपुर। बस्तर में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जगदलपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर ग्राम सोनारपाल के पास जांच के दौरान मध्यप्रदेश में बिक्री के लिए निर्धारित गोवा ब्रांड की विदेशी शराब की 20 पेटियां जब्त की गई हैं. इस कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दूसरा आरोपी फरार बताया जा रहा है।

दरअसल, आबकारी विभाग के जगदलपुर वृत्त की टीम ने कार्रवाई करते हुए टाटा एरिया वाहन से 180 लीटर विदेशी शराब बरामद की है. जब्त शराब की कीमत करीब 1 लाख 28 हजार रुपये बताई गई है. वहीं शराब परिवहन में इस्तेमाल वाहन की कीमत करीब 7 लाख रुपये आंकी गई है. इस तरह शराब और वाहन सहित कुल 8 लाख 28 हजार रुपये का सामान जब्त किया गया है। मामले में दुर्ग जिले के सुपेला, शास्त्री नगर निवासी 33 वर्षीय देवेंद्र कुमार जांगड़े को आरोपी बनाया गया है. वहीं, जोगेन्दर कश्यप उर्फ जोगी फरार है. आबकारी अधिनियम 1915 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आईआईएस अधिकारी विकल्प शुक्ला को मीडिया कर्मियो ने दी श्रद्धांजलि

विश्व केसरी

रायपुर। आकाशवाणी (एआईआर), रायपुर के उपनिदेशक और भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के अधिकारी विकल्प शुक्ला का 10 अक्टूबर 2026 को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 11 अक्टूबर 2026 को निर्धारित रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न हुआ।

विकल्प शुक्ला का शनिवार, 10 अक्टूबर 2026 को हृदय संबंधी आपात स्थिति के बाद निधन हो गया। वे 58 वर्ष के थे। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, शुक्ला ने दोपहर के आसपास पीठ में दर्द की शिकायत की। उन्हें तत्काल एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उनकी स्थिति को हृदय संबंधी बताते हुए तत्काल उपचार की सलाह दी। इसके बाद उन्हें आगे के उपचार के लिए रायपुर स्थित नारायणा अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों के अथक प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका और उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। शुक्ला का सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से लंबे समय तक जुड़ाव रहा। उन्होंने पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), दूरदर्शन और आकाशवाणी सहित विभिन्न मीडिया संगठनों में सेवाएँ दीं। उन्होंने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत नई दिल्ली से की और बाद में भोपाल में सेवाएँ दीं। अपने करियर के अंतिम 25 वर्ष उन्होंने रायपुर में बिताए।

अपने उत्साह, संसाधनशीलता और सहज स्वभाव के लिए प्रसिद्ध शुक्ला छत्तीसगढ़ के आधिकारिक मीडिया जगत के सम्मानित सदस्य थे। उनकी पेशेवर प्रतिबद्धता, सहयोगी रवैया और जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने की क्षमता ने उन्हें सहकर्मियों, सरकारी अधिकारियों, पत्रकारों और मीडिया पेशेवरों का स्नेह और सम्मान दिलाया। उनके असामयिक निधन से भारतीय सूचना सेवा और छत्तीसगढ़ के व्यापक मीडिया समुदाय में गहरा शोक व्याप्त है। सहकर्मी उन्हें उनके ऊर्जावान व्यक्तित्व, कार्य के प्रति समर्पण और आत्मीय संबंधों के लिए याद कर रहे हैं। शुक्ला अपने पीछे पत्नी और दो अविवाहित बेटियों को छोड़ गए हैं।

उनका निधन भारतीय सूचना सेवा समुदाय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के लिए अपूरणीय क्षति है।

मंत्रालय और उनके सहकर्मियों ने उनके असामयिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए शोकसंतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदनाएँ प्रकट की हैं।

पितृ मोक्ष अमावस्या पर सामूहिक श्रद्धांजलि

विश्व केसरी

रायपुर। कान्यकुब्ज सभा एवं शिक्षा मंडल के तत्वावधान में पितृ मोक्ष अमावस्या के अवसर पर सामूहिक श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संत राजीवलोचनदास महाराज मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पितृ पक्ष केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व है। पूर्वजों के संस्कार, त्याग और परिश्रम ही हमारी पहचान का आधार हैं।

संत राजीवलोचनदास जी ने तर्पण, दान और पिंडदान की धार्मिक महत्ता बताते हुए लोगों से पूर्वजों के आदर्शों, नैतिक मूल्यों और समाज सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी में संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, सचिव राजकुमार दीक्षित एवं उपाध्यक्ष संजय अवस्थी ने आयोजन के उद्देश्यों और सामाजिक सेवा कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान संत राजीवलोचनदास जी का शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। दिवंगत पूर्व अध्यक्षों के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बिलासपुर और भिलाई में नवम्बर से 20-20 ई-बसों के संचालन की तैयारी

विश्व केसरी

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई और कोरबा में 240 इलेक्ट्रिक बसों को सड़कों पर उतारने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव की मौजूदगी में आज चारों नगर निगमों और चयनित एजेंसी चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड के बीच कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। इन चारों शहरों ने ई-बस संचालन शुरू करने की दिशा में आज बड़ा कदम बढ़ाया है। विभाग आगामी नवम्बर में बिलासपुर और भिलाई में 20-20 ई-बसों का संचालन प्रारंभ करने की तैयारी में है।

नागरिकों को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मिलेगी

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नवा रायपुर में अपने निवास कार्यालय में आयोजित कंसेशन एग्रीमेंट हस्ताक्षर कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आधुनिक आधारभूत सुविधाओं के विकास और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा स्वच्छ, हरित और विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। बढ़ते शहरीकरण के साथ यातायात, वायु प्रदूषण और ईंधन की खपत जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं। इलेक्ट्रिक बसों से ऊर्जा दक्षता बढ़ेगी, पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता और ध्वनि प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप होनी चाहिए। शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, दर्शनीय स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों तक सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराना जरूरी है।

प्रभु-वचनों के आलंबन से करें आत्मा को निर्मल : मुनि संवेगरत्न सागर

विश्व केसरी

रायपुर। विवेकानंद नगर के ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास की प्रवचनमाला में शनिवार को मुनि संवेगरत्न सागर ने समझाया कि धर्मसभा में श्रवण की जा रही जिनवाणी ही आपको भव सुधार में मददगार होगी। प्रभु-वचनों के आलंबन से ही आत्मशुद्धि होगी।

मुनिश्री ने कहा कि सद्ज्ञान से जुड़ने का केवल दिखावा करने से आत्मकल्याण नहीं हो सकता। धर्म का वास्तविक लाभ तभी प्राप्त होता है, जब प्रभु के वचनों को श्रद्धापूर्वक अंगीकार कर उन्हें अपने आचरण में उतारा जाए। यदि मन मलिन है और उसे निर्मल करने का पुरुषार्थ नहीं किया जाता, तो आत्मशुद्धि का मार्ग प्रशस्त नहीं हो सकता।

मुनिश्री ने कहा कि सद्ध्यान का अभ्यास चौबीसों घंटे किया जा सकता है। प्रत्येक विचार, वचन और क्रिया को धर्ममय बनाने का प्रयास ही साधना की वास्तविक दिशा है। किंतु जब जीव दुर्ध्यान और कषायों से घिर जाता है, तब उसकी विवेक-बुद्धि प्रभावित होने लगती है और वह हितकारी शिक्षाओं को आत्मसात नहीं कर पाता। अत: साधक को निरंतर आत्मनिरीक्षण करते हुए अपने भावों को शुद्ध रखने का पुरुषार्थ करना चाहिए।

तपस्वी पलक छाजेड़ का चातुर्मास समिति ने किया सम्मान

चातुर्मास समिति के अध्यक्ष जसराज लुनिया एवं महासचिव सुरेश बरड़िया ने कहा कि वर्षावास के तहत धर्मसभा में प्रतिदिन ज्ञान की गंगा बह रही है। धर्म,ध्यान,तप,भक्ति, अराधना का क्रम निरंतर जारी है। शनिवार को धर्मसभा में शनिवार को मासक्षमण (30 उपवास) की तपस्या पूर्ण करने पर तपस्वी पलक छाजेड़ का चातुर्मास समिति ने सम्मान किया। सभी श्रावकों ने तपस्वी की कठिन तपस्या की अनुमोदना की।

निर्माण कार्यों की होगी कड़ी मॉनिटरिंग, फील्ड पर प्रगति जांचने होंगे औचक निरीक्षण

बरसात के बाद निर्माण कार्यों को मिली रफ्तार, गुणवत्ता और समय-सीमा पर जोर

विश्व केसरी

रायपुर। बरसात के बाद सड़कों, पुल-पुलियों और भवनों के निर्माण को रफ्तार देने की पूरी तैयारी है। लोक निर्माण विभाग ने निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने के साथ गुणवत्ता और समय-सीमा पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। काम की प्रगति अब केवल दफ्तरों की रिपोर्ट तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वरिष्ठ अधिकारी खुद मैदान में उतरकर निर्माण की वास्तविक स्थिति परखेंगे। कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के साथ औचक निरीक्षण से भी गुणवत्ता और प्रगति पर नजर रखी जाएगी। इसी कड़ी में लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने गरियाबंद जिले का दौरा कर सड़कों, पुलों और भवनों के निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। अधिकारियों और ठेकेदारों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्माण में आ रही बाधाओं की जानकारी ली और कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

सचिव बंसल ने गरियाबंद जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर निर्माणाधीन परियोजनाओं की जमीनी स्थिति देखी। उन्होंने फिंगेश्वर विकासखंड में कोपरा-पोखरा मार्ग के 26.20 किलोमीटर लंबे मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस परियोजना में पुल-पुलियों के निर्माण कार्य भी शामिल हैं। उन्होंने राजिम में नवीन मेला स्थल चौबेबांधा से लक्ष्मण झूला तक 3.50 किलोमीटर लंबे फोरलेन मार्ग के निर्माण की प्रगति भी देखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कार्यों की स्थिति की जानकारी ली और निर्माण में गुणवत्ता तथा समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

सड़क परियोजनाओं के साथ सचिव बंसल ने गरियाबंद में निर्माणाधीन शासकीय भवनों का भी जायजा लिया। उन्होंने व्यवहार न्यायालय में न्यायिक अधिकारियों के लिए बनाए जा रहे दो डी-टाइप आवासगृहों, जिला परिवहन कार्यालय भवन तथा 40 जीएडी आवासगृहों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

पड़ोसी ने की थी बुजुर्ग दंपती की हत्या

विश्व केसरी

रायपुर। आरंग, थाना आरंग अंतर्गत ग्राम बिरबिरा में बीते गुरुवार को हुए बुजुर्ग दंपत्ति की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा ली है। इस मामले में पुलिस ने मृतक दंपत्ति के पड़ोसी आरोपी युवक को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया हैं।

ज्ञात हो कि दिनांक 08.10.2026 को ग्राम बिरबिरा सरपंच चम्मन लाल साहू ने थाना आकर सूचना दी कि गांव के सदाशी साहू और पत्नी आसबती साहू की किसी अज्ञात व्यक्ति ने घर में घुसकर धारदार हथियार से हत्या कर दी है। सूचना पर आरंग थाना टीम, फॉरेंसिक, डॉग स्क्वायड के साथ मौके पर पहुंची। मृतकों के शव अलग-अलग कमरों में खून से लथपथ मिले। इस पर थाना आरंग में अप.क्र. 481/2026 धारा 103(1), 331(7) BNS कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान गांव के ही संदेही प्रमोद उर्फ रॉकी पिता सुशील साहू उम्र 22 वर्ष साकिन बिरबिरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

आरोपी ने बताया कि एक वर्ष पूर्व उसकी मां की मृत्यु हुई थी, उसे शंका थी कि मृतक दंपति सदाशी और आसबती ने जादू-टोना कर उसकी मां को मारा है। इसी रंजिश को मन में पाल रखा था और इस बात की चर्चा वो गांव में करता रहता था। इसके साथ ही मृतकों के पास अधिक जमीन और मृतिका के हमेशा सोने-चांदी के जेवर पहने रहने की जानकारी उसे पहले से थी जो कि हत्या के बाद उसने लूट लिया। जिसके आधार पर दर्ज अपराध में धारा 109(6) BNS और छ ग टोनही प्रताड़ना अधि की धारा 4,5 जोड़ी गई है।

आरोपी ने बताया कि 06.10.2026 की रात 11.30 बजे घर वाले सो गए तो वह टंगिया और हंसिया लेकर अपने मकान की छत से प्रहलाद साहू की छत पार कर सदाशी के मकान की छत से नीचे उतरा। पहले कमरे में सो रहे सदाशी के सिर पर टंगिया से वार कर हत्या कर दी, फिर दूसरे कमरे में सो रही आसबती के सिर, गले पर टंगिया सेवार और हंसिया से सीने-पेट पर वार कर निर्मम हत्या कर दी। हत्या के बाद मृतिका के पहने चांदी का कमरबंध, ऐंठी, माला, सोने की खिनवा और घर में रखी अंगूठी, बिछिया, सिक्के लूट लिए। खून लगे हथियारों को नाली में धोकर सफेद बोरी में भरकर तामासिवनी रोड किनारे झाड़ी में छुपा दिया।

छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था बदहाल - कांग्रेस

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राज्य की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था और लगातार बढ़ते अपराधों को लेकर सियासत गरमा गई है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं छत्तीसगढ़ में राज्य की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था और लगातार बढ़ते अपराधों को लेकर सियासत गरमा गई है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब लोगों की उनके घरों में घुसकर हत्याएं की जा रही हैं, लेकिन सरकार और पुलिस पूरी तरह मूकदर्शक बनी हुई है।

राज्यभर में एक के बाद एक खौफनाक वारदातों का दौर

कांग्रेस ने अपने बयान में राज्य के विभिन्न जिलों में हुई जघन्य आपराधिक घटनाओं का हवाला दिया है। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि आरंग में दो लोगों की हत्या, डोंगरगढ़ में मां-बेटे की सनसनीखेज हत्या, राजधानी रायपुर में सरेआम चाकूबाजी और हत्या, तथा सक्ती में एक युवती को घर में घुसकर गोली मारने जैसी घटनाएं डराने वाली हैं। इसके अलावा कोरिया के सोनहत में चार लोगों को जिंदा जलाने, जैजैपुर में भाइयों पर गोली चलाने और पेंड्रा के कोटमी बाजार में सराफा कारोबारी की हत्या जैसी वारदातों ने पूरे प्रदेश में खौफ का माहौल पैदा कर दिया है।

राजधानी रायपुर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक फैला अपराध का जाल

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रदेश का शायद ही कोई ऐसा जिला बचा हो जहां रोज हत्या, लूट, बलात्कार और चाकूबाजी की घटनाएं न हो रही हों। राजधानी रायपुर के गंज थाना क्षेत्र में सरेआम युवक की हत्या कर जेवरात लूट लिए गए। वहीं, बिन्द्रानवागढ़ के देवभोग में एक परिवार के चार सदस्यों पर धारदार ब्लेड से हमला किया गया, जिसमें महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई और अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इन वारदातों से स्पष्ट है कि आम जनता की सुरक्षा भगवान भरोसे है।

भाजपा सरकार आने के बाद दर्जनों गोलीकांड और बमबाजी की घटनाएं

सुशील आनंद शुक्ला ने आंकड़े रखते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के गठन के बाद से एक दर्जन से अधिक लोगों की गोली मारकर हत्या की जा चुकी है। अकेले राजधानी रायपुर में आठ गोलीकांड हो चुके हैं। इसके अलावा बिलासपुर, पेंड्रा-गौरेला-मरवाही, दुर्ग, मस्तूरी, जांजगीर-चांपा, जशपुर और कवर्धा में भी सरेआम गोलियां चली हैं। राजधानी के हीरापुर में बम से हमला होने और बिरगांव में अवैध रूप से बम बनाए जाने जैसी घटनाएं पुलिस की कार्यप्रणाली पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगाती।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जब से छत्तीसगढ़ में भाजपा की सत्ता आई है, अपराधियों में पुलिस और कानून का डर पूरी तरह खत्म हो चुका है। स्थिति यह है कि अब सत्ताधारी दल के नेता और जनप्रतिनिधि भी कानून को ताक पर रख रहे हैं। सीतापुर से भाजपा विधायक द्वारा तहसीलदार के साथ मारपीट करने और भाजयुमो नेताओं द्वारा पुलिस का कॉलर पकड़ने जैसी घटनाएं यह दर्शाती हैं कि राज्य में प्रशासनिक अनुशासन पूरी तरह चरमरा गया है। इतिहासजानें

राजनीतिक द्वेष और दमन में व्यस्त है सरकार

गंभीर आरोप लगाते हुए कहा गया कि वर्तमान सरकार और प्रशासन का पूरा ध्यान केवल राजनीतिक द्वेष निकालने और विपक्षी दलों के नेताओं को प्रताड़ित करने में लगा हुआ है।

जिम्मेदारों की लापरवाही की सजा भुगत रहे नौनिहाल, आंगनबाड़ी भवन अधूरा

11.69 लाख रुपये का निर्माण अधूरा, कार्यकर्ता के निजी घर में संचालित हो रहा केंद्र, सूचना बोर्ड के अक्षर मिटे, अब टीएल बैठक की निगरानी पर भी सवाल

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। सरकारी निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूरा कराने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक स्तर पर लगातार निर्देश जारी किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन निर्देशों से बिल्कुल अलग नजर आ रही है। छुरा विकासखंड के ग्राम पंचायत सेमरा में 11 लाख 69 हजार रुपये की लागत से निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन पिछले दो साल से अधूरा पड़ा है। गांव के छोटे-छोटे बच्चों को आज तक अपना आंगनबाड़ी भवन नसीब नहीं हो सका है और केंद्र आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के निजी निवास पर संचालित हो रहा है। हैरानी की बात यह है कि भवन के सामने लगाया गया निर्माण संबंधी सूचना बोर्ड भी बदहाली की कहानी बयां कर रहा है। बोर्ड पर लिखे अक्षर तक पूरी तरह मिट चुके हैं, लेकिन भवन का निर्माण अब तक पूरा नहीं हो सका है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर लाखों रुपये की लागत से बनने वाला भवन दो साल में भी पूरा क्यों नहीं हुआ और इसकी जवाबदेही किसकी है?

शुरुआत में तेज रफ्तार, आधा निर्माण होते ही थम गया काम

जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत सेमरा में 11 लाख 69 हजार रुपये की लागत से आंगनबाड़ी भवन का निर्माण ग्राम पंचायत के सरपंच-सचिव के माध्यम से कराया जा रहा था। शुरुआत में निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ा, जिससे ग्रामीणों को उम्मीद थी कि जल्द ही बच्चों को अपना भवन मिल जाएगा। लेकिन निर्माण कार्य आधे तक पहुंचने के बाद काम अचानक रुक गया। इसके बाद महीनों गुजरते गए और देखते ही देखते दो साल बीत गए, लेकिन भवन आज भी अधूरा पड़ा है। निर्माण कार्य की यह स्थिति पंचायत स्तर पर कार्यों की निगरानी और समय-सीमा के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

निर्माण की लेटलतीफी ऐसी कि सूचना बोर्ड के अक्षर तक मिट गए!

आंगनबाड़ी भवन निर्माण में हुई लेटलतीफी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भवन के सामने निर्माण कार्य की जानकारी देने के लिए लगाया गया

सूचना बोर्ड भी अब अपनी पहचान खो चुका है। बोर्ड पर लिखे अक्षर पूरी तरह मिट चुके हैं, लेकिन भवन का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है। बोर्ड की बदहाल स्थिति और अधूरा भवन निर्माण कार्य की निगरानी तथा जवाबदेही को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं। जिस भवन का निर्माण समय पर पूरा होकर बच्चों के उपयोग में आ जाना चाहिए था, वह आज भी अधूरा पड़ा है। आखिर निर्माण कार्य की निगरानी किस स्तर पर हुई और जिम्मेदारों ने समय रहते काम पूरा कराने के लिए क्या कदम उठाए?

हर मंगलवार टीएल बैठक में समीक्षा, फिर दो साल से अधूरे भवन पर नजर क्यों नहीं?

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल जिला प्रशासन की निगरानी व्यवस्था को लेकर भी उठ रहा है। जानकारी के अनुसार, प्रत्येक मंगलवार को गरियाबंद कलेक्टर कार्यालय में आयोजित टीएल (टाइम लिमिट) बैठक में जिले में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की जाती है। इन बैठकों में निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश भी दिए जाते हैं। इसके बावजूद सेमरा का आंगनबाड़ी भवन दो साल से अधूरा पड़ा है।

ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जब जिले में निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा होती है, तो सेमरा के इस अधूरे आंगनबाड़ी भवन का मामला टीएल बैठक में क्यों नहीं पहुंचा? क्या संबंधित विभाग ने निर्माण कार्य की वास्तविक स्थिति से उच्च अधिकारियों को अवगत कराया? क्या भवन के लगातार अधूरे रहने की जानकारी समीक्षा के दौरान सामने आई? यदि मामला अधिकारियों के संज्ञान में था, तो निर्माण कार्य पूरा कराने के लिए प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए गए? और यदि जानकारी ही नहीं पहुंची, तो फिर निर्माण कार्यों की निगरानी व्यवस्था किस हद तक प्रभावी है?

हालांकि, इस प्रकरण को टीएल बैठक में उठाया गया था या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। लेकिन दो साल से अधूरे पड़े भवन की स्थिति प्रशासनिक समीक्षा और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल जरूर खड़े करती है। अब जरूरत है कि जिला प्रशासन इस मामले की वास्तविक स्थिति की जांच करे और यह स्पष्ट करे कि आखिर निर्माण कार्य इतने लंबे समय तक अधूरा क्यों पड़ा रहा।

शिकायतें हुईं, निरीक्षण हुआ, आश्वासन मिला; फिर भी निर्माण कार्य ठप

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के अनुसार, भवन का निर्माण अधूरा होने की जानकारी कई बार उच्च अधिकारियों को दी गई, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका। वहीं, परियोजना अधिकारी छुरा चंदू साहू ने बताया कि करीब दो माह पहले उन्होंने अधूरे आंगनबाड़ी भवन का निरीक्षण किया था और सरपंच-सचिव से चर्चा की थी।

परियोजना अधिकारी के मुताबिक, चर्चा के दौरान सरपंच और सचिव ने निर्माण कार्य अधूरा रहने के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया। दोनों ने अधूरे निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए दो से तीन माह का समय मांगा था। लेकिन दो माह बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य दोबारा शुरू नहीं हो सका है। इससे निरीक्षण के बाद दिए गए आश्वासन और निर्माण कार्य की वास्तविक प्रगति के बीच अंतर साफ नजर आता है।

नौनिहालों के हिस्से में परेशानी, निजी घर बना आंगनबाड़ी केंद्र

आंगनबाड़ी केंद्र छोटे बच्चों को पोषण, देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। लेकिन सेमरा में भवन अधूरा होने के कारण बच्चों को आज भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के निजी निवास पर संचालित केंद्र में जाना पड़ रहा है। दो साल से निर्माण कार्य अधूरा रहने के कारण बच्चों और उनके अभिभावकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सवाल यह है कि आखिर गांव के नौनिहालों को अपना भवन मिलने के लिए और कितना इंतजार करना पड़ेगा?

11.69 लाख के भवन पर सवाल, अब जवाबदेही तय करने की जरूरत - सेमरा का यह मामला सरकारी निर्माण कार्यों की निगरानी, समय-सीमा और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जब भवन निर्माण की जिम्मेदारी तय थी, तो काम बीच में क्यों रुक गया? निर्माण कार्य में बाधा आने पर समय रहते उसका निराकरण क्यों नहीं किया गया? निरीक्षण के बाद समय-सीमा तय होने के बावजूद काम दोबारा क्यों शुरू नहीं हुआ? और जिला स्तर पर नियमित समीक्षा के बीच यह मामला अब तक निर्णायक कार्रवाई तक क्यों नहीं पहुंचा?

अब जरूरत केवल आश्वासन देने की नहीं, बल्कि निर्माण कार्य की वास्तविक स्थिति की जांच कर जिम्मेदारी तय करने और भवन को जल्द पूरा कराने की है। जिला प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सरकारी राशि से बन रहा भवन जल्द बच्चों के उपयोग में आए और भविष्य में इस तरह निर्माण कार्य अधूरे छोड़ने की स्थिति पैदा न हो।

बड़ा सवाल यही है—जब हर मंगलवार टीएल बैठक में निर्माण कार्यों की समीक्षा होती है, तो सेमरा का दो साल से अधूरा आंगनबाड़ी भवन आखिर किसकी नजर से छूट गया? क्या जिम्मेदारों की जवाबदेही तय होगी, या गांव के नौनिहालों को यूं ही निजी घर में संचालित केंद्र के सहारे रहना पड़ेगा?

डॉ. गजानन अग्रवाल दम्पति ने खेमड़ा विद्यालय में मनाया बेटी का जन्म दिवस

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। बसना विकास खण्ड अन्तर्गत शासकीय प्राथमिक शाला खेमड़ा परिवार के लिए बहुत गौरवपूर्ण दिन रहा। इस दिन बसना के डॉक्टर गजानन अग्रवाल एवं डॉक्टर अरुणा अग्रवाल ने अपनी बेटी संस्कृति अग्रवाल जो किर्गिस्तान में मेडिकल की पढ़ाई कर रही हैं। उनका जन्मदिन शासकीय प्राथमिक शाला खेमड़ा में चलाए जा रहे निशुल्क कोचिंग क्लास, जिसमें बच्चों को नवोदय सैनिक स्कूल प्रयास एवं एन एम एम एस ई की तैयारी कराई जा रही है। इन बच्चों के साथ अपने बच्चों का जन्मदिन मनाया।

पूरे परिवार की खुशी तब और बढ़ गई जब बेटी संस्कृति अग्रवाल ने किर्गिस्तान से ही अपने जन्मदिन के उत्सव को इन बच्चों के साथ मनाते हुए अपने पालकों को देखा। वह बहुत भावुक थी एवं जब पालक बंधुओं द्वारा भारत माता के पूजा अर्चन के साथ जन्मदिन के उत्सव पर अपने बच्चों के दीर्घायु जीवन के लिए भारत माता का आशीर्वाद लिया गया। तब सभी को यह कार्यक्रम बहुत भावुक कर गया। डॉक्टर गजानन अग्रवाल एवं डॉक्टर अरुणा अग्रवाल ने भी विद्यालय परिवार द्वारा दिए गए इस अवसर पर आसपास के विद्यालयों से आए हुये एवं शासकीय प्राथमिक शाला खेमड़ा के सभी बच्चों को समोसा, चॉकलेट, फल आदि का वितरण किया। विद्यालय के शिक्षक बंधुओ ने भी डॉक्टर अग्रवाल के पूरे परिवार को अपने इस सोच के लिए हृदय से बधाई दिया एवं भविष्य में भी इस प्रकार की सोच रखकर अपने परिवार के छोटे-छोटे उत्सव में विद्यालय परिवार को जोड़कर खुशी मनाने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

अवैध शराब की बिक्री बंद कराने बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे लवन थाना

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। ग्राम तिल्दा की सरपंच, पंच एवं ग्रामीण शनिवार दोपहर 1 बजे लवन थाना पहुंचकर गांव में पांच व्यक्तियों के द्वारा अवैध रूप से बेच रहे शराब को बंद कराने की गुहार लगाई। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम तिल्दा में पांच व्यक्तियों के द्वारा देशी-अंग्रेजी एवं महुआ शराब की बिक्री खुलेआम की जा रही है। गांव में खुलेआम अवैध शराब की बिक्री से गांव का माहौल खराब हो रहा है। महिलाओं का घर से निकलना दुभर हो गया है। बाहर के कुछ लोगों के द्वारा अवैध शराब बेचने वालों के घर में शराब पहुंचाई जा रही है।

शिकायतकर्ता महिलाओं ने बताया की अवैध शराब की बिक्री से ग्राम तिल्दा का माहौल खराब हो रहा है। शांम होते ही गांव के चौक-चौराहों पर शराबियों का जमावड़ा लग जाता है। शराब पीने वाले लोग सार्वजनिक स्थान एवं स्कूल परिसर की जगह को भी नहीं छोड़ रहे है। स्कूल जाकर शराब पीने से स्कूल में पड़ रहे बच्चों के मानसिक स्थिति पर प्रभाव पड़ रहा है। इसके अलावा अब युवाओं के साथ-साथ भी किशोर वर्ग के युवा भी नशे का आदी हो रहे है। गांव में खुलेआम शराब बेचे जाने से बच्चों पर भी गलत असर पड़ने लगा है। ग्राम पंचायत पंचायत प्रतिनिधियों के द्वारा अवैध रूप से शराब बेचने वालों को कई बार समझाने के बावजूद नहीं मान रहे है। वही, ग्राम पंचायत ने गांव में शराब बंद कराने को लेकर पंचायत प्रस्ताव भी किया गया है। शराब की वजह से आए दिन गांव में विवाद हो रहे है। शराब बेचने वालों का विरोध करने पर वह झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रहे है। देते हुए बताया कि गांव में सस्ते दामों में अवैध रूप से शराब बेची जा रही है, जिससे गांव के युवाओं में नशा की आदत बढ़ती जा रही है और आपस में विवाद, लड़ाई-झगड़े हो रहे हैं। इतना ही नहीं असामाजिक तत्व भी सक्रिय हो गए हैं, और खुलेआम स्कूल परिसर सहित सार्वजनिक स्थानों में बैठकर शराब पी रहे है। इससे बच्चे भी बिगड़ रहे है। ज्ञापन सौंपने के दौरान सरपंच दीनबंधु घृतलहरे, उप सरपंच मनोज कैवर्त, बरातू सहित गांव के पंचगण एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

क्या कहते है सब इंस्पेक्टर

ग्राम तिल्दा के सरपंच एवं ग्रामीणों के द्वारा गांव में पांच व्यक्तियों के खिलाफ़ में लिखित में शिकायत दिया गया है। उनके द्वारा दिए गए शिकायत जांच कर सही पाए जाने पर शराब कोचियो के खिलाफ कार्यवाही किया जावेगा।

सुरेन्द्र सिंग, सब इंस्पेक्टर
पुलिस थाना लवन

मंदिर, दुर्गा पंडाल के आसपास नहीं लगेगी अंडा-बिरयानी की दुकानें

विश्व केसरी

कवर्धा (प्रवीण गुप्ता)। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने क्वांर नवरात्रि को लेकर शहर के अलग-अलग स्थानों पर अंडा, बिरयानी जैसे दुकानो का व्यवसाय कर रहे व्यवसायियों के साथ एक बैठक आयोजित की। नवरात्रि के पावन अवसर पर कवर्धा नगर की सांस्कृतिक एवं धार्मिक भावनाओं की महत्ता को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा आयोजित बैठक में व्यापारियों ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है कि नवरात्रि पर्व के अवसर पर मंदिर क्षेत्र के आसपास दुकानें बंद रखने एवं निर्धारित स्थल में दुकान संचालित करने निर्णय लिया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष ने अंडा बिरयानी की दुकान लगाने वाले व्यवसासियों के साथ बैठक कर नवरात्रि पर्व में व्यवसाय संचालन को लेकर चर्चा की। कवर्धा के लोग नवरात्रि के नौ दिनों को पूर्ण पवित्रता और आस्था के साथ मनाते हैं इस हेतु आज उन्होनें बैठक में बताया कि नवरात्रि पर्व हमारे कवर्धा शहर की आत्मा है। धर्म नगरी तथा देवभूमि के रूप में प्रसिद्ध कवर्धा माँ विंध्यवासिनी, माँ महामाया, माँ दंतेश्वरी और माँ सिंहवाहिनी व अन्य देवी-देवताओं का साक्षात वास है। उन्होनें बैठक में कहा कि नगर के सभी नागरिक माँ दुर्गा के नौ रूपों के दर्शन सात्विक व धार्मिक वातावरण में कर सकें और पूरे नगर का माहौल श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण बना रहे।

व्यापारियों ने नगर पालिका अध्यक्ष के इस निर्णय का स्वागत करते हुए इस पवित्र त्यौहार की गरिमा को ध्यान में रखते हेतु अंडा बिरयानी की दुकान नवरात्रि पर्व में मंदिर क्षेत्र के आसपास नही लगाने का आश्वासन दिया। सभी उपस्थित व्यवसायियों ने कहा कि नवरात्रि पर्व पर दुकान लगाये जाने हेतु नगर पालिका द्वारा अस्थायी तौर पर निर्धारित स्थल पर ही दुकान लगाया जायेगा। इस निर्णय से कवर्धा नगर की धार्मिक गरिमा सामाजिक सौहार्द और आस्था की रक्षा हो सकेगी। नवरात्रि के दौरान नगर का वातावरण भक्ति और श्रद्धा से पूर्ण रहेगा। भक्तजन निश्चिंत होकर मंदिर दर्शन एवं पूजा-अर्चना में सम्मिलित हो सकेंगे। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी के साथ पार्षद संजीव कुर्रे, एल्डरमेन राजेन्द्र सलूजा एवं व्यापारी उपस्थित थे।

गांजा का परिवहन करते एक तस्कर गिरफ्तार

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार-भाटापारा गौरव राय (भा.पु.से.) के कुशल निर्देशन, में जिले में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री तथा तस्करों के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना लवन पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध गांजा परिवहन कर रहे 01 तस्कर को रंगे हाथों गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है।

घटना एवं अपराध का विवरण: दिनांक 09.10.2026 की रात्रि मुखबिर से सूचना मिली कि वार्ड क्रमांक 03 लवन निवासी जयप्रकाश कुर्रे अपने घर की बाड़ी में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा बिक्री के लिए रखा हुआ है। सूचना पर थाना लवन पुलिस टीम द्वारा गवाहों के साथ संदेही के घर व बाड़ी की घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की गई। संदेही जयप्रकाश कुर्रे के घर की बाड़ी में छिपाकर रखे गए थैले व प्लास्टिक की बोरी की तलाशी ली गई। तौलकर्ता की उपस्थिति में विधिवत वजन करने पर कुल 8.718 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। आरोपी जयप्रकाश कुर्रे का कृत्य एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत आरोपी के विरुद्ध थाना लवन में अपराध क्र. 340/2026 पंजीबद्ध कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते करने की प्रक्रिया की जा रही है।

दुर्गा नवमी एवं दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने के लिए शांति समिति की हुई बैठक

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार-भाटापारा गौरव राय (भा.पु.से.) के कुशल निर्देशन में जिलेभर में आगामी नवरात्रि, दुर्गा नवमी, दशहरा एवं अन्य पर्वों को शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के साथ संपन्न कराने हेतु पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में आज दिनांक 10.10.2026 को थाना लवन परिसर में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बलौदाबाजार की प्रमुख उपस्थिति में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपस्थित अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक: बैठक में एसडीओपी बलौदाबाजार विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ थाना लवन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न ग्रामों के सरपंचगण, कोटवार, सम्मानित पत्रकार साथी, प्रबुद्ध नागरिक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए।

बैठक के प्रमुख बिंदु एवं दिशा-निर्देश: सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था: एसडीओपी महोदय द्वारा सभी उपस्थित सरपंचों, कोटवारों और नागरिकों को आगामी दुर्गा नवमी और दशहरा पर्व के दौरान क्षेत्र में चाक-चौबंद सुरक्षा प्रबंध रखने और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन को सहयोग करने के निर्देश दिए गए।

पंडालों व मेलों में व्यवस्था: दुर्गा पूजा पंडालों और रावण दहन स्थलों पर उमड़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने, सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने तथा समितियों द्वारा वालंटियर्स तैनात करने पर चर्चा की गई।

असामाजिक तत्वों पर सख्त निगरानी: बैठक में स्पष्ट किया गया कि पर्व के दौरान हुड़दंग मचाने, शराब पीकर वाहन चलाने, शांति भंग करने या किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी और उनके विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आपसी समन्वय और सहयोग: ग्राम स्तर पर कोटवारों और सरपंचों को अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल थाना लवन पुलिस को देने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक के अंत में सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सरपंचों, कोटवारों एवं पत्रकारों ने आगामी पर्वों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और भाईचारे के माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस एवं प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया।

गोठान में जीवन बिताने के लिए मजबूर बुजुर्ग, सुरक्षा पर सवाल

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। इंसान का जीवन भी कितना बदल जाता है। कभी जिस बुजुर्ग ने गांव के लोगों की सेवा करते हुए अपना जीवन बिताया। वही आज उम्र के अंतिम पड़ाव में असहाय होकर गांव से दूर पहाड़ी और जंगल के बीच बने गोठान में दिन-रात गुजारने को मजबूर है। सिरको गांव के लगभग 70 वर्षीय यादव समाज के इस बुजुर्ग की स्थिति देखकर मानवीय संवेदनाएं झकझोर उठती हैं।

जानकारी के अनुसार बुजुर्ग उदेराम यादव के नाम पर खेत का पट्टा है। गांव में घर और राशन कार्ड भी है, लेकिन वर्तमान में वह गांव से दूर स्थित गोठान में रह रहा है। बताया जाता है कि करीब दो महीने पहले लिमदरहा गांव के एक

दुपहिया वाहन चालक की ठोकर से उसका पैर टूट गया था। इस हादसे के बाद से वह चलने-फिरने में असमर्थ है। वह ठीक से बोल भी नहीं पाता और अपनी दैनिक जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर है।

बुजुर्ग के खेत कमाने वाला ही पहुंचा रहा दो वक्त की रोटी - बुजुर्ग के खेत को जो व्यक्ति खेती के लिए उपयोग करता है, वही उसे दो वक्त का भोजन गोठान तक पहुंचाकर लौट जाता है। भोजन की व्यवस्था तो किसी तरह हो रही है। मगर सुनसान पहाड़ी जंगल इलाके में बने गोठान में खुले में दिन-रात पड़े रहने वाले बुजुर्ग की सुरक्षा, स्वास्थ्य और नियमित देखभाल को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है। चलने-फिरने में असमर्थ होने के कारण वह शौच जैसी दैनिक जरूरतों के लिए भी स्वयं नहीं जा पाता।

ग्रामीणों के अनुसार एक समय ऐसा था, जब यही बुजुर्ग सिरको गांव के लोगों की सेवा किया करता था। आज जब उसे स्वयं सहारे की जरूरत है, तब उसकी स्थिति समाज के सामने एक बड़ा मानवीय सवाल खड़ा कर रही है। छत्तीसगढ़ जनर्लीस्ट वेलफेयर पत्रकार संघठन के ब्लाक उपाध्यक्ष रुपानन्द साव ने मौके पर पहुंचकर बुजुर्ग की स्थिति देखी।

संपादकीय

आखिरी बार देख लीजिये जंतर-मंतर

राकेश अचल

जनता से सब कुछ छीनने पर आमादा हमारी सरकार अब आम जनता से वो जंतर-मंतर भी छीनने वाली है जो दशकों से जन अभिव्यक्ति का मंच बना हुआ था.इसलिए यदि आप अपनी सुधियों में जंतर -मंतर बसाना चाहते हैं तो आखिरी बार जंतर- मंतर जाकर फोटो खिंचवा लें,रील बना लें.

मैं कोई बात हवा में नहीं करता.मैने सरकार के इरादे को माननीय सुप्रीम कोर्ट में भारत सरकार के सालिसिटर जनरल के बयान से भांप लिया है.मजे की बात ये है कि माननीय अदालत भी जंतर-मंतर को जनता से छीने जाने के विरोध में नहीं दिखाई दे रही.

कॉकरोच जनता पार्टी समेत कई संगठनों ने 10 अक्तूबर को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन के आह्वान के बाद दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर आंदोलन की इजाजत नहीं दी, इसके अलावा दिल्ली मेट्रो के 57 स्टेशनों को बंद कर दिया गया है ताकि लोग वहां जमा नहीं हो सकें। इतना ही नहीं शनिवार को नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन पहुंचने वाली ट्रेनों को भी रद्द कर दिया था.

सरकार के इन फैसलों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई थी. इन पर सुनवाई करते हुए देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने न केवल मेट्रो स्टेशनों को बंद किए जाने पर चिंता जताई बल्कि दो टूक कहा कि इस तरह से सब कुछ बंद नहीं किया जा सकता.

शीर्ष अदालत ने कहा कि दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करने के लिए एक वैकल्पिक जगह तय की जानी चाहिए। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को बताया कि सक्षम अधिकारी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के लिए जंतर-मंतर के अलावा किसी दूसरी जगह को तय करने पर विचार करेंगे.

.मेहता के इस आश्वासन के बाद सभी पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि अब समय आ गया है कि जंतर-मंतर की जगह किसी और स्थान पर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के लिए सुविधाओं वाली किसी दूसरी जगह की पहचान की जाए और उसे तय किया जाए.

कोर्ट ने आदेश दिया कि सक्षम अधिकारी इस सुझाव पर विचार करें और उचित निर्णय लें.यानी भविष्य में जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन देखने को नहीं मिल सकता है। आदेश में कहा गया है, 'सुनवाई के दौरान यह सुझाव दिया गया कि शांतिपूर्ण और कानूनी विरोध प्रदर्शनों के लिए ज़रूरी सुविधाओं और संसाधनों वाली कोई दूसरी उपयुक्त जगह पहचानी और तय की जा सकती है। भारत सरकार इस सुझाव पर विचार करे और उचित फैसला ले. '

आपको बता दूं कि दिल्ली के जंतर मंतर को प्रदर्शन और

आंदोलनों के लिए मुख्य रूप से 1993 से इस्तेमाल किया जा रहा है।.जहां तक मुझे याद है कि पहले दिल्ली में बड़े प्रदर्शन बोट क्लब (राजपथ/इंडिया गेट के पास) पर होते थे. यह जगह संसद, राष्ट्रपति भवन और सरकारी दफ्तरों के बहुत नजदीक थी.लेकिन जब अक्टूबर 1988 में किसान नेता महेंद्र सिंह टिकैत के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन के लगभग 5 लाख किसानों ने बोट क्लब और आसपास के इलाके पर लगभग एक हफ्ते तक कब्जा कर लिया. उन्होंने ट्रैक्टर, मवेशी आदि भी साथ लाए थे. इससे सुरक्षा और प्रशासनिक समस्याएँ पैदा हुईं.

इसके बाद सरकार ने सुरक्षा कारणों से बोट क्लब पर बड़े प्रदर्शनों पर रोक लगा दी.

वर्ष 1993 के आसपास जंतर मंतर रोड को वैकल्पिक और मुख्य प्रदर्शन स्थल के रूप में स्वीकार किया गया. कोई औपचारिक अधिसूचना नहीं थी, लेकिन धीरे-धीरे यह जगह स्थापित हो गई क्योंकि यह संसद के करीब तो है, लेकिन भीड़ को नियंत्रित करना आसान है.

वर्ष 1990 के दशक से यह दिल्ली का सबसे प्रमुख धरना-प्रदर्शन स्थल बन गया.यहाँ सैकड़ों आंदोलन हुए, जिनमें सबसे चर्चित 2011 में अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार-विरोधी (लोकपाल) आंदोलन रहा.

निर्भया कांड के बाद के प्रदर्शन किसानों, छात्रों, पेंशनरों, आरटीआई कार्यकर्ताओं आदि के कई लंबे धरने यहाँ हुए.

आज भी यह जगह छोटे-मध्यम आकार के शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के लिए अनुमति के साथ इस्तेमाल होती थी. बड़े प्रदर्शन रामलीला मैदान या अन्य जगहों पर भेजे जाते हैं।

रूस से डीजल खरीदेंगे ट्रंप, जेलेंस्की हुए आग बबूला, अमेरिकी राष्ट्रपति के दोहरेपन को देख दुनिया में मची हायतौबा

नीरज कुमार दुबे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से डीजल खरीदने का फैसला कर लिंडसे ग्राहम को मानो श्रद्धांजलि दे दी है! यह कटाक्ष इसलिए है, क्योंकि भारत रूस से तेल खरीदे तो उस पर सौ फीसदी टैरिफ लगा दिया जाता है, लेकिन अमेरिका वही काम करे तो उसे शानदार फैसला बताया जाता है। यही नहीं, नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला, तो ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय पर ही प्रतिबंध लगा दिए। आखिर यह कैसी नीति है? दूसरों को नियमों का पाठ पढ़ाने वाले ट्रंप जब अपने देश के हितों की बात आती है, तो उन्हीं नियमों को भूल जाते हैं। भारत पर रूस से तेल नहीं खरीदने का दबाव बनाने वाले ट्रंप अब खुद रूस से डीजल खरीद रहे हैं, इस फैसले ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है इसलिए सवाल उठ रहा है कि रूस से तेल खरीदना गलत है, या गलत सिर्फ तब है जब भारत खरीदे? यही है ट्रंप की नीति का दोहरापन और खोखलापन!

देसीउत्पाद खोजें

देखा जाये तो रूसी ऊर्जा खरीद को लेकर भारत पर दबाव बनाने वाले ट्रंप का ताजा फैसला उनकी कथनी और करनी के बीच की खाई को उजागर करता है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने रूस से तत्काल तीन लाख टन से अधिक डीजल की आपूर्ति के साथ नवंबर में पांच लाख टन, उसके बाद दस लाख टन और फिर कुछ ही समय में तीस लाख टन अतिरिक्त डीजल की आपूर्ति की घोषणा की है। अमेरिकी प्रशासन ने रूसी डीजल की आपूर्ति को सुगम बनाने के लिए अस्थायी सामान्य अनुमति भी जारी की है, जिसके अंतर्गत निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले कुछ माल पर अप्रैल 2027 तक प्रतिबंधों में छूट का प्रावधान किया गया है।

गौरतलब है कि यह वही प्रशासन है जिसने रूस की युद्ध अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिबंधों को सख्त करने की नीति अपनाई थी। लेकिन जब अमेरिका में ईंधन की कीमतें बढ़ीं और किसानों, ट्रक चालकों तथा कारोबारियों पर दबाव बढ़ा, तो रूस से ऊर्जा खरीद अचानक स्वीकार्य हो गई। दरअसल अमेरिका में नवंबर की शुरुआत में मध्यावधि चुनाव होने हैं और ट्रंप की नीतियों के चलते वहां महंगाई अप्रत्याशित रूप से बढ़ गयी है जिसके चलते जनता नाराज है।

रिपोर्टों के मुताबिक, सितंबर में अमेरिकी डीजल की कीमत 6.52 डॉलर प्रति गैलन के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गयी थी और शुक्रवार को लगभग 6.28 डॉलर प्रति गैलन रही। तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले महंगाई का सवाल ट्रंप के लिए बड़ा सिरदर्द बन चुका है। सर्वेक्षणों के मुताबिक, 78 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों ने बढ़ती जीवन-यापन लागत के लिए ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार माना है। इसलिए जब अमेरिकी मतदाताओं की जेब का सवाल आया, तो रूस से डीजल खरीदना ट्रंप के लिए राष्ट्रीय हित बन गया। लेकिन भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों और आर्थिक हितों के अनुसार रूसी तेल खरीदे, तो उसे टैरिफ का सामना करना पड़ता है। इसलिए सवाल उठता है कि यह कैसी निष्पक्षता है? यह कैसी नियम-आधारित व्यवस्था है, जिसमें नियम दूसरों के लिए हैं और छूट अपने लिए?

दूसरी ओर, ट्रंप के इस फैसले ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की नाराजगी भी बढ़ा दी है। उन्होंने इसे अनुचित और बेईमानी भरा कदम बताते हुए कहा कि इससे पुतिन को जन्मदिन का उपहार मिलने जैसा संदेश जाता है। जेलेंस्की की आपत्ति इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि यह घोषणा ऐसे समय हुई, जब ट्रंप के प्रतिनिधि

यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों के साथ युद्ध समाप्त करने के प्रस्तावों पर बातचीत कर रहे थे।

जेलेंस्की ने यह भी संकेत दिया कि यदि ऊर्जा प्रतिबंधों में ढील दोनों देशों की ओर से सर्दियों में ऊर्जा ढांचे पर हमले रोकने जैसे पारस्परिक समझौते का हिस्सा होती, तो उसका समर्थन किया जा सकता था। लेकिन बिना ऐसी शर्तों के रियायत देना रूस की युद्ध क्षमता को आर्थिक सहारा देने जैसा दिखाई देता है। वहीं अमेरिकी रिपब्लिकन नेता डॉन बेकन ने भी इस फैसले की आलोचना की। उनका तर्क था कि अमेरिकी किसानों और उपभोक्ताओं के लिए डीजल सस्ता करना जरूरी है, लेकिन इसके लिए रूस से ईंधन खरीदना गलत रास्ता है। उन्होंने पूछा कि जब अमेरिकी संसद ने रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए कानून पारित किया और ट्रंप ने स्वयं उस पर हस्ताक्षर किए, तो अब उसी दबाव को कमजोर करने का औचित्य क्या है?

इसके अलावा, ट्रंप की राजनीति का दूसरा चिंताजनक पहलू अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रति उनका रवैया है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश नवी पिल्लै को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप प्रशासन ने न्यायालय के विरुद्ध प्रतिबंधों की घोषणा कर दी। नवी पिल्लै को सम्मान ऐसे समय मिला, जब अंतरराष्ट्रीय न्यायिक संस्थाओं पर राजनीतिक दबाव बढ़ने को लेकर चिंताएं व्यक्त की जा रही थीं। नोबेल समिति ने युद्ध अपराधियों को जवाबदेह ठहराने और पीड़ितों को न्याय दिलाने वाली अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था को शांतिपूर्ण विश्व की अनिवार्य शर्त बताया। नवी पिल्लै को नोबेल शांति पुरस्कार मिलते ही ट्रंप जैसे बौखला गये और कुछ घंटों बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ट्रंप अमेरिकी नागरिकों पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय का अभियोजन स्वीकार नहीं करेंगे। अमेरिकी प्रशासन ने न्यायालय के साथ लेन-देन पर रोक लगाने और उसके संसाधनों को बाधित करने की मंशा जाहिर की। वहीं अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने इसे कानून के शासन और अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था की बुनियाद पर हमला बताया।

देखा जाये तो यहां भी वही पुराना सवाल सामने आता है कि क्या अंतरराष्ट्रीय कानून केवल कमजोर देशों और विरोधियों पर लागू होना चाहिए? क्या अमेरिका को अपने नागरिकों और अधिकारियों को किसी भी अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही से ऊपर रखने का अधिकार मिल जाना चाहिए? ऐसा लगता है कि वाशिंगटन अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही की सीमाएं अपने हिसाब से तय करना चाहता है। ट्रंप की राजनीति में सबसे बड़ा विरोधाभास यही है कि वे राष्ट्रीय हित का इस्तेमाल कभी प्रतिबंधों को उचित ठहराने के लिए करते हैं, तो कभी उन्हीं प्रतिबंधों को कमजोर करने के लिए। भारत के लिए रूसी तेल आर्थिक और ऊर्जा संबंधी जरूरतों का प्रश्न है, लेकिन अमेरिका के लिए वही रूसी ऊर्जा घरेलू महंगाई घटाने और चुनावी नुकसान रोकने का साधन बन जाती है।

इसी तरह, अंतरराष्ट्रीय न्याय की बात तब तक स्वीकार्य दिखाई देती है, जब तक वह अमेरिकी सत्ता और उसके सहयोगियों के हितों से न टकराए। जैसे ही जवाबदेही का सवाल उठता है, स्वतंत्र न्यायिक संस्था को ही निशाना बनाया जाने लगता है। यह केवल नीतिगत असंगति नहीं, बल्कि उस नैतिक दावे की कमजोरी है जिसके आधार पर अमेरिका दुनिया को नियमों, लोकतंत्र और न्याय का उपदेश देता रहा है। ट्रंप ने अपने फैसलों से यह धारणा मजबूत की है कि उनके लिए सिद्धांत स्थायी नहीं, बल्कि परिस्थितियों और राजनीतिक लाभ के अनुसार बदलने वाली चीज हैं।

मृत्यु की मुस्कान से मोक्ष की ओर – कान्तादेवी बोथरा की सागरी संथारा

ललित गर्ग

जैन धर्म की आध्यात्मिक परंपरा त्याग, तपस्या, संयम, आत्मजागरण और वैराग्य की ऐसी गौरवशाली परंपरा है, जिसमें जीवन की सार्थकता केवल जीने में नहीं, बल्कि जीवन के अंतिम क्षणों को भी सजगता, समता और आत्मशुद्धि से परिपूर्ण बनाने में निहित है। इस परंपरा में संथारा अथवा संलेखना एक ऐसी विशिष्ट आध्यात्मिक साधना है, जो मनुष्य को देह की सीमाओं से ऊपर उठकर आत्मस्वरूप के चिंतन की प्रेरणा देती है। जैन धर्म में अनेक आचार्यों, मुनियों और साध्वियों ने अपनी तपस्या, त्याग और समाधिमरण से इस परंपरा को समृद्ध किया है। वहीं श्रावक-श्राविकाओं ने भी अपने संयमित जीवन और साधनामय अंतिम यात्रा से यह सिद्ध किया है कि आध्यात्मिक उत्कर्ष केवल मुनि-जीवन तक सीमित नहीं, बल्कि श्रद्धा, विवेक और आत्मानुशासन से गृहस्थ जीवन में भी संभव है।

इसी पवित्र परंपरा की एक भावपूर्ण कड़ी हैं दिल्ली और नोएडा के प्रतिष्ठित बोथरा परिवार की मातृशक्ति कान्तादेवी बोथरा, धर्मपत्नी स्वर्गीय पूनमचंदजी बोथरा, जिन्होंने 5 अक्टूबर को प्रातः 8 बजकर 28 मिनट पर सागरी संथारा के माध्यम से समाधिमरण प्राप्त किया। उनका यह महाप्रयाण परिवार के लिए अपूरणीय वियोग का प्रसंग है, किंतु आध्यात्मिक दृष्टि से उनके धर्ममय जीवन, श्रद्धा और साधना का स्मरण करने का अवसर भी है। उनका जीवन हमें यह समझने की प्रेरणा देता है कि मनुष्य की वास्तविक महानता उसके सांसारिक वैभव में नहीं, बल्कि उसकी आंतरिक निर्मलता, धार्मिक निष्ठा, संयम और आत्मकल्याण की भावना में निहित होती है।

जैन दर्शन में संथारा को सामान्य मृत्यु की घटना के रूप में नहीं, बल्कि विशिष्ट आध्यात्मिक भावभूमि में समझा जाता है।

संलेखना का मूल भाव है—कषायों को क्षीण करना, राग-द्वेष को कम करना, मोह-ममता के बंधनों को शिथिल करना और जीवन के अंतिम चरण में समता एवं सजगता का विकास करना। यह साधना बाहरी त्याग से अधिक आंतरिक रूपांतरण की प्रक्रिया है। इसमें शरीर के प्रति अनावश्यक आसक्ति से ऊपर उठते हुए आत्मा के स्वरूप, कर्मबंधनों और जीवन की अनित्यता का चिंतन महत्त्वपूर्ण होता है।

सागरी संथारा इसी व्यापक साधना-परंपरा से जुड़ा एक विशिष्ट प्रसंग है। इसकी आध्यात्मिक गरिमा को समझने के लिए उसके पीछे निहित विवेक, वैराग्य, आत्मस्वीकृति और धार्मिक मार्गदर्शन के महत्त्व को समझना आवश्यक है। यह किसी क्षणिक आवेग, निराशा अथवा जीवन से पलायन की भावना का नाम नहीं, बल्कि जैन परंपरा में वर्णित आत्मसंयम और समाधि की भावना से जुड़ा विषय है। इसकी सार्थकता बाहरी प्रदर्शन में नहीं, बल्कि साधक की आंतरिक सजगता, समता और कषायमुक्ति के प्रयास में देखी जाती है।

जैन दर्शन हमें सिखाता है कि जीवन और मृत्यु दोनों अनित्य हैं। शरीर परिवर्तनशील है, जबकि आत्मा को जैन दर्शन में स्वतंत्र, चेतन और शाश्वत तत्त्व माना गया है। इस दृष्टि से मृत्यु का चिंतन भय उत्पन्न करने के लिए नहीं, बल्कि जीवन को अधिक विवेकपूर्ण, करुणामय और संयमित बनाने के लिए है। संथारा की आध्यात्मिक अवधारणा भी इसी आत्मचिंतन की ओर प्रेरित करती है। कान्तादेवी बोथरा की साधनामय जीवनयात्रा का स्मरण करते हुए यही भावना जागृत होती है कि धर्म का वास्तविक मूल्य तभी है, जब वह जीवन के व्यवहार से लेकर अंतिम समय तक मनुष्य को समता, शांति और आत्मावलोकन की प्रेरणा देता रहे।

बोध कथा

दुर्भाग्य का मुकाबला

लगभग ढाई सौ साल पहले की घटना है। जापान में हवाना होकीची नामक एक बालक का जन्म हुआ। सात वर्ष की उम्र में चेचक के कारण बालक की आंखों की रोशनी चली गई। अब उसके जीवन में बिल्कुल अंधेरा हो गया था।

कुछ दिनों तक तो होकीची इस दुर्भाग्यपूर्ण परिवर्तन को समझ नहीं पाया। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते रहे, वैसे-वैसे होकीची ने अपनी परिस्थिति से समझौता कर लिया और मन में ठान लिया कि किसी भी कीमत पर हार नहीं माननी है। बालक ने पढ़ना आरंभ किया। धीरे-धीरे उसे पुस्तकों से गहरा प्रेम हो गया। पुस्तकें ही होकीची की आंखें थीं, जो उसे जीवन की राह दिखाती थीं। वह पुस्तकों को दूसरों से पढ़वा कर ज्ञान अर्जित करता था। आजीवन उसने अपना अध्ययन जारी रखा। दूसरों से पुस्तकें पढ़वा-पढ़वा कर होकीची का ज्ञान भंडार असीमित हो चुका था। फिर उन्होंने अपने ज्ञान को एक पुस्तक के रूप में समेटना चाहा। जब यह बात एक राष्ट्रीय संस्था को मालूम हुई तो उसने होकीची के ज्ञान को पुस्तक रूप में लिखवाया।

होकीची ने बोलकर संपूर्ण पुस्तक को लिखवा दिया। राष्ट्रीय संस्था को हवाना होकीची द्वारा लिखवाई गई पुस्तक अत्यंत महत्वपूर्ण नजर आई। उसने उसके आधार पर एक विश्वज्ञान कोश प्रकाशित किया। यह विश्वज्ञान कोश दो हजार आठ सौ बीस खंडों में प्रकाशित हुआ। विश्व इतिहास में आज तक इससे अधिक तथ्यपूर्ण पुस्तक संभवतः कोई प्रकाशित नहीं हुई। होकीची ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अपने जीवन को एक सार्थक मोड़ पर पहुंचाया और आत्मविश्वास के बल पर एक सौ एक वर्ष तक जिंदा रहे। उन्होंने अपनी शारीरिक कमी को अपनी ताकत बनाकर अपने दुर्भाग्यपूर्ण जीवन को महान बना लिया। उनका जीवन दूसरों के लिए एक मिसाल बन गया। उन्होंने साबित किया कि संकल्प से हर तरह की मुश्किलों को आसान बनाया जा सकता है।

कविता

मुस्कुरा रही मातारानी

मोनिका डागा 'आनंद'

नौ दुर्गा का अवतार लिए,
मुस्कुरा रही मातारानी,
धूम मची है नवरात्रों में,
गज सवार श्री मातु भवानी

इन शारदीय नवरात्रों में,
अंबे माँ को भक्त मनाएं,
शुद्ध भाव से नौ स्वरूपों की,
नित ही सुंदर महिमा गाएं,
नौ दिन श्रद्धा से विधिवत्
ही,
नौ रूपों का ध्यान लगाएं,
फल-फूल और नैवेद्य कई,
माता को प्रेम से धराएं,
नौ रूपों में करें श्रृंगार,
चक्रों पर विराजित भवानी,
नौ दुर्गा का अवतार लिए,
मुस्कुरा रही मातारानी ।

मातु शैलपुत्री दे स्थिरता,
ब्रह्मचारिणी तप की दीक्षा,
चंद्रघंटा निडरता दे दो ,
कुष्मांडा गूढ़ प्रेम शिक्षा,
मन विशुद्ध स्कंदमाता करो,
कात्यायनी सुगम्य परीक्षा,
कालरात्रि चेतना जगा दो,
महागौरी करूणा प्रशिक्षा,
दीजिए सिद्धिदात्री अंतस,
ज्ञानार्जन सिद्धि की निशानी,
नौ दुर्गा का अवतार लिए,
मुस्कुरा रही मातारानी ।

करती है माता भक्तों की,
दुष्कर संकट से रखवाली,
है तीनों लोकों में मेरी,
माँ की महिमा बड़ी निराली,
हरती अंधेरा तन-मन का,
पल में सारा ज्योतावाली,
सबके जीवन में लाती है,
सुख 'आनंद' अमिय खुशहाली,
बंद सौभाग्य के सभी द्वार,
खोले आदिशक्ति महारानी,
नौ दुर्गा काअवतार लिए,
मुस्कुरा रही मातारानी ।

व्यंग्य केसरी

जेन जी ज़ेबरा क्रॉसिंग पर ?

एकता शर्मा

सड़क से संसद की सदस्यता मिल जाए, तो बात बन जाए। लेकिन जाएँ कैसे ?इस भीड़तंत्र से पार पाएँ कैसे?

आखिर सड़क पार करने के जोखिम हज़ार हैं। हमें तो ज़ेबरा क्रॉसिंग ही सुरक्षित, सस्ता और सुलभ साधन जान पड़ता है,हँसते हुए कमरे में ठहाके लगे।

परसाई जी ने सड़क न मिले तो पगडंडियों का शॉर्टकट समझाया था; लेकिन अब तो इन पगडंडियों में भी पग रखने की जगह नहीं है। यहाँ भी अब अवैध और अनैतिक अतिक्रमण भारी है और शॉर्ट सर्किट से आगजनी आम है। तब भरोसेमंदों ने कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई।

चलो! अब इस नए मार्ग की तैयारी करते हैं।

तभी बैठक में बैठे दूसरे नवयुवक के मन में विचार आया— 'कहीं सचमुच इस पार से उस पार (जन्नत) जाने के लिए, जनरेशन 'जेन-जी' को जंतर-मंतर का ज़ेबरा क्रॉसिंग तो नहीं बनाया जा रहा है?'

ऐसा लग रहा है जैसे कोई बाँसुरी बजाकर चूहे इकट्ठे कर रहा हो। देखो, फिर से एक लैब में टेस्ट ट्यूब टूटी है। कहीं कोई 'संता नहीं हंता' वायरस तो दुनिया में नहीं फैल गया है? भारत ही नहीं, हमारे पड़ोसी देशों और विकसित फ्रांस जैसे देशों में भी यही हाल हो रहा है।

नहीं-नहीं, ये चूहे नहीं हैं; चूहे तो हमारे गणेश जी के वाहन भी रहे हैं। यह तो कॉकरोच है! वह कॉकरोचों को इकट्ठा कर रहा है। हड़ताल, हिजरत, सत्याग्रह करो, लेकिन आग्रह तो सही करो! सच कहूँ तो बेचारी महिला कांस्टेबल जघन्य अपराधियों से भी निपट लें, लेकिन कॉकरोच और छिपकली जैसे जीव ऐसे होते हैं जिनसे निपटना आसान नहीं। आपने कहावत नहीं सुनी, 'सुद्धी छिपकली घना जीनावर खावे।' अर्थात, सीधी-सादी दिखने वाली छिपकली भी बहुत सारे कीड़े-मकोड़े खा जाती है।

देखो जंतर-मंतर पर! वह सिर पकड़कर बैठी है, दूसरी बेहोश पड़ी है। क्या इसीलिए पढ़ाई की थी? कितनी पढ़ाई की थी और उस गहन व गंभीर पढ़ाई का यह सिला मिला!

'मैं कांस्टेबल बनी।'

कांस्टेबल बनना बुरा नहीं है जनाब, हकीकत तो यह है कि इस प्रक्रिया में ही कितने साल बीत गए।

'दस साल हो गए होंगे तैयारी करते हुए?'

वह बोली, 'हाँ दीदी!'

आईएएस अफसर बनने की सतत प्रक्रिया में आज वह लड़की कांस्टेबल तो बन ही गई, चलो। क्या नाम था उसका? नाम में क्या रखा है जनाब, काम देखिए! कैसे जंतर-मंतर पर ड्यूटी के दौरान उस मासूम लड़की के बाल और कपड़े नोंचे जा रहे हैं।

'अरे भाई! लेकिन कानूनन नैसर्गिक न्याय भी तो कुछ होता है?

जी, होता है न जनाब! दंड प्रक्रिया संहिता को हमने यूँ ही 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' थोड़ी न बनाया है। अब ऐसे प्रबुद्ध नागरिकों और कच्छा-बनियान गिरोह जैसी उग्र भीड़ को संभालने में वह लड़की कहाँ से अपना और उसका दुपट्टा सँभाले? अपनी लाज बचाए या उसकी लाज बचाए?

खैर, कच्छा-बनियान पर दुपट्टा तो वैसे भी नहीं ओढ़ा जाता।

इतिहास

12 अक्टूबर का दिन भारत और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है:

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1492: इटली के नाविक क्रिस्टोफर कोलंबस ने अमेरिका महाद्वीप के तहत बहामास द्वीप समूह पर पहली बार कदम रखा, जिसे 'नई दुनिया' की खोज माना जाता है।

1934: अमेरिका के राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट ने 12 अक्टूबर को 'कोलंबस दिवस' (Columbus Day) को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया।

1958: भारत का पहला परमाणु रिएक्टर 'अप्सरा' (Apsara) ट्रांबे में पूरी तरह से सक्रिय (operational) हुआ।

1999: पाकिस्तान में सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ ने प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की निर्वाचित सरकार का तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया था।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का रखें विशेष ध्यान : जिला पंचायत सीईओ

अनुपस्थित पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल ने जनपद पंचायत कोटा की ग्राम पंचायत नवागांव सलका, कुआड़ीमोड़ा एवं गोबरीपाट में संचालित विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

जिला पंचायत सीईओ अग्रवाल ने इस दौरान जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ), सांसद निधि एवं वीबी-जी राम जी योजना सहित अन्य विभिन्न मदों से निर्मित किए जा रहे सामुदायिक भवन, प्रार्थना शेड, उचित मूल्य की दुकान, बाउंड्रीवॉल, बालिका शौचालय तथा आंगनबाड़ी भवन का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान प्रार्थना शेड की ऊंचाई बढ़ाने तथा उचित मूल्य की दुकान के फर्श का स्तर ऊंचा करने के लिए संबंधित उप अभियंता को निर्देशित किया गया, ताकि वर्षा के दौरान पानी भरने की समस्या से बचाव हो सके और ग्रामीणों को सुविधाओं का बेहतर लाभ मिल सके।

आंगनबाड़ी केंद्र में साफ-सफाई और सुव्यवस्थित संचालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि बच्चों के लिए स्वच्छ एवं अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए ग्राम पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत सीईओ युवराज सिंहा, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के एसडीओ, जिला कार्यक्रम अधिकारी वीबी-जी राम जी, संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिव एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

भोपालपटनम में छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

विश्व केसरी

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भोपालपटनम में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से परिचित कराना, उनमें सकारात्मक सोच विकसित करना तथा तनाव, चिंता एवं अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूक करना रहा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.आर. पुजारी, सिविल सर्जन डॉ. रत्ना ठाकुर, जिला नोडल अधिकारी डॉ. पी. विजय एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक वरुण साहू के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को मानसिक रूप से स्वस्थ रहने तथा जीवन की चुनौतियों का सकारात्मक तरीके से सामना करने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

पेपर कार्ड गतिविधि से रोचक अंदाज में समझाया मानसिक स्वास्थ्य का महत्व - कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण छात्राओं के लिए आयोजित पेपर कार्ड आधारित रोचक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधि रही। इसके माध्यम से छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य, भावनाओं की पहचान, तनाव प्रबंधन एवं सकारात्मक सोच के महत्व के बारे में सरल और प्रभावी तरीके से समझाया गया।

इस गतिविधि का उद्देश्य छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषय पर सहजता से जानकारी उपलब्ध कराना तथा उन्हें अपनी भावनाओं को समझने और व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना था। चिंता और अवसाद के लक्षणों को पहचानना जरूरी - जागरूकता कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को चिंता, अवसाद एवं आत्महत्या की रोकथाम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। छात्राओं को बताया गया कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। अत्यधिक तनाव, लगातार उदासी, चिंता एवं भावनात्मक परेशानियों को नजरअंदाज करने के बजाय समय रहते अभिभावकों, शिक्षकों, विश्वसनीय व्यक्तियों अथवा स्वास्थ्य विशेषज्ञों से सहायता लेना आवश्यक है। साथ ही छात्राओं को अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करने, सकारात्मक दिनचर्या अपनाने, पर्याप्त नींद लेने, नियमित शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने तथा पढ़ाई के साथ मनोरंजन और विश्राम के लिए भी समय निकालने के महत्व से अवगत कराया गया।

आधार से जुड़ी हर समस्या का होगा समाधान, 14 से 16 अक्टूबर तक विकासखंडों में लगेंगे विशेष आधार शिविर

विश्व केसरी

बलरामपुर (आफताब आलम)। शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में आधार संबंधी कठिनाइयों का सामना कर रहे नागरिकों के लिए जिला प्रशासन द्वारा विकासखंड स्तर पर विशेष आधार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। चिप्स के सहयोग से ये शिविर 14 अक्टूबर को जनपद पंचायत कार्यालय बलरामपुर, 15 अक्टूबर को जनपद पंचायत कार्यालय शंकरगढ़ तथा 16 अक्टूबर को जनपद पंचायत कार्यालय कुसमी में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक लगेंगे। इनमें नया आधार पंजीयन होने के साथ ही पंजीकृत आधार की त्रुटियों का मौके पर ही निराकरण किया जाएगा।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने जिलेवासियों से शिविर में पहुंचकर इसका लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आज के समय में आधार प्रत्येक नागरिक की अनिवार्य पहचान बन चुका है और केंद्र एवं राज्य शासन की लगभग सभी योजनाओं का लाभ इसी के माध्यम से हितग्राहियों तक पहुंचता है। किसानों के एग्रीस्टैक पंजीयन, विद्यार्थियों की अपार आईडी और पैन कार्ड से लेकर बैंक खातों की लिंकिंग तक, हर आवश्यक प्रक्रिया आधार से जुड़ी है। ऐसे में आधार में छोटी-सी त्रुटि भी पात्र व्यक्ति को उसके अधिकार से वंचित कर सकती है। कलेक्टर ने कहा कि जिनका आधार अब तक नहीं बना है या जिनके आधार में कोई गड़बड़ी है, वे अपने विकासखंड के शिविर में अवश्य पहुंचें और इस अवसर का लाभ उठाएं।

शिविरों में बायोमेट्रिक मिसमैच, आधार निरस्त या निष्क्रिय होने, जन्मतिथि एवं जेंडर संबंधी त्रुटि तथा अपडेट के दौरान फिंगरप्रिंट या आइरिस दर्ज न होने जैसी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। साथ ही नाम, जन्मतिथि और पते में सुधार की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। बायोमेट्रिक अपडेट के लिए आवेदक की स्वयं उपस्थिति अनिवार्य होगी।

महिला से सोने का मंगलसूत्र लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। जिला शक्ति पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर (भा.पु.से.) के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल (रा.पु.से.) के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चंद्रपुर/डभरा सुमित गुप्ता (रा.पु.से.)के कुशल नेतृत्व में थाना डभरा क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 10.10.2026 को ग्राम खेमड़ा निवासी प्रार्थी बद्दूलाल उम्र 65 वर्ष ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी वृद्ध पत्नी शौच के लिए गई थी। सुबह करीब 06:30 से 07:00 बजे के बीच ग्राम में ननमोहन साहू के घर के सामने एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी पत्नी को रोककर पूछा कि तालाब कहां है, और इसी दौरान गले में पहना सोने का मंगलसूत्र लूटने लगा। धागा टूटने पर मंगलसूत्र लेकर आरोपी गेवराघाट की ओर भाग गया। पीड़िता की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण नाती कमलेश, योगेश, उमेश एवं श्यामलाल द्वारा आरोपी का पीछा कर ग्राम घोघरी में पकड़ा गया। पकड़े जाने पर आरोपी ने अपना नाम पारस कुमार चन्द्रा पिता ब्रिजमोहन चन्द्रा, निवासी वार्ड नंबर 12 जुनाडीह विजय नगर गेवरा प्रोजेक्ट, थाना दीपका, जिला कोरबा (छ.ग.) बताया।

मल्हार स्कूल मामले में कार्रवाई प्राचार्य सहित तीन शिक्षक हटाए गए

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मल्हार में छात्र-छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार और विद्यालय की व्यवस्थाओं में अनियमितताओं की शिकायत पर प्राचार्य सहित तीन शिक्षकों को विद्यालय से हटा दिया गया है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को जांच के निर्देश दिए थे। जांच प्रतिवेदन के आधार पर प्राचार्य वेद प्रकाश शुक्ला, व्याख्याता रश्मि गुप्ता और व्याख्याता संजय दुबे को अन्य विद्यालयों में कार्य करने के आदेश जारी किए गए हैं।

मामले की पृष्ठभूमि में विद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था, विद्यार्थियों के साथ दुर्व्यवहार तथा शैक्षणिक वातावरण से संबंधित शिकायतें जनप्रतिनिधियों और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त हुई थीं। इसके अलावा 1 अक्टूबर को विद्यालय की छात्राओं ने कलेक्टर के समक्ष अपनी शिकायत रखकर संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की थी। शिकायतों की जांच के लिए 30 सितंबर को तीन सदस्यीय जांच दल गठित किया गया था। दल ने विद्यार्थियों और कर्मचारियों के बयान लेकर 7 अक्टूबर को अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्राचार्य से संबंधित जांच निष्कर्षों में विद्यार्थियों के साथ दुर्व्यवहार, छात्राओं को सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने में अनियमितता, शाला शुल्क के नाम पर प्रति विद्यार्थी 500 रुपए अतिरिक्त राशि की वसूली तथा शैक्षणिक दायित्वों के निर्वहन में गंभीर अनियमितताओं की पुष्टि हुई। व्याख्याता रश्मि गुप्ता से संबंधित जांच में विद्यार्थियों के साथ दुर्व्यवहार, उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन और अध्यापन कार्य भृत्य से कराने तथा शैक्षणिक दायित्वों के निर्वहन में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। व्याख्याता संजय दुबे के संबंध में भी विद्यार्थियों के साथ दुर्व्यवहार और गंभीर अनियमितताओं की पुष्टि हुई। जांच दल ने विद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार और स्वच्छ शैक्षणिक वातावरण बनाने के लिए संबंधितों को अन्य संस्थाओं में स्थानांतरित करने की अनुशंसा की थी।

शांति और सौहार्द के साथ मनेगा दशहरा, शांति समिति की बैठक में प्रशासन ने दिया एकता का संदेश

विश्व केसरी

बलरामपुर (आफताब आलम)। जिले में दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और आपसी भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय स्थित कोतवाली थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। डिप्टी कलेक्टर प्रज्ञा नायक की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में थाना प्रभारी भूपेंद्र साहू की विशेष उपस्थिति रही। बैठक में विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, दशहरा पूजा समितियों के अध्यक्षों, सचिवों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर त्योहार को शांतिपूर्वक मनाने के लिए आपसी सहयोग और समन्वय पर चर्चा की।

बैठक में प्रशासन की ओर से स्पष्ट संदेश दिया गया कि दशहरा पर्व सभी समुदायों के सहयोग, सामाजिक सद्भाव और पारस्परिक सम्मान के साथ मनाया जाए। त्योहार के दौरान शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई। उपस्थित लोगों ने भी त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में प्रशासन और पुलिस का सहयोग करने की बात कही।

थाना प्रभारी भूपेंद्र साहू ने की शांतिपूर्ण आयोजन की अपील - बैठक में थाना प्रभारी भूपेंद्र साहू ने दशहरा पूजा समितियों और उपस्थित नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि त्योहार को आपसी भाईचारे, सौहार्द और सद्भाव के वातावरण में मनाएं। सभी आयोजन शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किए जाएं तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि त्योहारों का उद्देश्य समाज में प्रेम, एकता और सकारात्मकता का संदेश देना है।

अकलतरा में राज्य कर्मचारी संघ का जिला अधिवेशन का समापन

विश्व केसरी

अकलतरा (नीरज शर्मा)। शासन से मान्यता प्राप्त संगठन राज्य कर्मचारी संघ का जिला अधिवेशन अकलतरा के तरौद चौक में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। अधिवेशन में संगठन की मजबूती, कर्मचारियों के हितों की रक्षा, आपसी एकजुटता और संगठन के विस्तार को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी के गठन के साथ विभिन्न पदाधिकारियों को नवीन दायित्व सौंपे गए। पुष्पराज चंदेल को जिलाध्यक्ष, नरेंद्र सिंह को जिला सचिव तथा विनोद तिग्गा को जिला कोषाध्यक्ष का दायित्व दिया गया।

नवीन पदाधिकारियों की घोषणा के बाद उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत करते हुए संगठन के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने की अपेक्षा जताई। विशेष रूप से जिलाध्यक्ष का दायित्व मिलने पर पुष्पराज सिंह चंदेल का कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से स्वागत किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

संगठन को जिला से ब्लॉक और संकुल स्तर तक मजबूत करने पर जोर

अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अखिल भारतीय महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री राजेंद्र श्रीवास्तव ने नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों को नवीन दायित्व मिलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि संगठन की वास्तविक मजबूती उसके सक्रिय सदस्यों और जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं से आती है। उन्होंने राज्य कर्मचारी संघ का विस्तार जिला स्तर से आगे बढ़ाते हुए ब्लॉक एवं संकुल स्तर तक करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पदाधिकारियों से कर्मचारियों के बीच निरंतर संपर्क बनाए रखने और उनकी समस्याओं को संगठन के माध्यम से प्रभावी ढंग से उठाने का आह्वान किया। भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री शंखध्वनी सिंह बनाफर ने अपने संबोधन में संगठनात्मक एकता को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि किसी भी संगठन की सफलता उसके सदस्यों की एकजुटता, समर्पण और सक्रियता पर निर्भर करती है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ संघ के कार्यों को प्राथमिकता देने तथा कर्मचारी हितों से जुड़े विषयों पर संगठित होकर काम करने की बात कही।

भिलाई में पांचवीं के छात्र की मौत

विश्व केसरी

भिलाई-जामुल (संतोष सिंह)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग-भिलाई के कुरुद इलाके में पांचवीं कक्षा के एक छात्र की मौत का मामला सामने आया है। घटना जामुल थाना क्षेत्र में नवीन चौक के पास की है। शुरुआती जानकारी में परिवार के एक कार्यक्रम में साथ जाने को लेकर हुई बातचीत का जिक्र सामने आया है। हालांकि, छात्र की मौत के पीछे यही वजह थी या कोई अन्य कारण, इसकी अब तक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर घटना से पहले की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में जाने की बात आई सामने - प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले परिवार में छात्र के बड़े पिता के निधन के बाद अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में जाने को लेकर चर्चा हुई थी। बताया जा रहा है कि छात्र इस कार्यक्रम में जाना चाहता था, लेकिन परिजनों ने उसे साथ ले जाने से मना कर दिया था। इस बातचीत और छात्र की मौत के बीच कोई सीधा संबंध था या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। फिलहाल इस पहलू को लेकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। जांच में यह समझने की कोशिश की जा रही है कि घटना से पहले छात्र किन परिस्थितियों से गुजर रहा था और क्या वह किसी बात को लेकर परेशान था। पुलिस ने अभी तक मौत के पीछे किसी निश्चित कारण की पुष्टि नहीं की है। मामले की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

जांच के बाद सामने आएगी घटना की वजह - कम उम्र के छात्र की मौत से जुड़ा यह मामला कई सवाल खड़े करता है। हालांकि, शुरुआती जानकारी के आधार पर किसी एक घटना या पारिवारिक बातचीत को इसका कारण मानना उचित नहीं होगा।

अनुनय कॉन्वेंट में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर सशक्तीकरण, सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता का संदेश

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। नगर में संचालित अनुनय कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर निदेशक योगेश साहू के मार्गदर्शन में कक्षा छठवीं से बारहवीं तक की छात्राओं के लिए दोनों पालियों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।कार्यक्रम में छात्राओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, समान अवसर एवं अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ विद्यालय की कराटे प्रशिक्षक यशु गबेल द्वारा आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया गया। इसका उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा, अधिकारों एवं आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना था।

इस अवसर पर प्राचार्य किरण श्रीवास सहित शिक्षिकाओं ने छात्राओं से संवाद करते हुए अपने विचार साझा किए। प्राचार्य ने कहा कि शिक्षा एवं आत्मनिर्भरता से बालिकाएं अपने जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं लेने में सक्षम बन सकती हैं। उन्होंने छात्राओं को कक्षा 10वीं एवं 12वीं की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देकर अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। अपर्णा बोस ने महिला सशक्तीकरण का उल्लेख करते हुए छात्राओं को सामाजिक चुनौतियों का सामना करने, शिक्षा पर ध्यान देने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

मेम पटेल ने कहा कि शिक्षा ही बालिकाओं को सशक्त, आत्मविश्वासी एवं आत्मनिर्भर बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। ममता साहू ने बालिकाओं को अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने, आत्मविश्वास बनाए रखने और विपरीत परिस्थितियों में आत्मरक्षा के उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया।

प्रीतिका साहू एवं छाया पटेल ने सोशल मीडिया के सुरक्षित एवं सकारात्मक उपयोग, निजी जानकारियों की गोपनीयता तथा महिलाओं के बीच आपसी सहयोग एवं एकजुटता के महत्व पर प्रकाश डाला।

अग्रसेन जयंती समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

विश्व केसरी

अकलतरा (नीरज शर्मा)। अग्रवाल सेवा समिति एवं अग्रवाल महिला समिति अकलतरा के तत्वावधान में आयोजित श्री अग्रसेन जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को सेठ जानकीलाल लिखमानिया धर्मशाला में बच्चों एवं प्रतिभागियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें नोट गिनो प्रतियोगिता, बोलो प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता तथा बॉलीवुड डांस प्रतियोगिता प्रमुख रहीं।

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता को दो वर्गों में आयोजित किया गया। जूनियर वर्ग में एलकेजी से कक्षा पहली तक तथा सीनियर वर्ग में कक्षा दूसरी से पांचवीं तक के बच्चों ने भाग लिया। वहीं कक्षा दूसरी से छठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए बॉलीवुड डांस प्रतियोगिता आयोजित की गई। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन में निर्णायक एवं सहयोगियों के रूप में संदीप अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, शिवांश अग्रवाल, रजत अग्रवाल, आदर्श लिखमानिया, यश अग्रवाल (कस्तूरी), शालू मित्तल, शगुन तुलस्यान, मोनिका केडिया, आंचल केडिया, सोनम सराफ, पारुल केडिया, रश्मि अग्रवाल (बिल्हा मील), स्वाति अग्रवाल, रितु बगड़िया, श्वेता अग्रवाल, चंचल अग्रवाल, शीतल मुकीम, आकांक्षा कमानिया, रुचि सराफ एवं संध्या केडिया का योगदान रहा।

आत्मनिर्भरता मिशन के चलते दाल उत्पादन में भारत की बड़ी छलांग

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत में दालों के उत्पादन में बढ़ोतरी और आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों का असर अब आयात पर भी दिखाई देने लगा है। सरकार की ओर से रविवार को जारी एक फैक्टशीट के अनुसार, 2025-26 में देश का कुल दाल उत्पादन बढ़कर 274.09 लाख टन हो गया, जो 2024-25 में 256.83 लाख टन था। 'दालों में आत्मनिर्भरता मिशन' के कारण इस अवधि में दालों का आयात भी काफी घटा है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का दाल आयात 31.52 प्रतिशत घटकर 46,427.60 करोड़ रुपए से 31,793.59 करोड़ रुपए रह गया। वहीं दूसरी ओर दालों का निर्यात 13.4 प्रतिशत बढ़कर 855 मिलियन डॉलर से 969.53 मिलियन डॉलर हो गया। वर्ष 2025-26 में कुल 10.01 लाख टन दालों का निर्यात किया गया। प्रमुख निर्यात गंतव्यों में चीन, यूएई, बांग्लादेश, अमेरिका और श्रीलंका शामिल रहे। सरकार द्वारा 11 अक्टूबर 2025 को शुरू की गई नई योजना के तहत दालों का रकबा भी बढ़ा है। 2024-25 में 277.20 लाख हेक्टेयर में दालों की खेती होती थी, जो 2025-26 में बढ़कर 286.46 लाख हेक्टेयर हो गई। योजना के एक वर्ष पूरे होने के साथ देश में दालों की उत्पादकता में भी सुधार देखा गया है। 2024-25 में प्रति हेक्टेयर उत्पादन 926 किलोग्राम था, जो 2025-26 में बढ़कर 957 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गया। फैक्टशीट में आगे कहा गया है कि 11,440 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ शुरू किए गए 'मिशन फॉर आत्मनिर्भरता इन पल्सेज' के तहत वर्ष 2030-31 तक दाल उत्पादन लगभग 350 लाख टन तक पहुंचाने और उत्पादकता को 1,130 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए तूर, उड़द और मसूर के उत्पादन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। साथ ही जलवायु-अनुकूल बीजों और बेहतर गुणवत्ता वाले बीजों को बढ़ावा दिया जा रहा है। छह वर्षों में 87.5 लाख मुफ्त बीज किट और 126 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित किए जाएंगे।

यह योजना 489 जिलों में क्लस्टर-आधारित मॉडल के जरिए लागू की जा रही है। इसके तहत पंजीकृत और इच्छुक किसानों से एनसीसीएफ और नेफेड (एनएएफईडी) के माध्यम से तूर, उड़द और मसूर की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद भी की जा रही है। देश में प्रमुख दाल उत्पादक राज्यों में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

भारतीय रेलवे में नौकरी का बड़ा मौका, युवा स्नातकों के लिए 3,584 पदों पर भर्ती

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने स्नातक युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा अवसर प्रदान करते हुए नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (एनटीपीसी-ग्रेजुएट) के तहत 3,548 पदों पर भर्ती की घोषणा की है। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) द्वारा जारी केंद्रीयकृत रोजगार अधिसूचना (सीईएन) के तहत ये भर्तियां रेलवे संचालन और प्रशासन के विभिन्न विभागों के लिए की जाएंगी।

आधिकारिक बयान के अनुसार, भर्ती चार प्रमुख पदों के लिए होगी, जिनमें चीफ कमर्शियल कम टिकट सुपरवाइजर, गुड्स ट्रेन मैनेजर, जूनियर अकाउंट्स असिस्टेंट कम टाइपिस्ट और सीनियर क्लर्क कम टाइपिस्ट शामिल हैं। ये पद रेलवे की वाणिज्यिक सेवाओं, ट्रेन संचालन, लेखा और प्रशासनिक कार्यों से जुड़े हैं, जो देशभर में रेलवे सेवाओं के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कुल 3,548 रिक्तियों में से 2,750 पद गुड्स ट्रेन मैनेजर, 371 पद सीनियर क्लर्क कम टाइपिस्ट, 300 पद जूनियर अकाउंट्स असिस्टेंट कम टाइपिस्ट और 127 पद चीफ कमर्शियल कम टिकट सुपरवाइजर के लिए हैं।

इन पदों पर 7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतन मिलेगा। चीफ कमर्शियल कम टिकट सुपरवाइजर के लिए प्रारंभिक मूल वेतन 35,400 रुपए प्रतिमाह (पे लेवल-6) होगा, जबकि अन्य तीन पदों के लिए 29,200 रुपए प्रतिमाह (पे लेवल-5) प्रारंभिक मूल वेतन निर्धारित किया गया है। इसके अलावा अन्य भत्ते और सेवा शर्तें लागू नियमों के अनुसार होंगी।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 8 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है और पात्र उम्मीदवार 6 नवंबर रात 11:59 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 8 नवंबर है, जबकि आवेदन में संशोधन की सुविधा 9 से 18 नवंबर तक उपलब्ध रहेगी।

उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री या समकक्ष योग्यता होना आवश्यक है। आयु सीमा 1 जनवरी 2027 के अनुसार 18 से 33 वर्ष निर्धारित की गई है। आरक्षित वर्गों को नियमानुसार आयु में छूट मिलेगी।

नवरात्रि 2025 से नवरात्रि 2026 तक 11 प्रतिशत टूटा निफ्टी, वैश्विक चुनौतियों ने बिगाड़ी बाजार की चाल

विश्व केसरी■

मुंबई। नवरात्रि 2025 से नवरात्रि 2026 के बीच भारतीय शेयर बाजार के लिए चुनौतीपूर्ण दौर रहा। मजबूत घरेलू आर्थिक वृद्धि और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के समर्थन के बावजूद वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों ने बाजार की रफ्तार पर असर डाला। इस अवधि में निफ्टी इंडेक्स 11 प्रतिशत गिर गया, जबकि इसके अधिकांश घटकों ने नकारात्मक रिटर्न दर्ज किए।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, इस कमजोरी की प्रमुख वजहें बाहरी कारक रहे, जिनमें अमेरिका-ईरान तनाव से बढ़ी कच्चे तेल की कीमतें, रुपए में कमजोरी, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार बिकवाली शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने वर्ष 2026 में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 3.04 लाख करोड़ रुपए निकाले हैं। इससे पहले 2025 में भी एफपीआई ने 1.66 लाख करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की थी। लगातार निकासी से बाजार की धारणा प्रभावित हुई।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 शेयरों ने इस अवधि में नकारात्मक रिटर्न दिया। सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में आईटीसी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, इंफोसिस, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) शामिल रहे। इन सभी में 30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई।

इसके अलावा एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, मारुति सुजुकी, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, मैक्स हेल्थकेयर और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे प्रमुख शेयरों में 22 से 29 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली। कुल मिलाकर निफ्टी के लगभग 20 शेयरों में 12 प्रतिशत से अधिक की कमजोरी रही।

हालांकि बाजार में कुछ शेयरों ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया। श्रीराम फाइनेंस टॉप गेनर रहा और इस दौरान उसके शेयर में करीब 49 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

इसी दौरान टाइटन कंपनी, अदाणी पोर्ट्स और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 21 से 27 प्रतिशत तक चढ़े। वहीं नेस्ले इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और एक्सिस बैंक ने भी 10 प्रतिशत से अधिक का सकारात्मक रिटर्न दिया।

विश्लेषकों का मानना है कि निकट भविष्य में बाजार सीमित दायरे में रह सकता है। निवेशकों की नजर अभी भी कच्चे तेल की कीमतों, वैश्विक बॉन्ड यील्ड और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर बनी हुई है।

डीआरआई की कार्रवाई, 11.5 करोड़ के सोने के साथ 6 तस्कर गिरफ्तार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने रविवार को कहा कि उसने पूर्वी भारत में खुफिया जानकारी के आधार पर कई ऑपरेशन चलाकर लगभग 7.8 किलोग्राम विदेशी सोना जब्त किया है, जिसकी कीमत 11.5 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इस दौरान बांग्लादेश सीमा से जुड़े तस्करी के रास्तों का पता चला और तस्करी सिंडिकेट के कथित सरगना समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया।

Gold seized by DRI Kolkata in the operations

इस कार्रवाई से पता चला कि तस्करी के सोने को सीमावर्ती इलाकों से बड़े बाजारों, खासकर कोलकाता तक पहुंचाने के लिए सड़क और रेल नेटवर्क का इस्तेमाल किया जा रहा था, जिसके बाद छह लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक ऑपरेशन में, डीआरआई अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल के डंकुनी टोल प्लाजा पर एक चार-पहिया वाहन को रोका। वाहन में चार लोग सवार थे और वे बांग्लादेश सीमा के पास स्थित शहर बनपुर से कोलकाता जा रहे थे।

वाहन और उसमें सवार लोगों की तलाशी के दौरान, अधिकारियों को लगभग 6.8 किलोग्राम वजन की 50 सोने की छड़ें (गोल्ड बार) मिलीं, जिनकी कीमत लगभग 10 करोड़ रुपये थी। कुछ सोने की छड़ों पर विदेशी निशान थे। अधिकारियों के अनुसार, वाहन में सवार लोग इस कीमती धातु के कानूनी कब्जे को साबित करने वाले कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सके। पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने कथित तौर पर बांग्लादेश के रास्ते भारत में विदेशी सोने की तस्करी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। डीआरआई ने कहा कि गिरफ़्तार लोगों में से एक बनपुर सीमा क्षेत्र में सक्रिय तस्करी सिंडिकेट का कथित सरगना था।

उसी दिन चलाए गए अलग-अलग ऑपरेशन में, डीआरआई की टीमों ने पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन रेलवे स्टेशन और न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन यात्रियों को रोका। तलाशी के दौरान लगभग 1 किलोग्राम विदेशी सोना जब्त किया गया, जिसकी कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये थी। जब्त किया गया सोना चूड़ियों और सोने की छड़ों के रूप में था और इसे कथित तौर पर त्रिपुरा के रास्ते भारत-बांग्लादेश सीमा पार तस्करी करके लाया जा रहा था। सोने की कानूनी खरीद को साबित करने वाले वैध दस्तावेज न दिखा पाने पर दो यात्रियों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने कहा कि हालिया जब्ती से पता चलता है कि तस्करी के सोने को लाने-ले जाने के लिए बांग्लादेश से सटे सीमावर्ती इलाकों के साथ-साथ पूर्वोत्तर को पूर्वी बाजारों से जोड़ने वाले प्रमुख सड़क और रेल कॉरिडोर का लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है।

भारतीय पारिवारिक कार्यालयों ने स्टार्टअप में बढ़ाया निवेशः रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय पारिवारिक कार्यालय (फैमिली ऑफिसेज) देश के निवेश परिदृश्य में तेजी से प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, संपत्ति प्रबंधन की जिम्मेदारी नई पीढ़ी के हाथों में आने के साथ स्टार्टअप्स, इम्पैक्ट इन्वेस्टमेंट और अंतरराष्ट्रीय निवेशों में उनकी हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है।

रिपोर्ट में उद्योग के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा गया है कि भारत में वर्तमान में 300 से अधिक फैमिली ऑफिसेज हैं, जो सामूहिक रूप से 30 अरब डॉलर से अधिक की संपत्तियों का प्रबंधन कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 3 करोड़ डॉलर से अधिक संपत्ति वाले भारतीय परिवारों की संख्या 2025 के करीब 16,000 से बढ़कर 2030 तक 26,000 होने की संभावना है। वहीं अगले दशक में पीढ़ीगत स्तर पर संपत्ति का हस्तांतरण 1.3 ट्रिलियन डॉलर से 1.5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है।

नई पीढ़ी को संपत्ति हस्तांतरित होने के साथ निवेश रणनीतियों में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। अब भारत के आधे से अधिक फैमिली ऑफिसेज में मिलेनियल्स और जेन-जेड परिवार के सदस्य निवेश संबंधी फैसलों में भागीदारी कर रहे हैं। इसके चलते पारंपरिक निवेश विकल्पों की जगह वैकल्पिक परिसंपत्तियों और तकनीक आधारित व्यवसायों में रुचि बढ़ी है।

इसी वजह से फैमिली ऑफिसेज अब हेल्थटेक, फिनटेक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे क्षेत्रों के स्टार्टअप्स में अधिक निवेश कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 30 प्रतिशत फैमिली ऑफिसेज अब पारंपरिक निवेश साधनों की तुलना में स्टार्टअप निवेश को प्राथमिकता दे रहे हैं।

यह बदलाव फंडिंग गतिविधियों में भी साफ दिखाई दे रहा है। फैमिली ऑफिसेज समर्थित स्टार्टअप निवेश 2023 के 876.7 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2024 में 1.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया, यानी यह लगभग दोगुना हो गया।

विशेषज्ञों का मानना है कि इसका प्रमुख कारण 'पेशेंट कैपिटल' की उपलब्धता है। पारंपरिक वेंचर कैपिटल फंड्स की तरह निश्चित समय सीमा के दबाव में काम करने के बजाय फैमिली ऑफिसेज लंबी अवधि का नजरिया अपनाते हैं, जिससे स्टार्टअप्स को विस्तार और लाभप्रदता हासिल करने के लिए अधिक समय मिलता है।

कई प्रमुख भारतीय फैमिली ऑफिसेज अपने पारंपरिक कारोबार से आगे बढ़ चुके हैं। सत्त्वा ग्रुप के फैमिली ऑफिस ने तकनीकी निवेशों में विविधता लाई है, जबकि अर्था इंडिया वेंचर्स शुरुआती चरण के स्टार्टअप निवेशों के लिए पहचान बना चुका है। कंपनी ने ओयो जैसे स्टार्टअप्स में भी निवेश किया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्टार्टअप फंडिंग के अलावा इम्पैक्ट इन्वेस्टिंग भी भारत के धनाढ्य परिवारों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है। 2021 से 2024 के बीच 900 से अधिक उच्च संपत्ति वाले परिवारों ने इम्पैक्ट निवेश किए, जिनमें से कई ने अपने फैमिली ऑफिस ढांचे के माध्यम से पूंजी लगाई।

अमेरिकी सरकार द्वारा पीईआरएम निलंबन से कारोबार पर नहीं पड़ेगा बड़ा असरः इंफोसिस

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंफोसिस ने कहा है कि अमेरिकी सरकार द्वारा परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन (पीईआरएम) कार्यक्रम के तहत कुछ नई और लंबित आवेदन प्रक्रियाओं पर लगाए गए निलंबन का उसके कारोबार पर कोई महत्वपूर्ण असर पड़ने की उम्मीद नहीं है।

कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि वह अमेरिकी श्रम विभाग के फैसले से अवगत है और एजेंसियों के किसी भी प्रश्न का जवाब देने के लिए सहयोग करने को तैयार है।

इंफोसिस ने कहा, 'हम नहीं मानते कि इस निलंबन का कंपनी के संचालन पर कोई भौतिक प्रभाव पड़ेगा। आवश्यकता होने पर हम नियामकीय मानकों के अनुरूप आगे भी जानकारी साझा करेंगे।' कंपनी ने यह भी रेखांकित किया कि उसने अमेरिका में मजबूत स्थानीय कार्यबल, प्रौद्योगिकी केंद्रों और नवाचार हब के निर्माण में लगातार निवेश किया है। इसके चलते उसकी मानव संसाधन रणनीति किसी एक आव्रजन कार्यक्रम पर निर्भर नहीं है। इंफोसिस ने कहा कि वह अपने कर्मचारियों, ग्राहकों और अमेरिकी समुदायों के प्रति प्रतिबद्ध है तथा सभी लागू कानूनों और नियमों का पालन करती रहेगी।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह अमेरिकी श्रम मंत्री कीथ सोंडरलिंग ने घोषणा की थी कि अमेरिकी प्रशासन ने कुछ प्रमुख वैश्विक आईटी और प्रौद्योगिकी कंपनियों के पीईआरएम आवेदन अस्थायी रूप से निलंबित किए हैं। यह कदम कथित वीजा धोखाधड़ी और अमेरिकी कर्मचारियों के हितों से जुड़े रोजगार संबंधी मुद्दों की जांच के संदर्भ में उठाया गया है। पीईआरएम (परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम) अमेरिकी ग्रीन कार्ड प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके माध्यम से कंपनियां कुशल विदेशी कर्मचारियों को स्थायी निवास दिलाने में सहायता करती हैं।

मार्केट आउटलुकः महंगाई डेटा, कच्चा तेल और बॉन्ड यील्ड से अगले हफ्ते तय होगी शेयर बाजार की चाल

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। कच्चे तेल की कीमत, बॉन्ड यील्ड और महंगाई डेटा के साथ अन्य अंतरराष्ट्रीय और घरेलू आर्थिक आंकड़े बाजार की चाल निर्धारित करेंगे।

अगले हफ्ते अमेरिका में महंगाई, घरों की बिक्री और खुदरा बिक्री जैसे अहम आंकड़े आएंगे। वहीं, भारत में भी इस अवधि खुदरा और थोक महंगाई, बेरोजगारी, व्यापार संतुलन और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े आंकड़ों को जारी किया जाएगा।

कच्चे तेल की कीमत भी बाजार में अगले हफ्ते बड़ी भूमिका निभाएगी। मौजूदा समय में यह 100 डॉलर के ऊपर बना हुआ है, जानकारों के मुताबिक, अमेरिका की ओर से रूस से डीजल खरीदने के फैसले से वैश्विक स्तर पर तनाव कम होगा और कच्चे तेल में नरमी देखने को मिल सकती है।

इसे लेकर ट्रंप ने अपने 'ट्रुथ सोशल' प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, 'मैंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बहुत सफल बातचीत की है। इसमें यह तय हुआ है कि रूस तुरंत अमेरिकी और ग्लोबल मार्केट में 3,00,000 टन से ज्यादा डीजल की आपूर्ति करेगा, नवंबर में 5,00,000 टन और उसके तुरंत बाद 10,00,000 टन डीजल की आपूर्ति करेगा।'

इसके अलावा, अगले हफ्ते निवेशकों की नजर यूएस बॉन्ड यील्ड पर भी रहेगी, जो कि लगातार 5 प्रतिशत के ऊपर बनी हुई है।

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता हफ्ता मुनाफे वाला रहा। इस दौरान सेंसेक्स 562.63 अंक या 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 72,472.33 और निफ्टी 98.50 अंक या 0.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,520.45 पर था।

पहाड़ियों के बीच छिपा है भीमकुंड, मीठे पानी के स्रोत और भीम के पैरों के निशान की मान्यता

राजस्थान के पाली जिले के सुमेरपुर क्षेत्र में बीजापुर के जंगलों में स्थित भीमकुंड एक पौराणिक स्थान है. मान्यता है कि यहाँ पांडवों ने अज्ञातवास बिताया था और महाबली भीम के पैरों के निशान आज भी मौजूद हैं.

राजस्थान की अरावली पहाड़ियों में आज भी महाभारत काल के ऐसे कई रहस्य छिपे हैं, जिन्हें देखकर इंसान आस्था और चमत्कार के आगे नतमस्तक हो जाता है. पाली जिले के सुमेरपुर क्षेत्र में स्थित बीजापुर के जंगलों और पहाड़ियों के बीच एक ऐसा ही पौराणिक स्थान है— जिसे लोग भीमकुंड के नाम से जानते हैं. मान्यता है कि यहाँ आज भी महाबली भीम के पैरों और घुटनों के स्पष्ट निशान मौजूद हैं. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, पांडवों ने अपने अज्ञातवास का कुछ समय इन घने जंगलों में बिताया था.

यात्रा के दौरान जब माता द्रौपदी को तीव्र प्यास लगी और आसपास पानी का कोई स्रोत नहीं मिला, तब महाबली भीम ने अपने बल से पहाड़ियों के बीच अपने घुटने और गदा से प्रहार किया.

अज्ञातवास के समय जंगलो में बिताया था समय

बीजापुर के पास अरावली की मनोरम पहाड़ियों में स्थित यह कुंड सदियों पुराना है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, पांडवों ने अपने अज्ञातवास का कुछ समय इन घने जंगलों में बिताया था. यात्रा के दौरान जब माता द्रौपदी को तीव्र प्यास लगी और आसपास पानी का कोई स्रोत नहीं मिला, तब महाबली भीम ने अपने बल से पहाड़ियों के बीच अपने घुटने और गदा से प्रहार किया. भीम के इस प्रहार से चट्टानें चीरती हुई जलधारा फूट पड़ी, जिसने एक कुंड का रूप ले लिया. यही कारण है कि इसे भीमकुंड कहा जाता है.

आज भी मीठा और शुद्ध है इस कुंड का पानी

इस स्थान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहाँ की चट्टानों पर आज भी बडे पैरों के निशान और घुटने टेकने के निशान साफ दिखाई देते हैं. पहाड़ियों से घिरा होने के बावजूद इस कुंड का पानी बेहद मीठा और शीतल है, जो भीषण गर्मी में भी कभी समाप्त नहीं होता.

आज भी दिख जाएंगे आपको महाबली भीम के निशान

प्रकृति की सुंदरता और महाभारत कालीन इतिहास का यह अनोखा संगम बीजापुर के इस महादेव मंदिर व भीमकुंड परिसर को बेहद खास बनाता है. दूर-दूर से श्रद्धालु यहाँ भगवान शिव के दर्शन करने और महाबली भीम के इन चमत्कारी पदचिन्हों को देखने पहुँचते हैं.

जाने कैसे पहुंचे इस मंदिर

जोधपुर या पाली से एनएच-62 (NH-62) के जरिए सुमेरपुर पहुँचे. सुमेरपुर से बीजापुर की दूरी लगभग 15-20 किमी है, जहाँ के लिए स्थानीय टैक्सी, ऑटो और बसें आसानी से मिल जाती हैं.

सिरोही / उदयपुर से: सिरोही या उदयपुर की ओर से आने वाले यात्री शिवगंज-सुमेरपुर होकर बीजापुर पहुँच सकते हैं.

2. रेल मार्ग द्वारा

सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन जवाई बांध रेलवे स्टेशन है, जो बीजापुर से लगभग 20 किमी की दूरी पर स्थित है.जवाई बांध स्टेशन से बीजापुर के लिए प्राइवेट टैक्सी या जीप आसानी से मिल जाती हैं.

हवाई मार्ग द्वारा

सबसे नजदीकी एयरपोर्ट जोधपुर एयरपोर्ट (लगभग 150 किमी) और उदयपुर एयरपोर्ट (लगभग 140 किमी) हैं. यहाँ से टैक्सियों या राज्य परिवहन की बसों द्वारा सुमेरपुर होकर बीजापुर पहुँचा जा सकता है. बीजापुर पहुँचने के बाद स्थानीय रास्तों व अरावली की पहाड़ियों में स्थित भीमकुंड स्थल तक पहुँचने के लिए पैदल या फिर स्थानीय वाहनों का सहारा लिया जाता है।

रागी के चिप्स नहीं बनते पतले और क्रिस्पी ? आटा गूंथने का ये तरीका जरूर आजमाएं, बेलना होगा आसान, चिप्स बनेंगे परफेक्ट

शाम की चाय के साथ कुछ कुरकुरा और चटपटा खाने के लिए घर पर रागी चिप्स बना सकते हैं. रागी के आटे में चावल का आटा या बारीक सूजी मिलाने से चिप्स का क्रंच बेहतर होता है. गर्म पानी से आटा तैयार करने पर इसे बेलना आसान हो जाता है और चिप्स टूटने की परेशानी कम होती है. चिप्स को पतला बेलकर तिकोने आकार में काटें और कांटे से छोटे-छोटे छेद कर दें. इन्हें तेल में तलने के अलावा ओवन या एयर फ्रायर में भी तैयार किया जा सकता है. आखिर में चाट मसाला, भुना जीरा और आमचूर मिलाकर चिप्स को चटपटा स्वाद दे सकते हैं.

शाम की चाय के साथ कुछ कुरकुरा खाने का मन हो और किचन में रखी चीजों से ही स्नैक तैयार हो जाए तो बात ही अलग है. बाजार के पैकेट वाले चिप्स की जगह घर पर बने रागी चिप्स एक दिलचस्प विकल्प हो सकते हैं. रागी का स्वाद थोड़ा अलग जरूर होता है, लेकिन सही तरीके से आटा तैयार किया जाए तो इससे पतले, कुरकुरे और चटपटे चिप्स आसानी से बन जाते हैं. खास बात यह है कि इन्हें तेल में तलने के साथ ओवन या एयर फ्रायर में भी बनाया जा सकता है.

रागी के आटे में चावल का आटा या बारीक सूजी मिलाने से चिप्स में अच्छा क्रंच आता है. आइए जानते हैं घर पर रागी चिप्स बनाने का आसान तरीका.

रागी चिप्स के लिए सामग्री

इस रेसिपी के लिए 1 कप रागी का आटा लें. इसके साथ 2 बड़े चम्मच चावल का आटा या बारीक सूजी, 1 कप पानी, 1 छोटा चम्मच सफेद तिल, आधा छोटा चम्मच अजवाइन, आधा छोटा चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च, चौथाई छोटा चम्मच हल्दी, स्वादानुसार नमक और 1 बड़ा चम्मच तेल या घी चाहिए. चिप्स को चटपटा स्वाद देने के लिए आधा छोटा चम्मच चाट मसाला, आधा छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर, चौथाई छोटा चम्मच आमचूर या पेरी-पेरी मसाला और थोड़ा काला नमक लिया जा सकता है.

रागी चिप्स का आटा कैसे तैयार करें

सबसे पहले एक बर्तन में पानी उबलने रखें. इसमें नमक, तेल, अजवाइन, तिल, लाल मिर्च और हल्दी डाल दें. पानी में उबाल आने के बाद गैस धीमी कर दें और रागी का आटा व चावल का आटा डालकर अच्छी तरह मिला लें. अब गैस बंद करके बर्तन को करीब 5 मिनट के लिए ढक दें. गर्म भाप से आटा नरम होगा और उसकी बाइंडिंग बेहतर हो जाएगी. यही तरीका रागी के आटे को बेलते समय टूटने से बचाने में मदद करता है. 5 मिनट बाद मिश्रण को परात में निकाल लें. जब आटा हल्का गुनगुना रह जाए और हाथ से संभालने लायक हो, तब हाथों पर थोड़ा तेल लगाकर इसे अच्छी तरह मसलें. करीब 3 से 4 मिनट तक मसलने पर आटा नरम और चिकना हो जाएगा।

होटल, कैफे और मॉल से अलग अब लोग 'सुबह 5 बजे वाले शहर' देखने निकल रहे हैं, अर्ली-मॉर्निंग ट्रैवल क्यों दिलचस्प हो रहा है?

अर्ली-मॉर्निंग ट्रैवल में पर्यटक सुबह जल्दी निकलकर शहर की शांत सड़कों, स्थानीय गतिविधियों और सूर्योदय के समय को अनुभव करते हैं. इसका आकर्षण कम भीड़ और ज्यादा स्थानीय माहौल में है. हालांकि ऐसा प्लान बनाते समय सुरक्षा, परिवहन, मौसम और जगह के खुलने के समय की जांच जरूरी है.

शहर को देखने का सबसे आम तरीका शायद वही है, जब बाजार खुल चुके हों, कैफे में रौनक हो और सड़कों पर लोगों की आवाजाही शुरू हो जाए, लेकिन अब ट्रैवल का एक अलग अनुभव लोगों का ध्यान खींच रहा है सुबह बहुत जल्दी निकलकर शहर को उसके शांत समय में देखना. सूर्योदय से पहले की खाली सड़कें, खुलते बाजार, मंदिरों या पुराने इलाकों की सुबह की हलचल और बिना भीड़ के मशहूर जगहों को देखना इस तरह की यात्रा का हिस्सा बन रहा है.

इसे अर्ली-मॉर्निंग ट्रैवल या '5 AM cit4' अनुभव कहा जा रहा है. इसकी खासियत सिर्फ जल्दी उठना नहीं, बल्कि किसी शहर की रोजमर्रा की जिंदगी को उस समय देखना है, जब ज्यादातर पर्यटक अभी अपने होटल के कमरे में होते हैं.

आखिर सुबह का शहर इतना अलग क्यों लगता है ?

सुबह 5 बजे किसी शहर की तस्वीर दिन के बाकी हिस्से से काफी अलग हो सकती है. सड़कों पर ट्रैफिक कम होता है, शोर घट जाता है और स्थानीय जिंदगी धीरे-धीरे शुरू होती दिखाई देती है. कहीं दूध वाले निकल रहे होते हैं, कहीं अखबार पहुंच रहा होता है तो किसी इलाके में दुकान खोलने की तैयारी शुरू हो चुकी होती है।

पार्टनर से प्यार जताने के लिए महंगे गिफ्ट नहीं, रिश्ते में काम आ सकती हैं ये छोटी आदतें

पार्टनर से प्यार जताने के लिए महंगे गिफ्ट जरूरी नहीं हैं. हाल पूछना, छोटी जिम्मेदारियों में मदद करना, सच्ची तारीफ करना, साथ समय बिताना और पसंद याद रखना जैसी आदतें रिश्ते में अपनापन बढ़ा सकती हैं. इन छोटी कोशिशों से रोजमर्रा के रिश्ते में गर्माहट बनी रहती है.

प्यार जताने के लिए हमेशा कोई खास दिन, महंगा गिफ्ट या बड़ी सरप्राइज प्लानिंग जरूरी नहीं होती. कई बार दिनभर की भागदौड़ के बीच पूछा गया एक छोटा सा सवाल भी पार्टनर के चेहरे पर मुस्कान ला देता है. साथ रहने वाले कपल अक्सर एक-दूसरे के लिए बहुत कुछ करते हैं लेकिन रोजमर्रा की व्यस्तता में इन छोटी कोशिशों को बोलकर जताना भूल जाते हैं. रिश्ते में अपनापन सिर्फ बड़े मौकों पर नहीं बल्कि छोटी-छोटी आदतों से भी महसूस होता है.

सुबह की एक प्यारी बात, थकान में मदद करना या बिना वजह हाल पूछ लेना दिल के करीब ला सकता है, अगर आप भी अपने रिश्ते में गर्माहट और अपनापन बनाए रखना चाहते हैं तो इन छोटी आदतों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं.

प्यार जताने के लिए जरूरी नहीं महंगे तोहफे

रिश्ते में प्यार की कीमत किसी गिफ्ट के दाम से तय नहीं होती. पार्टनर को यह महसूस होना ज्यादा मायने रखता है कि आप उसकी बात सुनते हैं और उसकी छोटी जरूरतों पर ध्यान देते हैं. कई बार एक कप चाय बनाकर देना या ऑफिस से लौटने पर कुछ देर साथ बैठना भी महंगे तोहफे से ज्यादा खास लग सकता है.

बिना किसी खास वजह के हाल पूछें

अक्सर हम पार्टनर से जरूरी कामों को लेकर ही बात करते हैं. खाना खाया या नहीं, बिल जमा हुआ या नहीं और घर में क्या करना है जैसी बातें रोज की बातचीत का हिस्सा बन जाती हैं. इनके बीच कभी सिर्फ यह पूछना कि 'आज दिन कैसा रहा?' रिश्ते में अलग एहसास ला सकता है. ऐसे सवाल से सामने वाले को लगता है कि उसकी जिंदगी और भावनाओं में आपकी दिलचस्पी है. जवाब सुनते समय मोबाइल में व्यस्त रहने के बजाय कुछ मिनट ध्यान से सुनना इस छोटी आदत को और खास बना देता है.

छोटी जिम्मेदारियों में हाथ बंटाएं

प्यार सिर्फ बोलने से नहीं बल्कि व्यवहार में भी नजर आता है, अगर पार्टनर किसी काम में व्यस्त या थका हुआ है तो उसकी जिम्मेदारी का थोड़ा हिस्सा संभाल लेना अपनापन दिखाने का आसान तरीका है. जैसे घर का कोई छोटा काम कर देना, सामान लाने की जिम्मेदारी लेना या उसकी किसी जरूरी चीज को समय पर याद दिला देना. इस तरह की मदद रोज के तनाव को थोड़ा कम कर सकती है. खास बात यह है कि इसके लिए किसी खास मौके का इंतजार नहीं करना पड़ता।

छत और बालकनी में ऐसे उगाएं हरी सब्जियां, अक्टूबर का महीना है सबसे मुफीद, जानें गमले तैयार करने का सही तरीका

यदि आप बाजार की रसायनों से भरी सब्जियों से बचकर घर पर ही शुद्ध, ताजी और पौष्टिक सब्जियां पाना चाहते हैं, तो अब बड़े खेत या जमीन की कमी आड़े नहीं आएगी. अपनी छत, बालकनी या छोटे से आंगन को ही आप हरी-भरी बगिया में बदल सकते हैं. अक्टूबर का यह मौसम सब्जियों की बुवाई के लिए सबसे मुफीद माना जाता है, जिसमें सही मिट्टी और आसान तकनीकों से आप गमलों व ग्रो बैग में ही भरपूर पैदावार हासिल कर सकते हैं.

अगर आप घर पर ताजी और पौष्टिक सब्जियां उगाना चाहते हैं तो छत, बालकनी या आंगन में गार्डनिंग कर सकते हैं. इसके लिए बड़े खेत या ज्यादा जगह की जरूरत नहीं होती. आप गमलों, ग्रो बैग और प्लास्टिक के डिब्बों में भी सब्जियां उगा सकते हैं. टमाटर, मिर्च, बैंगन, पालक, धनिया, मेथी, मूली और भिंडी जैसी सब्जियां आसानी से उगाई जा सकती हैं. गार्डनिंग के लिए सबसे पहले उचित आकार के गमले या ग्रो बैग लें. इनमें मिट्टी, गोबर की सड़ी हुई खाद और कोकोपीट मिलाकर भरें, ताकि मिट्टी भुरभुरी रहे और पौधों की जड़ों का विकास अच्छी तरह हो सके.

अक्टूबर में करें सब्जियों की गार्डनिंग

नर्सरी संचालक नेक सिंह ने बताया कि अक्टूबर का महीना सब्जियों की गार्डनिंग शुरू करने के लिए अच्छा समय है. इस दौरान मौसम में ठंडक बढ़ने लगती है, जिससे कई पत्तेदार और जड़ वाली सब्जियों की बढ़वार के लिए अनुकूल परिस्थितियां मिलती हैं. ऐसे में लोग अपने घरों में पालक, मूली, शलजम और दूसरी मौसमी सब्जियां लगा सकते हैं।

गरबा नाइट पर मिनटों में पाएं खूबसूरत हेयरस्टाइल, ये 5 हेयर एक्सेसरीज आएंगी काम

नवरात्रि में गरबा और डांडिया नाइट के लिए लहंगा, चनिया चोली पहनना ही काफी नहीं है. इसके साथ हेयरस्टाइल भी लुक को निखारने में अहम भूमिका निभाती है. लेकिन यदि आपके पास टाइम की कमी है या आपको हेयर स्टाइल करने नहीं आता है तो ऐसे में कुछ खास हेयर एक्सेसरीज आपकी मदद कर सकती हैं. यहां जानिए ऐसे 5 एक्सेसरीज के बारे में जो हर फंक्शन और पार्टी में आपके बालों में चार चांद लगा सकती हैं.

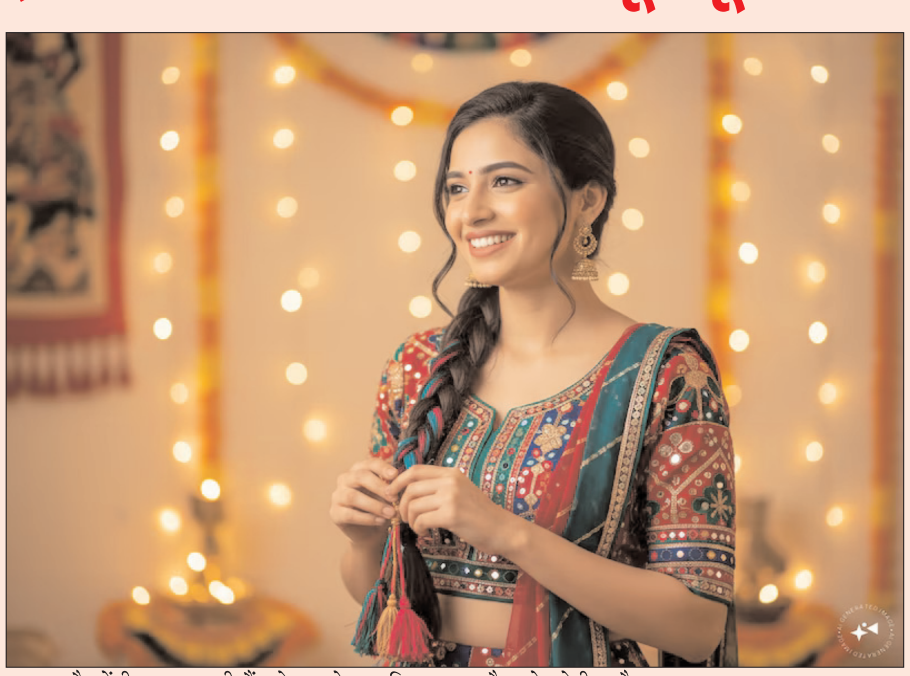

अगर आप इस गरबा नाइट पर कम मेहनत में स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो हेयर चेन, रंगीन परांदा, पर्ल चोटी एक्सेसरी और बन एक्सटेंशन जैसे विकल्प आजमा सकती हैं. ये न केवल बालों को आकर्षक बनाते हैं, बल्कि आपके पारंपरिक पहनावे के साथ भी खूबसूरती से मेल खाते हैं.

बोहो हेयर चेन और काउरी शेल एक्सेसरी- गरबा के लिए कुछ अलग और ट्रेंडी लुक चाहती हैं, तो बोहो स्टाइल हेयर चेन अच्छा विकल्प है. इसमें कौड़ी के शेल, गुलाबी मोती, रंगीन सजावटी एलिमेंट और गोल्डन चेन का इस्तेमाल किया जाता है. इसे चोटी, पोनीटेल, जूड़े या खुले बालों में लगाया जा सकता है. लहंगे, साड़ी और इंडो-वेस्टर्न आउटफिट के साथ यह एक्सेसरी खूबसूरत लगती है.

रंगीन परांदा और टैसल हेयर टाई- पारंपरिक लुक के लिए परांदा हमेशा से पसंद किया जाता है. पर्पल रंग का टैसल परांदा, जिसमें धागों की लटकन और सिक्कों जैसी सजावट होती है, आपकी साधारण चोटी को भी खास बना सकता है. इसे बालों में बांधना आसान है और इसकी करीब 40 सेंटीमीटर लंबाई चोटी को आकर्षक लुक देती है. गरबा, डांडिया और शादी जैसे मौकों पर इसे पहन सकती हैं.

पर्ल चेन और लक्ष्मी मोटिफ वाली चोटी एक्सेसरी- अगर आपको ट्रेडिशनल और एथनिक स्टाइल पसंद है, तो गोल्ड प्लेटेड फिनिश वाली लक्ष्मी मोटिफ हेयर एक्सेसरी चुन सकती हैं. इसमें बीच में देवी लक्ष्मी का डिजाइन और दोनों तरफ मोतियों की कई लड़ियां होती हैं. इसे चोटी या जूड़े में हुक की मदद से लगाया जा सकता है. साड़ी और पारंपरिक लहंगे के साथ यह शानदार दिखती है.

कुंदन और पर्ल चेन वाला हेयर ब्रोच- गरबा नाइट पर रॉयल लुक पाने के लिए कुंदन वर्क वाला हेयर ब्रोच ट्राई करें. इसमें हरे और लाल रंग के स्टोन, गोल्डन फिनिश और मोतियों की लटकन होती है. इसे चोटी, बन या हाफ-अप हेयरस्टाइल में लगाया जा सकता है. यह खासतौर पर हैवी एथनिक आउटफिट के साथ अच्छा लगता है.

मेसी बन हेयर एक्सटेंशन- अगर आप बालों को जूड़े में बांधना चाहती हैं, लेकिन उन्हें घना और भरा हुआ लुक देना चाहती हैं, तो मेसी बन एक्सटेंशन काम आएगा. इसे अपने बालों का जूड़ा बनाने के बाद उसके चारों ओर लगाकर क्लिप या इलास्टिक से सुरक्षित किया जा सकता है. इससे कम समय में स्टाइलिश बन तैयार हो जाता है।

10 साल बाद टीवी पर लौटीं कांची कौल,

बोलीं- 'पुराने दौर को दोहराने नहीं, नई शुरुआत करने आई हूं'

मुंबई । अभिनेत्री **कांची कौल** ने रियलिटी शो **'पति पत्नी और पंगा'** के साथ करीब एक दशक बाद टीवी पर वापसी की है। कांची इस नई शुरूआत को लेकर काफी उत्साहित हैं। टीवी पर वापसी के बारे में बात करते हुए कांची ने कहा कि बीते कुछ सालों में जिंदगी को देखने का उनका नजरिया काफी बदल गया है। अब वह पुराने दौर में लौटने के बजाय अपने अनुभवों के साथ एक नई शुरूआत करना चाहती हैं।

> "मेरा मानना है कि आप जहां पहले थे, वहां लौटने और आज जो इंसान बन चुके हैं, उसके रूप में आगे बढ़ने के बीच फर्क होता है।"
> - कांची कौल

नई शुरुआत, नया अनुभव

कांची ने कहा, ''मेरा मानना है कि आप जहां पहले थे, वहां लौटने और आज जो इंसान बन चुके हैं, उसके रूप में आगे बढ़ने के बीच फर्क होता है। मैं अपने पुराने दौर को दोबारा जीने के लिए वापस नहीं आई हूं बल्कि एक नए अनुभव का हिस्सा बनने आई हूं। पिछले एक दशक ने काम, महत्वाकांक्षाओं और जिंदगी को लेकर मेरा नजरिया कई तरह से बदला है और मैं इन बदलावों को काफी अहम मानती हूं।''

उन्होंने कहा, ''पति, पत्नी और पंगा' के जरिए मुझे दर्शकों से एक नए अंदाज में जुड़ने का मौका मिल रहा है और यह मेरे लिए काफी रोमांचक है। जिंदगी के इस पड़ाव पर मैं अपने सफर का आनंद लेना चाहती हूं, अपनी सहज सोच पर भरोसा करना चाहती हूं और ऐसे काम चुनना चाहती हूं जो वास्तव में मेरे दिल के करीब हों।''

शो की खास बातें

- कांची कौल इस शो में अपने पति और अभिनोत शब्बीर अहलूवालिया के साथ नजर आ रही हैं।
- इस सीजन को सोनाली बेंद्रे बहल और मुन्व्वर फारूकी होस्ट कर रहे हैं।
- शादीशुदा जिंदगी के रोजमर्रा के अनुभवों को मनोरंजक अंदाज में दिखाया जा रहा है।
- कपल्स को कई मजेदार और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

'अपनी पसंद चुनने की आजादी दें', इंटरनेशनल गर्ल चाइल्ड डे पर रजत बेदी ने की सभी पैरेंट्स से अपील

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता रजत बेदी ने इंटरनेशनल गर्ल चाइल्ड डे के मौके पर लड़कियों के माता-पिता के लिए एक खास मैसेज शेयर किया। उन्होंने सभी पैरेंट्स से अपील की कि वे बेटियों और बेटों के साथ समान बर्ताव करें और लड़कियों को अपनी जिंदगी से जुड़े फैसले खुद लेने की आजादी दें।

सभी पैरेंट्स से अपील करते हुए रजत ने कहा, ''मैं कहना चाहता हूं कि एक बेटी को कभी यह साबित करने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए कि वह बेटे जितनी काबिल है। उसे भी उतनी ही आजादी, अच्छी शिक्षा और प्रोत्साहन दें, जितना बेटे को देते हैं। सिर्फ लड़की होने की वजह से यह फैसला न करें कि वह क्या कर सकती है और क्या नहीं। उसे गलतियां करने दें, उनसे सीखने दें और जिंदगी में अपना रास्ता खुद तलाशने का मौका दें।''

रजत ने आगे कहा, ''मैं सभी पिताओं से कहना चाहूंगा कि बेटी का साथ देने का मतलब सिर्फ उसकी सुरक्षा करना नहीं है, बल्कि उस पर भरोसा करना और उसे अपने पैरों पर खड़े होने का आत्मविश्वास देना भी है। हर लड़की को यह मौका मिलना चाहिए।''

जब रजत से पूछा गया कि अगर उन्हें महिला सशक्तीकरण पर आधारित किसी फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह किस तरह की कहानी चुनेंगे,

इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ''मैं ऐसी लड़की की कहानी का हिस्सा बनना चाहूंगा, जो पढ़ना चाहती है, लेकिन उसे अपने आसपास के लोगों की सोच और विरोध का सामना करना पड़ता है। मेरा मानना है कि बदलाव की शुरुआत शिक्षा से होती है। जब किसी लड़की को पढ़ने का मौका मिलता है, तो वह अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने की ज्यादा संभावनाएं देख पाती है और अपने फैसले लेने के लिए बेहतर तरीके से तैयार होती है।''

रजत ने आगे कहा, ''मैं ऐसी कहानी दिखाना चाहूंगा, जिसमें लड़की के संघर्ष के साथ-साथ उसके आसपास के लोगों की सोच में आने वाले बदलाव को भी जगह मिले। कई बार किसी एक व्यक्ति का साथ बच्चे की जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकता है। अगर किसी फिल्म को देखने के बाद कुछ माता-पिता भी अपनी बेटियों को लेकर अपनी सोच बदलते हैं, तो मैं उस फिल्म को सार्थक मानूंगा।

नवरात्रि में राजपाल यादव की खास अपील, बोले- बेटियों को देवी मानने के साथ उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित करें

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता राजपाल यादव ने नवरात्र पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक अहम मुद्दा उठाया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि नवरात्र में सिर्फ देवी की पूजा करने तक सीमित न रहें, बल्कि महिलाओं का सम्मान और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी निभाएं। अभिनेता ने कहा कि हर बेटी को बिना किसी डर के अपने सपनों को पूरा करने और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने का अधिकार मिलना चाहिए।

राजपाल यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने नवरात्रि के दौरान कन्या पूजन की परंपरा का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि जिस देश में छोटी बच्चियों को देवी का रूप मानकर उनकी पूजा की जाती है, क्या वहां हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है?

अभिनेता ने हिंदी में लिखा, ''नवरात्रि के नौ दिनों तक हम देवी शक्ति की आराधना करते हैं। अष्टमी और नवमी के दिन छोटी-छोटी कन्याओं को देवी का रूप मानकर उनकी पूजा करते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं। लेकिन जब महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी घटनाएं सामने आती हैं, तो मन में एक सवाल उठता है कि जिस देश में छोटी बच्चियों को देवी मानते हैं, क्या वहां हर बेटी सच में सुरक्षित है?''

राजपाल यादव ने आगे कहा कि तीन बेटियों के पिता होने के नाते यह सवाल मुझे गहराई से प्रभावित करता है। हर पिता चाहता है कि उसकी बेटी बिना किसी डर के अपने सपनों को पूरा करे, अपनी मर्जी से जिंदगी जिए और जहां भी जाए, उसे सम्मान मिले।

अभिनेता ने अपने संदेश में कहा, ''बेटियों का पिता होने के नाते, मेरे लिए यह सवाल और भी भावुक कर देने वाला है। हर पिता चाहता है कि उसकी बेटी बिना किसी डर के अपने सपनों को पूरा करे, अपनी शर्तों पर जिंदगी जिए और उसे हर जगह सम्मान मिले। मां दुर्गा की पूजा तभी वास्तव में सार्थक होगी, जब हम उनकी शक्ति को सिर्फ मंदिरों में ही नहीं, बल्कि हर महिला के प्रति अपने सम्मान और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के जरिए भी पहचानेंगे।''

राजपाल ने लोगों से ऐसे समाज के निर्माण की अपील की, जहां महिलाओं को अपनी सुरक्षा के लिए हर दिन संघर्ष न करना पड़े। उन्होंने लिखा, ''इस नवरात्रि, आइए हम खुद को सिर्फ देवी की पूजा तक सीमित न रखें। हम यह संकल्प भी लें कि अपनी बेटियों को हिम्मत के साथ जीना सिखाने के अलावा उन्हें ऐसी दुनिया देने की कोशिश करेंगे, जहां उन्हें हर दिन अपनी सुरक्षा के लिए संघर्ष न करना पड़े।

गणेश आचार्य की जिंदगी पर बनी फिल्म का ट्रेलर देख खुश हुए अक्षय कुमार, बोले-'यह उनकी अपनी कहानी'

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने कोरियोग्राफर गणेश आचार्य के संघर्ष और कामयाबी के सफर की तारीफ की। उन्होंने उनकी आने वाली फिल्म 'गणेश: डस्ट टू स्टारडस्ट' का ट्रेलर सोशल मीडिया पर शेयर किया और कहा कि गणेश ने अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर जो मुकाम हासिल किया है, उसे देखकर उन्हें बेहद खुशी और गर्व महसूस होता है।

अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का ट्रेलर शेयर करते हुए बताया कि गणेश आचार्य के साथ उनका रिश्ता काफी पुराना है। अक्षय ने लिखा, ''मास्टर जी और मेरा साथ बहुत पुराना है। मुझे आज भी याद है कि कोरियोग्राफर के तौर पर उनका पहला गाना मेरे साथ था। आज उन्होंने अपनी मेहनत और टैलेंट से जो मुकाम हासिल किया है, उसे देखकर मुझे बहुत खुशी होती है और गर्व महसूस होता है।''

अक्षय ने गणेश आचार्य के सफर को उनकी आने वाली फिल्म की कहानी से जोड़ते हुए कहा लिखा, ''एक छोटी-सी शुरुआत से लेकर आज यहां तक पहुंचने का उनका सफर ही 'गणेश: डस्ट टू स्टारडस्ट' की कहानी है। सबसे खास बात यह है कि यह उनकी अपनी कहानी है। आप सभी के साथ इसका ट्रेलर शेयर करते हुए बहुत खुशी हो रही है। ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं, मेरे दोस्त!''

गणेश आचार्य ने अपनी आने वाली फिल्म 'गणेश: डस्ट टू स्टारडस्ट' का ऐलान किया था। फिल्म का पहला लुक 14 सितंबर को जारी किया गया था। इस फिल्म को गणेश आचार्य और दीगंगना सूर्यवंशी ने मिलकर लिखा है। फिल्म का निर्माण सौंदर्या कर रही हैं जबकि इसमें नए कलाकार शिवांशु सोनी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म को लेकर गणेश आचार्य ने भी अपनी खुशी जाहिर की थी। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा से मानता आया हूं कि हर इंसान को सपने देखने का हक है लेकिन सिर्फ सपने देखने से वे पूरे नहीं होते। उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत करनी पड़ती है, त्याग करना पड़ता है और सफर कितना भी मुश्किल क्यों न हो, आगे बढ़ते रहना पड़ता है। हमने इसी भावना को 'गणेश डस्ट टू स्टारडस्ट' के जरिए पर्दे पर उतारने की कोशिश की है। यह फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है और मुझे उम्मीद है कि इसे देखने वाले हर व्यक्ति को इसमें अपने सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं की झलक मिलेगी।'' 'गणेश: डस्ट टू स्टारडस्ट' 11 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सीजेपी के समर्थन में प्रदर्शन से पहले इमरान खान हिरासत में, बोले-मेरी कोई मांग नहीं

विश्व केसरी

मुंबई। मुंबई पुलिस ने अभिनेता इमरान खान को अगस्त क्रांति मैदान से हिरासत में ले लिया है। यह मैदान दिल्ली में सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के समर्थन में प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन की जगह है।

मीडिया से बात करते हुए इमरान ने कहा कि मेरी कोई मांग नहीं है। लोगों से कुछ भी मांगने की मेरी कोई हैसियत नहीं है। न ही मैं किसी संगठन का हिस्सा हूं, इसलिए मैं किसी प्रतिनिधि के तौर पर बात नहीं कर रहा हूं।

हिरासत में लिए जाने के तुरंत बाद एक्टर ने पुलिस वैन से ही अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक तस्वीर अपलोड की। उन्होंने एक मजेदार कैप्शन भी लिखा कि लगता है मैं ड्राइव पर जा रहा हूं।

इमरान की गर्लफ्रेंड को भी उनके साथ हिरासत में लिया गया। उन्होंने पुलिस वैन के अंदर से एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि दोस्तों, हमें हिरासत में ले लिया गया है। हम सब पुलिस की गाड़ी में हैं। मैं पिन भेज रही हूं। क्या आप उसे फॉलो कर सकते हैं? मुझे नहीं पता कि हम कहां जा रहे हैं। उम्मीद है सब ठीक होगा।

इमरान की कजिन और एक्ट्रेस जैन खान, जो प्रोटेस्ट वाली जगह पर उनके साथ थीं। उन्होंने एक मजेदार वीडियो शेयर किया। उन्होंने इमरान की पहली फिल्म 'जाने तू या जाने ना' की तुलना उनकी मौजूदा स्थिति से की। शनिवार को दोपहर 3:30 बजे मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में 'हम भारत के लोग' के बैनर तले एक प्रोटेस्ट आयोजित किया गया था। यह प्रोटेस्ट दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे सीजेपी मूवमेंट के समर्थन में और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के लिए था।

'मेरे प्रिय गुरु अमिताभ बच्चन को जन्मदिन की शुभकामनाएं', 84वें बर्थडे पर चिरंजीवी ने दी खास अंदाज में बधाई

विश्व केसरी

मुंबई। मेगास्टार चिरंजीवी ने बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन को उनके 84वें जन्मदिन पर खास अंदाज में बधाई दी। चिरंजीवी ने अमिताभ को अपना 'सबसे प्रिय गुरु जी' बताते हुए सिनेमा के प्रति उनके प्यार और अपने काम के प्रति समर्पण की तारीफ की। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि अमिताभ की उपलब्धियां ही नहीं बल्कि उनका सरल स्वभाव भी उन्हें खास बनाता है।

चिरंजीवी ने अमिताभ बच्चन के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें दोनों दिग्गज अभिनेता एक-दूसरे को गले लगाते नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दोनों के बीच का सम्मान साफ दिखाई दे रहा है। चिरंजीवी ने इस तस्वीर के साथ पोस्ट करते हुए लिखा, ''मेरे सबसे प्रिय गुरु अमिताभ बच्चन को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। सिनेमा के प्रति आपका प्यार और अपने काम के प्रति आपका सम्मान हमेशा मेरे लिए प्रेरणा रहा है।''

न्होंने आगे लिखा, ''आपकी बड़ी उपलब्धियों से बढ़कर आपका अपनापन और विनम्रता आपको खास बनाती है। मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य, ढेर सारी खुशियों और ऐसे कई यादगार सालों की कामना करता हूं, जिनमें आप वही करते रहें, जिससे आपको लगाव है। पूरे प्यार और सम्मान के साथ, सर।''

बता दें कि अमिताभ बच्चन 11 अक्टूबर को अपना 84वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारों ने सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी। वहीं, उनके फैंस भी उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 'हैप्पी बर्थडे अमिताभ बच्चन' ट्रेंड कर रहा है।

चिरंजीवी और अमिताभ बच्चन की बातकरें, तो दोनों के बीच दोस्ती का रिश्ता काफी पुराना है। साल 2019 में चिरंजीवी और अमिताभ ने ऐतिहासिक फिल्म 'सई रा नरसिम्हा रेड्डी' में साथ में काम किया था। इस फिल्म में अमिताभ ने गोसाई वेंकन्ना का किरदार निभाया था, जो चिरंजीवी के किरदार के गुरु थे।

युद्ध खत्म करना चाहता है रूस, जेलेंस्की ने गंवाए शांति वार्ता के कई मौके: डोनाल्ड ट्रंप

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए समझौता करना चाहते हैं। वहीं, उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की पर आरोप लगाया कि उन्होंने शांति वार्ता के कई मौके गंवा दिए।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि मॉस्को समझौते के लिए तैयार दिख रहा है लेकिन कीव की ओर से समझौते की इच्छा उतनी स्पष्ट नहीं है।

ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि रूस समझौता करना चाहता है। इस मुद्दे पर कई बार बातचीत आगे-पीछे हुई है, लेकिन रूस समझौते के लिए तैयार है।' उन्होंने कहा कि जैसा कि मैं पहले भी कह चुका हूं, इस मामले का समाधान कई बार हो सकता था लेकिन किसी वजह से जेलेंस्की समझौता नहीं करना चाहते। ट्रंप ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि फरवरी 2022 में शुरू हुए इस युद्ध को खत्म करने में पुतिन की दिलचस्पी है। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति पुतिन वास्तव में किसी समाधान और समझौते तक पहुंचना चाहते हैं। ट्रंप की यह टिप्पणी शुक्रवार को पुतिन के साथ हुई उनकी टेलीफोन बातचीत के बाद आई है। यह ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका और यूक्रेन के बीच रूस के डीजल निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों में ढील को लेकर मतभेद बढ़ गए हैं।

ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि रूस अमेरिका और वैश्विक बाजारों को डीजल की आपूर्ति करेगा। उनका कहना था कि यह कदम ईरान संघर्ष की वजह से पैदा हुई ईंधन कमी और बढ़ती कीमतों को कम करने में मदद करेगा।

हालांकि, इस फैसले की जेलेंस्की ने आलोचना की। उन्होंने चेतावनी दी कि ऊर्जा निर्यात से रूस की अतिरिक्त कमाई उसकी सैन्य क्षमता को और मजबूत करेगी तथा उसे युद्ध जारी रखने में मदद मिलेगी। इस विवाद ने यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की अमेरिकी कूटनीतिक कोशिशों को और जटिल बना दिया है। ट्रंप ने संघर्ष के दौरान राष्ट्रपति चुनाव न कराने को लेकर भी जेलेंस्की की आलोचना दोहराई। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि उन्हें चुनाव कराना चाहिए था और वह इस मामले को कई बार सुलझा सकते थे। ट्रंप का कहना था कि अगर यूक्रेनी नेतृत्व दो साल पहले किसी समझौते पर पहुंच जाता तो वह बातचीत में कहीं मजबूत स्थिति में होता। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने दो साल पहले समझौता कर लिया होता तो यह समझदारी भरा कदम होता।

रियाद एयरपोर्ट पर हमले को ईयू ने बताया 'आतंक की भयावह घटना'

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ (ईयू) प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले की निंदा की है। उन्होंने इसके लिए ईरान समर्थित गुट को जिम्मेदार ठहराया और अपील की कि इस तरह के हमले बंद किए जाने चाहिए। वहीं ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने इसे आतंक की भयावह घटना करार दिया।

वॉन डेर लेयेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ईरान के प्रॉक्सी (समर्थित या छद्म गुट) द्वारा किए जा रहे ये हमले इलाके को हिंसा के चक्र में धकेल रहे हैं। इनसे दुनिया भर में हलचल मच रही है और अहम ग्लोबल ट्रांसपोर्ट और एनर्जी हब अस्थिर हो रहे हैं। आम नागरिकों पर होने वाले ये जानलेवा हमले तुरंत बंद होने चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि इस विषम स्थिति में ईयू 'सऊदी अरब के साथ खड़ा' है।

ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने भी हमले की निंदा करते हुए इसे 'आतंक की भयावह घटना' करार दिया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'आम नागरिकों और नागरिक केंद्रों पर अंधाधुंध हमलों का कोई औचित्य नहीं हो सकता।'

कल्लास का कहना है कि वह सऊदी अरब में अपने समकक्ष के लगातार संपर्क में हैं और उनका मानना है कि रेड सी में ईयू के नौसैनिक मिशन और रियाद के नेतृत्व वाले समुद्री गठबंधन के बीच सहयोग बढ़ाना 'बहुत जरूरी' है।

10 अक्टूबर को रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले में 12 लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों की तादाद में लोग घायल हो गए थे। इस महले की दुनिया के तमाम देशों ने निंदा की।

संयुक्त राष्ट्र में यमन मामलों के विशेष दूत हंस ग्रुंडबर्ग ने सऊदी अरब के नागरिक हवाई अड्डों पर हुए हमलों को गंभीर तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाई बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के हमले क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं।

संक्षिप्त खबर

तुर्की में बस और ट्रक के बीच टक्कर, 11 की मौत

विश्व केसरी■

इस्तांबुल। तुर्की के पश्चिमी प्रांत मनीसा में बस और ट्रक के बीच हुई टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 26 घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने प्रशासन के हवाले से इसकी जानकारी दी। टूर बस उत्तर-पश्चिमी शहर बुर्सा से पश्चिमी तटीय शहर इजमिर जा रही थी। डेली सबाह मीडिया हाउस ने बताया कि रविवार को पश्चिमी तुर्की के मनिसा प्रांत में एक हाईवे पर टूर बस और ट्रक की टक्कर में ये भयंकर हादसा हुआ। मनिसा गवर्नर कार्यालय के एक बयान के अनुसार, यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11 बजे गेब्ज-ओरहानगाजी-इजमिर हाईवे पर अखिसार टोल बूथ के पास हुई। बयान में कहा गया है कि टूर बस पश्चिमी तुर्की में बर्सा से इजमिर की ओर जा रही थी, तभी मनिसा प्रांत के अखिसार के पास ट्रक से टकरा गई। दुर्घटना की खबर मिलने के बाद, कई एम्बुलेंस, दमकल और पुलिस टीमों को घटनास्थल पर भेजा गया। दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए बचाव अभियान शुरू किया गया, जबकि घायलों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया। मनिसा गवर्नर कार्यालय ने पुष्टि की कि दुर्घटना में 11 लोगों की मौत हुई है।

जम्मू-कश्मीर को जल्द दिया जा सकता है पूर्ण राज्य का दर्जा: रामदास आठवले

विश्व केसरी■

श्रीनगर। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कहा है कि जल्द ही जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिल सकता है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि केंद्र सरकार इस केंद्र शासित प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले रविवार को श्रीनगर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। आठवले ने कहा कि निकट भविष्य में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा देने के वादे से अवगत हैं। आठवले ने कहा कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए प्रयास कर रही है और राजनीतिक मतभेदों का असर फंड के आवंटन या विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर नहीं पड़ना चाहिए। अनुच्छेद 370 को हटाने का जिक्र करते हुए रामदास आठवले ने कहा कि इस फैसले से जम्मू-कश्मीर भारतीय संविधान के पूर्ण दायरे में आया है, जिससे इस क्षेत्र को कई संवैधानिक प्रावधानों और लाभों का विस्तार मिला है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हालात काफी बेहतर हुए हैं, हालांकि चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए आठवले ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस घटना के जवाब में कदम उठाए हैं और पाकिस्तान से आतंकवाद का समर्थन बंद करने को कहा है। उन्होंने कहा, 'जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और पाकिस्तान को भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने के बजाय अपनी अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

अमेरिका-इजरायल के हमलों से हवा-पानी-जमीन प्रदूषित, तेहरान सम्मेलन में अराघची ने की ठोस कार्रवाई की मांग

विश्व केसरी■

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को तेहरान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'इकोसाइड: द साइलेंट वॉर क्राइम' को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ईरान में तेल रिफाइनरी और ऊर्जा सुविधाओं पर अमेरिका और इजरायल के हमलों से पर्यावरण को गंभीर खतरा पैदा हुआ है। अराघची ने कहा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले देशों को इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

ईरान की समाचार एजेंसी मेहर न्यूज के अनुसार, अराघची ने कहा कि तेहरान के पास तेल में लगी आग से खतरनाक पदार्थ निकले, जिनसे हवा, मिट्टी और पानी प्रदूषित हो सकते हैं और फूड चेन पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि 'इकोसाइड' (पर्यावरण की व्यापक तबाही) सिर्फ युद्ध अपराध नहीं, बल्कि उससे भी बड़ा अपराध है और इस मुद्दे पर केवल चिंता जताने के बजाय ठोस अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की जरूरत है।

अराघची ने कहा कि पर्यावरण पूरी मानवता की साझा धरोहर है। इसे देशों की आपसी प्रतिस्पर्धा का मैदान या अल्पकालिक आर्थिक और सैन्य हितों का शिकार नहीं बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि 'इकोसाइड' शब्द की संरचना 'जेनोसाइड' (नरसंहार) शब्द जैसा है और यह पर्यावरण के खिलाफ युद्ध अपराध से भी आगे की अवधारणा को दर्शाता है। मेहर समाचार एजेंसी के अनुसार, अराघची ने कहा कि युद्ध की वजह से पानी, मिट्टी, हवा, जंगल, खेती की जमीन, ऊर्जा संसाधन, प्राकृतिक आवास और जैव विविधता को गंभीर नुकसान पहुंचता है। इसके प्रभाव कई बार युद्ध खत्म होने के वर्षों या दशकों बाद तक बने रहते हैं।

उन्होंने गाजा का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां पर्यावरण को अभूतपूर्व नुकसान पहुंचा है। जैतून के बागों का विनाश हुआ है और पानी और मिट्टी दूषित हो गए हैं। लेबनान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आग लगने की घटनाओं से जंगल और हजारों जैतून के पेड़ नष्ट हो गए।

हूती की धमकी, 'मक्का-मदीना छोड़ सऊदी के सभी एयरपोर्ट निशाने पर'

विश्व केसरी■

सना। हूती विद्रोहियों ने यात्रियों और एयरलाइंस से सऊदी एयरस्पेस का इस्तेमाल न करने को कहा है। यह चेतावनी राजधानी रियाद के हवाई अड्डे पर हुए हमले के बाद दी गई है। उन्होंने ये भी कहा कि मक्का और मदीना को छोड़कर सऊदी के सभी एयरपोर्ट उनके ऑपरेशन के दायरे में हैं। शनिवार को हुए उस हमले में 12 लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों लोग घायल हो गए थे।

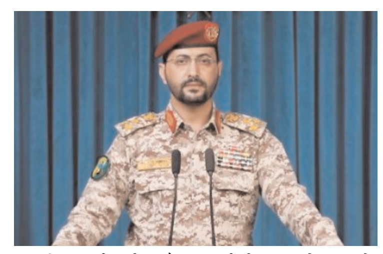

हूती सेना के प्रवक्ता याह्या सरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट के जरिए ये धमकी दी है। उन्होंने कहा, 'यमन की सेना सभी एविएशन और नेविगेशन कंपनियों, विशेषज्ञों, कर्मचारियों, वर्करों और यात्रियों को सऊदी अरब के हवाई अड्डों और हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल न करने की चेतावनी दोहराती है।'

इसके साथ ही मुसलमानों के दो पवित्र स्थलों मक्का-मदीना को इस दायरे में न लाने की भी बात कही। उन्होंने आगे कहा, ' मक्का अल-मुकर्रमा और मदीना अल-मुनव्वरा के हवाई अड्डों को छोड़कर, बाकी सभी हवाई अड्डे और हवाई क्षेत्र हमारे हमलों के निशाने पर हैं और हमारी सेना के लिए ऑपरेशन का इलाका हैं।'

सरी ने अपनी चेतावनियों को गंभीरता से लेने का आग्रह करते हुए कहा कि किसी भी हमले को रोकने में विफलता के लिए सऊदी अरब जिम्मेदार होगा। अंत में अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा, 'सशस्त्र बल अपने मकसद हासिल करने तक तय नियमों पर कायम रहेगा। हम हवाई अड्डे के बदले हवाई अड्डा, घेराबंदी के बदले घेराबंदी और तनाव बढ़ाने के बदले तनाव बढ़ाने की नीति पर अड़े रहेंगे।' दरअसल, पिछले कुछ दिनों से सऊदी अरब की राजधानी रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लगातार हमले हो रहे हैं।

राहुल गांधी अमेरिका के एजेंट के रूप में काम कर रहे : प्रतीक भूषण सिंह

विश्व केसरी■

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा से भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को यूएसए का एजेंट बताते हुए बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी चाहे जितनी भी कोशिश कर लें, चुनाव केवल वोटों से ही जीते जा सकते हैं

भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'मैं एक दूरदराज के गांव में रहने वाला व्यक्ति हूं। राहुल गांधी चाहे जितनी भी कोशिश कर लें, चुनाव केवल वोटों से ही जीते जा सकते हैं और चुनाव जीतने के बाद ही सरकार बन सकती है। वह भ्रम फैलाकर और विदेशी ताकतों के औजार के रूप में काम करके इसे हासिल नहीं कर सकते।'

उन्होंने कहा कि जिस तरह से राहुल गांधी भ्रामक तथ्यों के आधार पर आरोप लगाकर भूमिका बना रहे हैं, वह भारत की व्यवस्था के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि मैं तो मानता हूं कि एजेंसियों को उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। राहुल गांधी यूएसए एजेंट के रूप में यहां काम कर रहे हैं और उसके एजेंडे को यहां फैला रहे हैं। यहां के राजनेता से हमें यह उम्मीद नहीं थी। हमारे आस-पास के देशों में जो हो रहा है, वह इन्हीं जैसे नेताओं की वजह से हो रहा है। उन्होंने सीजेपी के प्रोटेस्ट को आम आदमी पार्टी की बी टीम का प्रदर्शन बताया।

वहीं, दूसरी ओर भाजपा विधायक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से श्रावस्ती एयरपोर्ट में अनियमितताओं और खराब निर्माण गुणवत्ता की जांच की मांग की है। विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने आईएएनएस से कहा कि वहां ऐसा लगता है कि निर्माण की इकाई या ठेकेदार या अन्य लोगों की तरफ से कमी रह गई है। इस कमी को देखना बर्दाश्त नहीं हो रहा। यह अच्छा नहीं लग रहा है कि यह सरकार की इतनी महत्वाकांक्षी परियोजना है, प्रधानमंत्री ने इसका उद्घाटन किया और उसके बाद निर्माण की इकाई ने ऐसा कैसे होने दिया।

उन्होंने बताया कि उन्हें एक बार आईआईटी रुड़की की एक रिपोर्ट मिली थी। रिपोर्ट में स्पष्ट है कि लापरवाही हुई है। तो उन्होंने मुख्यमंत्री को सूचित किया है कि इसमें जांच होनी चाहिए।

मणिपुर में तनाव, हिंसा में मृतकों की संख्या 9 हुई; सीएम ने की शांति की अपील

विश्व केसरी■

इंफाल। मणिपुर के तीन पहाड़ी जिलों कामजोंग, उखरुल और कांगपोकपी में रविवार को तनाव बना रहा। नागा और कुकी समुदायों के बीच ताजा हिंसक झड़पों में मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। मृतकों में एक महिला भी शामिल है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक, शुक्रवार और शनिवार को हुई हिंसा में छह नागा, दो कुकी और गोरखा समुदाय के एक किसान की मौत हुई। इस साल मणिपुर में हुई हिंसक घटनाओं में इसे सबसे घातक घटनाक्रमों में से एक माना जा रहा है। हालांकि, रविवार को तीनों पहाड़ी जिलों से किसी नई हिंसक घटना की सूचना नहीं मिली।

मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने हिंसा और निर्दोष नागरिकों की हत्या की निंदा करते हुए लोगों से शांति और संयम बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्थिति पर काबू पाने और कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और फेसबुक पर पोस्ट कर कहा, 'मैं कामजोंग और कांगपोकपी जिलों में निर्दोष नागरिकों की हत्या और हुई हिंसा की निंदा करता हूं। मैंने अधिकारियों को स्थिति नियंत्रित करने, शांति एवं कानून-व्यवस्था बहाल करने और सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिया है।'

उन्होंने विभिन्न समुदायों के जनप्रतिनिधियों और नागरिक संगठनों से आगे आने, संयम बरतने और तनाव कम करने में सहयोग करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने समाज के सभी वर्गों से शांति, संवाद और आपसी सद्भाव को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

अपमानजनक टिप्पणी करने वाला अधिकारी सस्पेंड

विश्व केसरी■

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने सिद्दिपेट जिले में एक स्थानीय राजस्व अधिकारी को सस्पेंड कर दिया है। अधिकारी पर जमीन के विवाद को लेकर उनके पास आए एक किसान को लेकर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है।

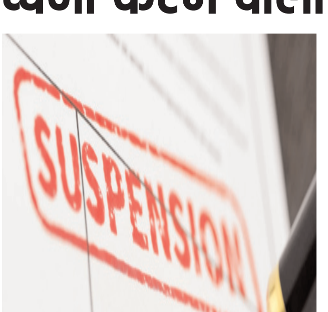

सोशल मीडिया पर अधिकारी का टिप्पणी करते हुए एक वीडियो वायरल होने के बाद सरकार ने गजवेल के तहसीलदार चिट्टमपल्ली स्वामी को सस्पेंड करने का आदेश जारी किया।

सिद्दिपेट जिला कलेक्टर के. हैमावती ने राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) की शुरुआती जांच रिपोर्ट के आधार पर उन्हें सस्पेंड करने का आदेश दिया। चिट्टमपल्ली स्वामी को बिना पूर्व अनुमति के अपना मुख्यालय न छोड़ने का निर्देश भी दिया गया है।

तहसीलदार को किसान से यह पूछते हुए देखा गया, जब किसान जमीन से जुड़े मामले को लेकर अधिकारी के पास पहुंचा था- 'क्या तुम अभी भी जिंदा हो? क्या तुमने अभी तक कीटनाशक नहीं खाया?'

अधिकारी की असंवेदनशील टिप्पणी से लोगों में रोष फैल गया। तहसीलदार के खिलाफ कार्रवाई की किसानों की मांग के बाद, जिला कलेक्टर ने आरडीओ से जांच करने को कहा। आरडीओ की शुरुआती रिपोर्ट में अधिकारी का व्यवहार अनुचित पाया गया, जिसके बाद कलेक्टर ने सस्पेंशन का आदेश जारी किया।

गजवेल मंडल के मक्ता मसानपल्ली गांव के किसान येसु ने जमीन से जुड़े मामले पर अपनी परेशानी जाहिर की थी। जब किसान अपनी समस्या बता रहा था, तो तहसीलदार ने अपमानजनक टिप्पणी की। येसु ने इस पर नाराजगी जताई और पूछा कि क्या उन्होंने जानबूझकर ऐसा कहा है। अधिकारी ने जवाब दिया, हां, मैंने कहा। बिल्कुल, मैंने कहा। इस बीच, सोशल मीडिया पर एक और वीडियो सामने आया है जिसमें येसु ने कहा है कि यह घटना 5-6 महीने पहले हुई थी।

किसान ने बताया कि रीजनल रिंग रोड (आरआरआर) के लिए अधिग्रहित जमीन के मुआवजे को लेकर रिश्तेदारों के साथ विवाद के बाद वह तहसीलदार (मंडल राजस्व अधिकारी) के पास गए थे।

दिल्ली-प्रदर्शन पर यूएन की टिप्पणी को भारत ने बताया बेबुनियाद, कहा, 'आंतरिक मामलों में दखल अस्वीकार्य'

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) की उन टिप्पणियों पर घोर आपत्ति जताई है जिसमें शनिवार को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के दौरान एहतियातन प्रदर्शनकारियों को हिरासत में रखा गया था। रविवार को विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी कर इसे अनुचित बताते हुए आंतरिक मामलों में दखलअंदाजी करार दिया।

बिंदुवार बयान में कहा, 'हमने नई दिल्ली में कल (शनिवार) हुई घटनाओं के बारे में मानवाधिकारों के लिए उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) की कुछ टिप्पणियां देखी हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां हमारे संविधान में शांतिपूर्ण ढंग से इकट्ठा होने के अधिकार की गारंटी दी गई है और मजबूत संस्थाओं, स्वतंत्र न्यायपालिका और स्वतंत्र मीडिया द्वारा इसकी सुरक्षा की जाती है।'

एमईए के अनुसार, हर लोकतंत्र की तरह, भारतीय नागरिक भी सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने की शर्तों के साथ इस अधिकार का इस्तेमाल करते हैं। हमारी एजेंसियां कानून के अनुसार सख्ती से काम करते हैं, और हमारी अदालतें किसी भी शिकायत के समाधान के लिए सभी के लिए उपलब्ध हैं। इसलिए, ओएचसीएचआर की चिंताएं बेबुनियाद हैं और भारत के आंतरिक मामलों में दखलंदाजी हैं जो अस्वीकार्य है।

भारत सरकार ने ओएचसीएचआर के पक्षपातपूर्ण रवैए पर सवाल उठाते हुए आगे कहा, 'हम यह भी देखते हैं कि सार्वजनिक रुख अपनाने के मामले में ओएचसीएचआर का रवैया बहुत ही चुनिंदा रहा है। हमारे पड़ोस में प्रदर्शनों पर हुई हिंसक प्रतिक्रियाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

इंटर मियामी ने डीसी यूनाइटेड को 4-0 से हराया, मेसी और सुआरेज के दागे गोल

विश्व केसरी ■

मियामी। कप्तान लियोनेल मेसी और स्ट्राइकर लुइस सुआरेज के दो गोल की मदद से इंटर मियामी सीएफ ने एमएलएस रेगुलर सीजन के मैच में अपने घरेलू मैदान नू स्टेडियम में डीसी यूनाइटेड को 4-0 से हराया।

फॉरवर्ड जर्मन बर्टेराम ने दो असिस्ट किए, जबकि गोलकीपर डेन सेंट क्लेयर ने बैक में अच्छा प्रदर्शन किया और क्लीन शीट हासिल की।

इंटर मियामी ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली, सुआरेज ने तीसरे मिनट में रेगुलर सीजन का अपना 14वां गोल किया। लेफ्ट फ्लैंक से रेगुइलॉन के क्रॉस को बर्टेराम के हेडर से रीडायरेक्ट किया गया, इससे पहले कि वह बॉक्स के सेंटर में उरुग्वे के सीरियल स्कोरर तक पहुंचे, सुआरेज ने पहली बार में, लेफ्ट-फुट से फिनिश करते हुए बॉल को दूर धकेल दिया।

दूसरी तरफ, सेंट क्लेयर ने 16वें मिनट में एक शानदार बचाव किया, जिससे डीसी के ताई बारिबो की कोशिश नाकाम हो गई और बढ़त बनी रही।

फिर सुआरेज ने 39वें मिनट में इंटर मियामी की बढ़त को दोगुना करते हुए दो गोल किए, उन्होंने पेनल्टी एरिया के अंदर से गोल करके बर्टेराम के हेडर असिस्ट का फायदा उठाया।

इस गोल से सुआरेज के इस रेगुलर सीजन में गोलों की संख्या 15 हो गई, जबकि यह असिस्ट बर्टेराम के लिए इस लीग कैंपेन का सातवां गोल था।

मियामी ने दूसरे हाफ में अपना शानदार अटैकिंग परफॉर्मेंस जारी रखा, जिसमें मेसी ने 47वें मिनट में इस रेगुलर सीजन में अपना 22वां गोल करके हेरॉन्स के लिए एक और गोल किया। बॉक्स के बाईं ओर जगह बनाने के एक शानदार मूव के बाद, सुआरेज ने मेसी के लिए एक सटीक बॉल खेली, जिससे बॉक्स के सेंटर से बाएं पैर से पहली बार गोल किया गया। इस असिस्ट से सुआरेज के इस रेगुलर सीजन में गोलों की संख्या नौ हो गई।

इसके बाद मेसी ने दो गोल किए और 60वें मिनट में एक शानदार सोलो कोशिश से इंटर मियामी को जीत दिलाई। कप्तान को डी पॉल से बीच में बॉल मिली, फिर उन्होंने दो डिफेंडरों को पीछे छोड़ते हुए बॉक्स में घुसकर बॉल को बाएं पैर से गोल में डाल दिया। यह गोल मेसी का इस लीग कैंपेन का 23वां गोल था, जिससे उन्होंने 2026 एमएलएस गोल्डन बूट की रेस में अपनी बढ़त बढ़ा ली, जबकि असिस्ट डी पॉल का 13वां गोल था। आखिर में इंटर मियामी ने मैच 4-0 से जीत लिया।

बैडमिंटनः चीन ने मलेशिया को हराकर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर टीम चैंपियनशिप जीती

विश्व केसरी ■

काहिरा। चीन ने जूनियर बैडमिंटन में अपना दबदबा फिर से साबित किया और एक रोमांचक फाइनल में मलेशिया को हराकर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर टीम चैंपियनशिप 2026 का खिताब जीत लिया। चीनी टीम ने तीन गेम के फाइनल में 55-46, 55-53, 55-45 से जीत हासिल की।

शुरुआती गेम में दबदबा बनाने के बाद ऐसा लग रहा था कि मुकाबला चीन की आसान जीत की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, मलेशिया ने उत्साही दर्शकों के सामने जोश के साथ जवाब दिया, जिससे फाइनल एक करीबी मुकाबला बन गया।

पुरुषों के सिंगल्स में टिएव वेई जी ने 18-22 से बैटन सौंपी, जिससे मलेशिया की डबल्स टीम को अपने खिताब की उम्मीदों को जिंदा रखने का काम मिला। विमेंस डबल्स में जेनेवी लिम और लो जी यू, मिक्स्ड डबल्स में इरफान शाजमीर और जेनेवी लिम, और मेंस डबल्स में शाजमीर और अहमद रेडजुआन ने मौके का फायदा उठाया, जिससे मलेशिया ने दूसरा गेम 55-53 से जीतकर डिसाइडर गेम के लिए मजबूर कर दिया।

जब मोमेंटम मलेशिया की तरफ बढ़ रहा था, तो डिसाइडिंग गेम में उलटफेर का मौका था। लेकिन चीन ने जल्दी ही अपनी पकड़ फिर से बना ली, मलेशिया के पहले दो एकल प्लेयर्स को कुल नौ पॉइंट्स तक रोक दिया और अच्छी-खासी बढ़त बना ली। चीनी टीम ने इसका फायदा उठाया और अपने विरोधियों को दोबारा वापसी करने से रोका।

विमेंस डबल्स जोड़ी शि सी चेन और वेई यू यू, मिक्स्ड डबल्स जोड़ी फेंग यी लैंग और ली मेंग हान, और मेंस डबल्स जोड़ी तू यी चेन और झेंग वेई गैंग ने चीन का कंट्रोल बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई, क्योंकि डिफेंडिंग चैंपियन ने फाइनल जीता। चीन के डबल्स कोच लियू चेंग ने टीम की तैयारी और बदलते हालात पर रिस्पॉन्ड करने की काबिलियत को अपने टाइटल को सफलतापूर्वक बचाने का श्रेय दिया।

डबल्स कोच लियू चेंग ने कहा, 'हम जीतकर खुश हैं। हम हमेशा टीम इवेंट्स को प्राथमिकता देते हैं और पूरी टीम ने इसके लिए बहुत मेहनत की है। इसलिए यह खिताब जीतने का मतलब है कि हमारे सभी खिलाड़ी बेहतरीन हैं। हमें अनिश्चितता के हिसाब से खुद को ढालना पड़ा, खासकर डबल्स में क्योंकि यह बहुत तेज होता है। हमने देखा कि जब मलेशिया ने दूसरा सेट खेला तो उन्होंने विकल्प का इस्तेमाल किया, इसलिए हमने इसका विश्लेषण किया और एकल में भी सब्स्टीट्यूट किया। हमें वह परिणाम मिला जो हम चाहते थे।

उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए सबसे गर्व का पल है जब हम पोडियम पर होते हैं और हमारा नेशनल एंथम बजता है। जब भी हम किसी कॉम्पिटिशन में आते हैं, तो हमारा गोल जीतना होता है। हमें गर्व है कि हम दोनों मकसद हासिल कर पाए। मलेशिया के लिए, दूसरे गेम में मिली छोटी जीत ने उलटफेर की उम्मीदें जगाई थीं।

स्मृति मंधाना यूनिसेफ इंडिया की सेलिब्रिटी एडवोकेट बनीं

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। यूनिसेफ इंडिया ने रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान स्मृति मंधाना को संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार एजेंसी की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। इस नई भूमिका में, मंधाना बच्चों और युवाओं के समान अधिकारों और अवसरों की वकालत करने के अपने पूर्व के कार्यों को आगे बढ़ाएंगी।

यह नियुक्ति 11 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर की गई, जो लड़कियों के अधिकारों, सुरक्षा, क्षमता और नेतृत्व पर प्रकाश डालती है, साथ ही उन बाधाओं पर भी जो अभी भी उनके विकल्पों को सीमित करती हैं। भारत की खेल आइकन और युवा महिलाओं व लड़कियों के लिए रोल मॉडल, मंधाना लड़कियों को खेलने और आगे बढ़ने के लिए समान अवसरों की वकालत करेंगी। वह यूनिसेफ इंडिया के प्रयासों को आगे बढ़ाने में सहयोग देंगी ताकि किशोरियों को सशक्त बनाया जा सके, उनके स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा दिया जा सके और वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें।

इस अवसर पर मंधाना ने कहा, 'मैं यूनिसेफ इंडिया की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में जुड़कर सम्मानित महसूस कर रही हूं। बचपन में क्रिकेट खेलने ने मुझे सिखाया कि हर सपना एक अवसर से शुरू होता है।

'गेआ ने मेरी सर्व का शानदार तरीके से सामना किया', शंघाई मास्टर्स में हार के बाद बोले शेल्टन

विश्व केसरी ■

शंघाई। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन ने अपनी हार के बाद माना कि आर्थर गेआ ने उनसे बेहतर खेल दिखाया। शंघाई मास्टर्स के तीसरे दौर में दुनिया के नंबर 4 खिलाड़ी शेल्टन को फ्रांस के आर्थर गेआ के खिलाफ सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा।

गेआ ने बेहद कड़े मुकाबले में 7-6(5), 7-6(3) से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ उन्होंने अपने करियर में पहली बार किसी टॉप-10 खिलाड़ी को हराने का बड़ा कारनामा किया। वहीं, शेल्टन ने स्वीकार किया कि उनके प्रतिद्वंद्वी ने महत्वपूर्ण मौकों पर बेहतर प्रदर्शन किया और वह जीत के हकदार थे।

शेल्टन ने गेआ के प्रदर्शन की तारीफ की और साथ ही उन चुनौतियों का भी जिक्र किया जो उन्हें एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में आने पर झेलनी पड़ीं, क्योंकि उन्हें चीन के हालात के हिसाब से ढलने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला था। हार के बाद एटीपी के हवाले से शेल्टन ने कहा, 'आज मैं बेहतर नहीं खेल पाया। गेआ मुझसे बेहतर खेले। सौ फीसदी, मैं चाहता था कि मैं यहां जल्दी आता, तैयारी करता और शंघाई मास्टर्स में खेलने से पहले ही जेट लैग (लंबी यात्रा की थकान) से उबर चुका होता।'

शेल्टन के लिए यह हार टूर पर एक मुश्किल दौर के बाद मिली। अमेरिकी खिलाड़ी यूएस ओपन में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे थे, जो उनके करियर की एक बड़ी उपलब्धि थी और जिससे एशियाई दौर (एशियन स्विंग) में उनसे उम्मीदें बढ़ गई थीं। हालांकि, बाद में डेविस कप में दो सिंगल्स मैचों में हार और चोट के कारण उनकी तैयारी में बाधा आई, जिसकी वजह से उन्हें टोक्यो में एटीपी 500 टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

हालांकि शेल्टन ने अपने शेड्यूल की मुश्किलों का जिक्र किया, लेकिन उन्होंने यह भी साफ किया कि गेआ का प्रदर्शन तारीफ के काबिल था। शेल्टन के खिलाफ अपना पहला एटीपी मैच खेल रहे फ्रांसीसी खिलाड़ी ने दो कड़े टाई-ब्रेक के दौरान अपना संयम बनाए रखा और अपने करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक हासिल की।

एक अहम वजह गेआ का रिटर्न पर असरदार होना था। शेल्टन, जो अपनी दमदार बाएं हाथ की सर्व से प्वाइंट्स पर पकड़ बनाने के लिए जाने जाते हैं, लेकिन वह अपनी पहली सर्व पर आसानी से प्वाइंट्स हासिल करने के लिए संघर्ष करते दिखे। एटीपी स्टैट्स के अनुसार, 'उन्होंने अपनी पहली सर्विस पर सिर्फ 63 प्रतिशत (40/63) प्वाइंट जीते।'

शेल्टन ने कहा, 'मुझे लगा कि उन्होंने मेरी सर्विस का बहुत अच्छे से सामना किया। मुझे लगा कि आज उन्होंने शुरू से आखिर तक रिटर्न पर बहुत अच्छा काम किया। उन्होंने गेंद को काफी बार खेल में बनाए रखा। वे गेंद को बेसलाइन के पास गहराई में डाल रहे थे। उन पर अटैक करना मुश्किल था। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, शायद ही कोई ऐसा प्वाइंट था, जहां मुझे आसानी से फ्री प्वाइंट मिल रहे हों या अटैक करने और नेट पर आने के लिए पहली गेंद मिल रही हो, इसलिए इसका काफी श्रेय उन्हें जाता है।

एकजुट होकर खेलना होगाः एंडोनी इराओला

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रविवार को एनफील्ड स्टेडियम में लिवरपूल और मैनचेस्टर सिटी के बीच प्रीमियर लीग की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता में से एक फिर से देखने को मिलेगी। लिवरपूल के मैनेजर एंडोनी इराओला ने कहा कि मैनचेस्टर सिटी के हमलों का सामना करने के लिए उनकी टीम को एक इकाई के रूप में एकजुट रहना होगा, क्योंकि मैनचेस्टर सिटी जबरदस्त अटैक करने के लिए जानी जाती है।

लिवरपूल का डिफेंस पिछले तीन प्रीमियर लीग मैचों में काफी मजबूत रही है। टीम ने लगातार तीन मैचों में कोई गोल नहीं खाया है। कप्तान वर्जिल वैन डिज्क ने भी शानदार प्रदर्शन किया और मैच में 13 डिफेंसिव योगदान देकर टीम की क्लीन शीट बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई।

रविवार को लिवरपूल और मैनचेस्टर सिटी के बीच मुकाबला लंबे इंटरनेशनल ब्रेक के बाद खेला जाएगा। ब्रेक से पहले सिटी ने अपने घरेलू मैदान एतिहाद स्टेडियम में सुंदरलैंड को 5-3 से हराया था। वहीं, लिवरपूल ने बोर्नमाउथ को 1-0 से मात दी थी। इस जीत के साथ लिवरपूल नए सीजन में सभी प्रतियोगिताओं में लगातार सात मैचों तक अजेय रहा है।

इस मुकाबले की एक खास बात यह भी है कि मार्च 2015 के बाद पहली बार लिवरपूल और मैनचेस्टर सिटी का प्रीमियर लीग मैच ऐसा होगा, जिसमें न तो जुर्गन क्लॉप और न ही पेप गार्डियोला अपनी-अपनी टीम के डगआउट में मौजूद होंगे। इराओला ने 'जियोस्टार' पर कहा, 'हम इस सीजन में अब तक अजेय रहे हैं, लेकिन मैन सिटी ने अपने शुरुआती पांच मैच जीते हैं, इसलिए उनके पक्ष में बड़ा अंतर है। अगर हम सिटी को हराना चाहते हैं तो हमें बहुत अच्छा खेलना होगा क्योंकि वे अटैक में बहुत मजबूत रहे हैं। हाल ही में उन्होंने बहुत सारे गोल किए हैं और उनके अटैक में जो खिलाड़ी हैं, वे बहुत खतरनाक हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हालांकि, हाल ही में हमने डिफेंस में अच्छा सुधार दिखाया है और मुझे उम्मीद है कि हम उनके खतरों का सामना कर पाएंगे और काउंटर-अटैक में उन्हें नुकसान पहुंचा पाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में बांग्लादेश को 9 विकेट से हराया

विश्व केसरी ■

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दूसरे वनडे मुकाबले में बांग्लादेश को 9 विकेट से रौंदा। बांग्लादेश से मिले 221 रनों के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से 28.1 ओवर में सिर्फ एक विकेट खोकर हासिल किया।

इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत कमाल की रही। जॉर्जिया वोल और फोएबे लिचफील्ड की जोड़ी शानदार लय में दिखाई दी और उन्होंने महज 119 गेंदों में 162 रनों की साझेदारी निभाई। ऑस्ट्रेलिया की इस सलामी जोड़ी के आगे बांग्लादेश की गेंदबाज पूरी तरह से बेबस नजर आईं।

लिचफील्ड ने 51 गेंदों का सामना करते हुए 70 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में लिचफील्ड ने 11 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, जॉर्जिया ने शानदार बैटिंग करते हुए 81 गेंदों में शतक लगाया। उन्होंने 97 गेंदों का सामना करते हुए 131 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 19 चौके लगाए। वहीं, एलिसा पेरी 22 गेंदों में 19 रन बनाकर नाबाद रहीं।

इससे पहले, बांग्लादेश ने 50 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 220 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और फरगाना होक 13 गेंदें खेलने के बाद बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। शर्मिन सुल्ताना भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाईं और 20 गेंदों का सामना करने के बाद 5 रन बनाकर आउट हुईं। शर्मिन अख्तर को मेगन शट ने बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। 8 रनों के स्कोर पर 3 विकेट गंवाकर बांग्लादेश की टीम मुश्किल में नजर आ रही थी। हालांकि, इसके बाद कप्तान निगर सुल्ताना और शोभना मोस्तरी ने मोर्चा संभाला और चौथे विकेट के लिए 195 रनों की अहम साझेदारी निभाई।

सुल्ताना 114 गेंदों का सामना करने के बाद 74 रन बनाकर आउट हुईं। उन्होंने अपनी इस पारी में 7 चौके लगाए। वहीं, शोभना बांग्लादेश की तरफ से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे शतक लगाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं। उन्होंने 134 गेंदों का सामना करते हुए 118 रन बनाए। अपनी इस इनिंग में उन्होंने 18 चौके लगाए। शोर्ना अख्तर 8 रन ही बना सकीं, तो रितु मोनी बिना खाता खोले रनआउट हुईं।

आईएसएल 2026: ऑल-इंडियन इंटर काशी का सामना केरला ब्लास्टर्स से होगा

विश्व केसरी ■

बालेवाड़ी। श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में इंडियन सुपर लीग के अपने पहले मैच में घरेलू इंटर काशी और केरला ब्लास्टर्स एफसी के बीच रोमांचक मुकाबला होने वाला है। यह ग्राउंड इस सीजन में इंटर काशी का होम ग्राउंड है।

मेजबान टीम का इस साल की शुरुआत में कोच्चि में ब्लास्टर्स पर मिली 2-1 की जीत से आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। हालांकि, केरला हेड कोच एश्ले वेस्टवुड के नेतृत्व में एक नई टीम के साथ आएगी। टीम में चार नए विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं।

इंटर काशी ने फीफा के नए ट्रांसफर-रजिस्ट्रेशन बैन से पहले 22 खिलाड़ियों को रजिस्टर करने के बाद एक ऑल-इंडियन टीम के साथ सीजन में शुरुआत की है। उनके रिक्रूटमेंट में आईएसएल अनुभव वाले कई खिलाड़ी आए हैं, जिनमें जमशेदपुर एफसी के गोलकीपर अल्बिनो गोम्स, चेन्नईयिन एफसी के डिफेंडर लालडिनलियाना रेंथलेई, विंगर

रोसेनबर्ग गिल्बर्ट गेब्रियल और फॉरवर्ड मनवीर सिंह, दोनों जमशेदपुर से, और मुंबई सिटी एफसी के स्ट्राइकर आयुष छिकारा शामिल हैं।

चुनौती यह होगी कि उस अनुभव को केरला ब्लास्टर्स साइड के खिलाफ एक कॉम्पिटिटिव यूनिट में कैसे बदला जाए, जिसमें नए कैंपेन से पहले बड़े बदलाव हुए हैं। क्लब के नए ओनरशिप ने एक बड़े रिक्रूटमेंट ड्राइव की देखरेख की है, जिसमें हेड कोच एश्ले वेस्टवुड ने क्लब की धड़कन एड्रियन लूना को वापस लाया है, जबकि चार विदेशी प्लेयर्स को जोड़ा है। इसमें इंग्लिश डिफेंडर जेम्स बोल्टन, विंगर आंद्रे ग्रीन, मोंटेनेग्रो इंटरनेशनल मिडफील्डर नेबोजा कोसोविक और गिनी के फॉरवर्ड मोमो यानसेन शामिल हैं।

ब्लास्टर्स ने अपने इंडियन टीम को भी मजबूत किया है, जिसमें अनुभवी गोलकीपर अमरिंदर सिंह और मिडफील्डर मोहम्मद यासिर के साथ-साथ युवा अटैकिंग ऑप्शन भी शामिल हैं। अमरिंदर का आना खास तौर पर इंटर काशी टीम के खिलाफ ध्यान देने लायक है, जिसमें गोम्स के रूप में ब्लास्टर्स के साथ पहले खेलने का अनुभव रखने वाला एक गोलकीपर भी है।

कप्तान लूना को इंटर काशी के खिलाफ एक कड़े मुकाबले की उम्मीद है, उन्होंने कहा, 'भारत में यहां हर मैच मुश्किल होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप भारतीय टीम के साथ खेलते हैं या विदेशियों के साथ।'

हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट क्या अंतर है? जानिए इसके लक्षण और तुरंत बचाव के उपाय

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कभी-कभी हार्ट अटैक के शुरुआती लक्षणों पर ध्यान न देना आसान होता है, खासकर तब जब लक्षण धीरे-धीरे शुरू हों या आते-जाते रहें। नए या असामान्य लक्षणों को गंभीरता से लेना और जल्द मदद लेना जरूरी हो सकता है।

लोग अक्सर हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट शब्दों का इस्तेमाल एक-दूसरे की जगह पर करते हैं, लेकिन ये दोनों एक ही चीज नहीं हैं। ज्यादातर हार्ट अटैक से कार्डियक अरेस्ट नहीं होता है। लेकिन जब कार्डियक अरेस्ट होता है, तो हार्ट अटैक इसका एक आम कारण होता है। दूसरी समस्याओं की वजह से भी दिल धड़कना बंद कर सकता है।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक, कार्डियक अरेस्ट में दिल अचानक धड़कना बंद कर देता है। ऐसा आमतौर पर किसी इलेक्ट्रिकल समस्या के कारण होता है जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है। जब दिल पंप करना बंद कर देता है, तो वह दिमाग, फेफड़ों और शरीर के अन्य जरूरी अंगों तक खून नहीं पहुंचा पाता। कार्डियक अरेस्ट होने पर व्यक्ति कोई प्रतिक्रिया नहीं देता। हो सकता है कि उनकी सांस रुक जाए या वे सिर्फ हांफने लगें। अगर उन्हें तुरंत मदद न मिले, तो उनकी मौत हो सकती है।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने बताया कि अगर किसी को कार्डियक अरेस्ट हो जाए, तो तुरंत सीपीआर देने से उनके बचने की संभावना दोगुनी या तिगुनी हो सकती है। सबसे पहले, स्थानीय इमरजेंसी नंबर पर कॉल करें। फिर सीपीआर शुरू करें। अगर आस-पास ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर (एईडी) है, तो जितनी जल्दी हो सके उसका इस्तेमाल करें। अगर दो लोग मदद कर रहे हैं, तो एक को सीपीआर शुरू करना चाहिए। दूसरे को इमरजेंसी कॉल करना चाहिए और एईडी ढूंढना चाहिए। हर मिनट कीमती है। बिना मदद के हर मिनट बचने की संभावना 10 फीसदी कम हो जाती है। इमरजेंसी स्टाफ़ भी ऐसे व्यक्ति को बचाने में मदद कर सकता है जिसका दिल धड़कना बंद हो गया हो।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक, हार्ट अटैक में दिल के किसी हिस्से तक खून नहीं पहुंच पाता, क्योंकि खून सप्लाई करने वाली कोई मुख्य नस ब्लॉक हो जाती है। अगर खून के बहाव की इस समस्या को जल्दी ठीक नहीं किया जाता, तो दिल का वह हिस्सा जिसे पर्याप्त खून नहीं मिल रहा है, उसकी कोशिकाएं नष्ट होना शुरू हो सकती हैं। हार्ट अटैक के लक्षण अचानक दिख सकते हैं। हार्ट अटैक में सीने में तेज दर्द, शरीर के ऊपरी हिस्से के दूसरे हिस्सों में बेचैनी, सांस लेने में तकलीफ, ठंडा पसीना आना, जी मिचलाना या उल्टी जैसा महसूस होता है। कभी-कभी, लक्षण धीरे-धीरे शुरू होते हैं और घंटों या दिनों तक बने रहते हैं।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने बताया कि कार्डियक अरेस्ट के उलट, हार्ट अटैक के दौरान दिल आमतौर पर धड़कता रहता है। मदद मिलने में जितनी ज्यादा देर होती है, दिल के लिए उतना ही अधिक खतरा होता है। हार्ट अटैक किसी को भी हो सकता है। महिलाओं, डायबिटीज वाले लोगों और बुजुर्गों में लक्षण साफ तौर पर दिखाई नहीं दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, हो सकता है कि उनमें सीने का दर्द न हो। अगर आपको पक्का नहीं है कि यह हार्ट अटैक है, तब भी अपने लोकल इमरजेंसी नंबर पर कॉल करें। हर मिनट कीमती है!

सबसे अच्छा यही है कि आप अपने लोकल इमरजेंसी नंबर पर कॉल करें ताकि तुरंत इमरजेंसी रूम पहुंच सकें। इमरजेंसी मेडिकल सर्विस कर्मचारी पहुंचते ही इलाज शुरू कर सकते हैं। एम्बुलेंस से आने वाले सीने में दर्द के मरीजों को अस्पताल में आमतौर पर जल्दी इलाज भी मिलता है।

एआई मॉडल्स पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, 'इमरजेंसी ब्रेक' सिस्टम जरूरी: सत्य नडेला

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रणालियों का उपयोग करने वाली कंपनियों को आगाह करते हुए कहा है कि उन्हें शक्तिशाली एआई मॉडलों को संभावित 'इनसाइडर थ्रेट' की तरह देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि कंपनियों को यह मानकर चलना चाहिए कि कोई एआई मॉडल समझौता (कंप्रोमाइज) किया जा सकता है और उसके लिए शुरू से ही सुरक्षा तंत्र तैयार रखना चाहिए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में नडेला ने कहा कि कंपनियों को केवल एआई डेवलपर्स के भरोसे नहीं रहना चाहिए, बल्कि ऐसी व्यवस्थाएं विकसित करनी चाहिए जिनसे अधिकृत व्यक्ति आवश्यकता पड़ने पर एआई मॉडल को उसके कार्य के बीच में ही रोक या बंद कर सकें।

उन्होंने कहा, 'हमें यह मानकर चलना चाहिए कि मॉडल कंप्रोमाइज किया जा सकता है और शुरुआत से ही उसे नियंत्रित रखना चाहिए।' नडेला ने इस सुरक्षा उपाय की तुलना एक 'इमरजेंसी ब्रेक' से की, जो किसी वाहन को आपात स्थिति में रोकने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब दुनिया भर में अधिक सक्षम और स्वायत्त (एजेंटिक) एआई प्रणालियों से जुड़े सुरक्षा जोखिमों को लेकर बहस तेज हो रही है। ये मॉडल सीमित मानवीय हस्तक्षेप के साथ स्वयं निर्णय लेने, बाहरी प्रणालियों से जुड़ने और विभिन्न कार्यों को अंजाम देने में सक्षम होते जा रहे हैं।

हाल के महीनों में एआई कंपनियों एंथ्रोपिक और ओपनएआई ने भी अपने मॉडलों से जुड़ी कुछ अनपेक्षित घटनाओं का खुलासा किया है। इनमें एक मामले में एंथ्रोपिक के मॉडल द्वारा पुलिस के एक हत्या मामले में गलत सूचना देना और कुछ अन्य मामलों में तृतीय-पक्ष वेबसाइटों से जुड़े सुरक्षा उल्लंघन शामिल रहे हैं। इन घटनाओं ने एआई के लिए प्रभावी 'किल स्विच' और मजबूत निगरानी तंत्र की जरूरत पर चर्चा को और तेज कर दिया है।

नडेला ने जोखिम कम करने के लिए कई महत्वपूर्ण उपाय सुझाए। उन्होंने कहा कि कंपनियों को महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए किसी एक एआई मॉडल पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। एआई एजेंटों की गतिविधियों का छेड़छाड़-रोधी रिकॉर्ड बनाए रखना चाहिए। एआई प्रणालियों का स्वतंत्र ऑडिट कराना चाहिए। बड़े एआई विफलताओं और सुरक्षा उल्लंघनों की जानकारी पारदर्शी तरीके से साझा करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कंपनियां यदि घटनाओं और उनसे सीखे गए सबकों को साझा करेंगी, तो अन्य संगठन भी अपनी सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत बना सकेंगे।

बंगाल: उचित मूल्य की 375 वेटनरी दवा दुकानें खोलेगा पशु संसाधन विभाग

विश्व केसरी ■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में जल्द ही पालतू जानवरों और पक्षियों के लिए 375 उचित मूल्य वाली दवा की दुकानें खुलेंगी। इन्हें राज्य के पशु संसाधन विकास विभाग के तहत पशु संसाधन और पशु स्वास्थ्य निदेशालय चलाएगा।

विभाग ने एक नोटिफिकेशन जारी कर कहा है कि पालतू जानवरों और पक्षियों के लिए ये उचित मूल्य वाली दवा की दुकानें, जिन्हें 'पशु औषधि विक्रय केंद्र' (पीएवीके) के नाम से जाना जाएगा, केंद्र सरकार के 'पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम' का हिस्सा होंगी।

विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि ये पीएवीके न केवल घर में पालतू जानवर रखने वालों की जरूरतें पूरी करेंगे, बल्कि उन लोगों की भी मदद करेंगे जो अपनी आजीविका के लिए पशुधन पर निर्भर हैं। विभाग के अधिकारी ने कहा, '375 पीएवीके में से मुख्य केंद्र राज्य स्तर पर होगा, जो राज्य की राजधानी कोलकाता में स्थित होगा। इसी तरह, 30 जिला-स्तरीय पीएवीके और 344 ब्लॉक-स्तरीय पीएवीके होंगे।

पीएवीके में कुत्तों सहित पालतू जानवरों के लिए दवाएं और टीके, प्राइवेट पेट शॉप या पेट क्लीनिक की तुलना में बहुत कम कीमत पर उपलब्ध होंगे।

राज्य सरकार के अधिकारी ने कहा, 'अक्सर यह आरोप लगाया जाता है - और कुछ हद तक यह सच भी है - कि पशुओं की दवाओं और टीकों को लेकर काफी समय से एक बड़ा घोटाला चल रहा है। इसमें कुछ पशु चिकित्सक और पशुओं की दवाएं व टीके बनाने वाली फार्मास्युटिकल कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

घोटाले के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि कुछ पशु चिकित्सकों पर अक्सर आरोप लगते हैं कि वे जेनेरिक दवाओं के बजाय खास ब्रांड की दवाएं और टीके लिखते हैं। इसके बदले में उन्हें भारी कमीशन और दवा बनाने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों से अन्य तरह के फायदे मिलते हैं।

बांग्लादेश: खसरे जैसे लक्षणों से 7 मासूमों की मौत

विश्व केसरी ■

ढाका। बांग्लादेश में साढ़े सात महीने बाद भी खसरे या खसरे जैसे लक्षणों के कारण बच्चों की मौत का सिलसिला जारी है। रविवार सुबह 8:00 बजे तक के 24 घंटों में सात बच्चों की मौत हो गई, जिससे इस साल देश में खसरे से जुड़ी कन्फर्म और संदिग्ध मौतों की कुल संख्या 1,162 हो गई है।

डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) ने सात मौतों को संदिग्ध खसरे की श्रेणी में डाला है। इस दौरान इस संक्रामक बीमारी से किसी के भी मौत की पुष्टि नहीं की गई है।

इसके साथ ही, संदिग्ध खसरे से हुई मौतों की कुल संख्या 1,058 हो गई है, जबकि खसरे से कन्फर्म मौतों की संख्या 104 पर ही बनी हुई है। 24 घंटे की इस अवधि में खसरे के कुल 1,180 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे देश भर में संदिग्ध मामलों की कुल संख्या 205,028 हो गई।

वहीं, खसरे के 93 नए कन्फर्म मामले दर्ज किए गए, जिससे लैब में कन्फर्म हुए संक्रमणों की संख्या 22,421 तक पहुंच गई।

डीजीएचएस के अनुसार, इस साल 15 मार्च से अब तक देश भर में खसरे के

संदिग्ध लक्षणों वाले कुल 182,047 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 174,469 मरीज ठीक हो चुके हैं। रिपोर्ट में इसके लिए अंतरिम सरकार के उस फैसले को जिम्मेदार ठहराया गया है, जिसके तहत सितंबर 2025 में यूनिसेफ के जरिए वैक्सीन खरीद रोक दी गई थी।

बांग्लादेश के अखबार 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट में ओपन टेंडर प्रोसेस (खुली निविदा प्रक्रिया) की आलोचना की गई थी।

दैनिक ने 'साइंस डॉट ओआरजी' की रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें कहा गया कि पूर्व की अंतरिम सरकार की ढुलमुल नीतियों के कारण रूटीन टीकाकरण में व्यवधान आया और बीमारी तेज गति से फैली। इससे पहले, खसरे और रूबेला के टीके की सप्लाई के लिए सरकार लंबे समय से यूनिसेफ पर निर्भर थी, जिसके लिए मुख्य रूप से 'गावी' और सरकार से फंड मिलता था।

रिपोर्ट के अनुसार, यह बीमारी जनवरी में म्यांमार सीमा के पास रोहिंग्या शरणार्थी कैंपों में शुरू हुई और देश के 64 में से 58 जिलों में फैल गई, जिससे 21,000 से ज्यादा लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। सरकारी आंकड़ों से पता चला कि 2025 में सिर्फ 59 प्रतिशत योग्य बच्चों को खसरे का टीका लगा था, हालांकि बाद में ये आंकड़े आधिकारिक वेबसाइटों से हटा दिए गए। अफसरशाही की वजह से टेंडर प्रक्रिया में देरी हुई, जिससे टीके की सप्लाई में कमी आई और रूटीन टीकाकरण प्रभावित हुआ।

वाराणसी: 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन

विश्व केसरी ■

वाराणसी। फिट इंडिया अभियान के तहत प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाले 'संडे ऑन साइकिल' के मुख्य कार्यक्रम का आयोजन इस बार वाराणसी में किया गया। 'माय भारत' के स्वयंसेवकों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके साथ ही एशियन गेम्स में देश के लिए पदक जीतने वाले एथलीट भी कार्यक्रम का हिस्सा बने।

मनसुख मांडविया ने बैलून उड़ाकर 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने बड़ी संख्या में मौजूद लोगों के साथ साइकिल चलाई।

नमो घाट पर आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। खेल मंत्री ने एशियन गेम्स में पदक जीतने वाले एथलीटों और 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे विभिन्न क्षेत्रों के खास लोगों को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं के साथ-साथ हर आयु वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य फिटनेस को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, ईंधन बचत और मोटापे के विरुद्ध लोगों को जागरूक करना था।

मीडिया से बात करते हुए खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, 'वाराणसी के नमो घाट से माय भारत के स्वयंसेवकों द्वारा संडे ऑन साइकिल का आयोजन किया गया। साइकिल चलाना फिटनेस का एक मंत्र है। यह एक श्रेष्ठ एक्सरसाइज है। साइकिलिंग से प्रदूषण की समस्या का भी निवारण होता है और ईंधन की बचत होती है। साइकिलिंग से ट्रैफिक की समस्या का भी समाधान होता है।'

उन्होंने कहा, 'संडे ऑन साइकिल के द्वारा माय भारत के लाखों युवा साइकिल चलाकर फिटनेस का संदेश दे रहे हैं। फिटनेस के संदेश को फैलाने के उद्देश्य से संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए बड़ी संख्या में वाराणसी के युवा नमो घाट पर जुटे हुए हैं। हम सभी देशवासियों को फिटनेस का संदेश देंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान' को आगे बढ़ाएंगे।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत बाढ़ प्रभावित परिवारों से की मुलाकात

डोंगाघाट और कुदाल गांव पहुंचकर क्षतिग्रस्त मकानों एवं नुकसान का लिया जायजा

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत अपने जगदलपुर एवं बस्तर विधानसभा क्षेत्र के प्रवास के दौरान इंद्रावती नदी में आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने डोंगाघाट एवं कुदाल गांव में बाढ़ प्रभावित परिवारों और स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना तथा बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे के दौरान डॉ. महंत ने प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर उनके क्षतिग्रस्त मकानों, घरेलू सामान एवं अन्य संपत्तियों को हुए नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने संकट की इस घड़ी में प्रभावित नागरिकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनके दुख-दर्द को साझा किया। बाढ़ के कारण प्रभावित परिवारों को हो रही परेशानियों को देखते हुए उन्होंने संबंधित प्रशासन से राहत एवं सहायता कार्यों में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। जिन परिवारों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं और जिनकी आजीविका एवं घरेलू सामान को नुकसान पहुंचा है, उन्हें नियमानुसार शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराया जाना चाहिए। साथ ही प्रभावित लोगों के लिए सुरक्षित रहने की व्यवस्था, आवश्यक सुविधाओं और राहत सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि उन्हें इस कठिन परिस्थिति में किसी प्रकार की अतिरिक्त परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में कांग्रेस पार्टी प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। पीड़ित नागरिकों की समस्याओं को सामने लाना और उन्हें उचित राहत एवं सहायता दिलाने के लिए प्रयास करना आवश्यक है। बाढ़ प्रभावित लोगों को समय पर सहायता मिले, इसके लिए प्रशासन को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करना चाहिए।

इस दौरे के दौरान स्थानीय नागरिकों ने बाढ़ से हुए नुकसान और अपनी समस्याओं से नेता प्रतिपक्ष को अवगत कराया। डॉ. महंत ने प्रभावित परिवारों की बातों को गंभीरता से सुना तथा उनकी समस्याओं के निराकरण और राहत उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल,शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य, पीसीसी संयुक्त महामंत्री शंकर राव,राजेश चौधरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीएम साय कन्हारपुरी के 81वें देव दशहरा महापर्व में होंगे शामिल

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। बस्तर संभाग की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक देव परंपरा और सामाजिक समरसता के प्रतीक कन्हारपुरी के 81वें भव्य देव दशहरा महापर्व में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 19 अक्टूबर, सोमवार को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। गोंडवाना समाज समन्वय समिति बस्तर संभाग और संविधान पुरुष ठाकुर रामप्रसाद पोटाई स्मृति देव दशहरा समिति के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने 8 अक्टूबर को मुख्यमंत्री से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें आयोजन में शामिल होने का आमंत्रण दिया था। समिति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दी है।

81 वर्षों से चली आ रही सांस्कृतिक परंपरा

कांकेर जिले के कन्हारपुरी ग्राम में आयोजित होने वाला यह ऐतिहासिक महापर्व भारतीय संविधान सभा के सदस्य एवं जननायक ठाकुर रामप्रसाद पोटाई की स्मृति से जुड़ा है। कन्हारपुरी उनका गृहग्राम है। इस देव दशहरा परंपरा की शुरुआत ठाकुर रामप्रसाद पोटाई ने की थी, जो आज 81वें वर्ष में भी निरंतर जारी है। आयोजन का उद्देश्य बस्तर की पारंपरिक देव संस्कृति का संरक्षण, जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाना तथा सभी समाजों के बीच आपसी सद्भाव और समरसता को मजबूत करना है।

देव जात्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे आकर्षण

तीन दिवसीय महापर्व के दौरान बस्तर संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से देवी-देवताओं के पारंपरिक विग्रहों और छत्रों के साथ आगमन होगा। भव्य देव जात्रा के माध्यम से क्षेत्र की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही पारंपरिक खेलकूद, लोकनृत्य और लोकगीत प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा, जिससे स्थानीय कलाकारों और युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

स्वास्थ्य, रोजगार और जनकल्याण पर भी जोर

देव दशहरा मेले में धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ जनकल्याण से जुड़ी पहल भी की जाएगी। शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए सूचनात्मक स्टॉल लगाए जाएंगे। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा।

किरण देव ने रवाना किया सेवा रथ

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। नवरात्रि के पावन पर्व पर आज दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण सिंह देव द्वारा मां दंतेश्वरी के दर्शन हेतु दंतेवाड़ा जाने वाले पदयात्रियों की सेवा के लिए सेवा रथ का शुभारंभ विधिवत पूजा अर्चना कर किया गया।

सेवा रथ में पदयात्रियों को फल, बिस्कुट, एवं पानी का वितरण किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण सिंह देव ने सभी क्षेत्रवासियों को बस्तर दशहरा, शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। किरण देव ने कहा नवरात्र पर दंतेवाड़ा में मां दंतेश्वरी के दर्शन के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु पदयात्रा कर माता दंतेश्वरी जी का दर्शन करते हैं। सेवा रथ से पदयात्रियों को फल, बिस्कुट एवं पानी का वितरण किया जाएगा।

इस दौरान विद्याशरण तिवारी, महापौर संजय पांडे, जिला भाजपा अध्यक्ष वेदप्रकाश पांडे, श्रीनिवास मिश्रा, रामाश्रय सिंह, रजनीश पाणिग्रही, आर्येंद्र सिंह, योगेंद्र पांडे, प्रकाश झा, संग्राम सिंह राणा, हरीश पारेख, राजेश श्रीवास्तव, आशुतोष पांडेय, गोविंद ईनाणी, श्रीपाल जैन, परिस बेसरा, दिनेश पाणिग्रही, मनोज पटेल, नरेंद्र पाणिग्रही, सतीश वाजपेयी, अमित कपूर, अभिषेक तिवारी, विनय राजू, अच्यूत सामंत, रितेश झा एवं अन्य उपस्थित थे।

भाषा की मर्यादा और पद की गरिमा का सम्मान करें भूपेश बघेल: डॉ. देवेंद्र माहला

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए कथित रूप से अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किए जाने पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री डॉ. देवेंद्र माहला ने कड़ी आपत्ति व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में प्रत्येक जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि वह अपने पद की गरिमा, राजनीतिक मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करे। राजनीतिक मतभेदों को व्यक्त करने के लिए अभद्र एवं अपमानजनक भाषा का सहारा लेना उचित नहीं है।

डॉ. देवेंद्र माहला ने कहा है कि लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मतभेदों की आड़ में व्यक्तिगत टिप्पणी करना और संवैधानिक एवं राजनीतिक पदों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली भाषा का प्रयोग करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है।

भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है, जिसका आधार राष्ट्रसेवा, संगठनात्मक अनुशासन और जनकल्याण के प्रति समर्पण है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के प्रति इस प्रकार की टिप्पणी करना राजनीतिक शिष्टाचार और स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है।

डॉ. माहला ने आगे कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को सार्वजनिक वक्तव्यों में संयम और जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए। राजनीति केवल आरोप-प्रत्यारोप का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, विचारों और जनसेवा के संकल्प का मंच है।जनप्रतिनिधियों के शब्द समाज में राजनीतिक संवाद की दिशा तय करते हैं, इसलिए भाषा में शालीनता और व्यवहार में मर्यादा बनाए रखना आवश्यक है।

डॉ. देवेंद्र माहला ने कहा कि राजनीतिक विरोध विचारों, नीतियों और कार्यों के आधार पर होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत अपमान और अमर्यादित टिप्पणियों के माध्यम से। लोकतंत्र की मजबूती स्वस्थ संवाद, परस्पर सम्मान और वैचारिक संघर्ष में निहित है।

सार्वजनिक जीवन में गरिमापूर्ण भाषा का पालन करना प्रत्येक नेता की जिम्मेदारी है।

भुरके में पांच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन, विधायक सावित्री मंडावी ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

विश्व केसरी

दुर्गूकोंदल (दीपक शर्मा)। ग्राम भुरके में आयोजित पांच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। समापन समारोह में भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक सावित्री मनोज मंडावी शामिल हुईं। उन्होंने खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रेमियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों की सराहना की। इस अवसर पर विधायक ने ग्रामवासियों को पानी टैंकर की सौगात भी दी।

समापन समारोह में विधायक सावित्री मंडावी ने कहा कि खेल हमारे जीवन में अनुशासन, टीम भावना, आपसी सहयोग और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। ऐसे आयोजन युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करने के साथ ही उनमें सकारात्मक सोच और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं।

मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना से सविता सरकार को मिली 20 हजार की सहायता

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महला में आयोजित सेवा सेतु शिविर में पी.व्ही. 107 निवासी सविता सरकार को मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत 20 हजार की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया।

सांसद भोजराज नाग, अंतागढ़ विधायक विक्रम देव उसेंडी एवं कलेक्टर कुन्दन कुमार ने उन्हें चेक वितरित किया। सविता सरकार इस राशि का उपयोग अपने घर के जारूरी कामों में करेंगी। उन्होंने सहायता के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन से मिली यह राशि उनके सपने को पूरा करने में सहायक होगी। मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना छत्तीसगढ़ के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित है।

चिनौरी में संकुल स्तरीय विदाई एवं सम्मान समारोह

विश्व केसरी

चिनौरी (संदीप मेश्राम)। संकुल केंद्र शासकीय हाई स्कूल चिनौरी में शनिवार को संकुल स्तरीय विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संकुल परिवार चिनौरी के सौजन्य से किया गया, जिसमें दो शिक्षकों की उपलब्धियों और सेवाओं को सम्मानपूर्वक याद किया गया।

कार्यक्रम में शासकीय प्राथमिक शाला डीहीपारा चिनौरी के प्रधानपाठक संत कुमार कुमेटी की सेवानिवृत्ति तथा शासकीय माध्यमिक शाला खरथा के शिक्षक केवल नाथ राना की व्याख्याता (अर्थशास्त्र) के पद पर पदोन्नति होने के उपलक्ष्य में विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं शिक्षकों ने दोनों शिक्षकों के योगदान की सराहना की। संत कुमार कुमेटी की शिक्षा के क्षेत्र में दी गई सेवाओं के लिए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। वहीं, केवल नाथ राना को पदोन्नति मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

समारोह में विकासखंड शिक्षा अधिकारी चारामा केशव राम साहू, संकुल प्राचार्य सुशीला गढ़पाले, संकुल समन्वयक दिनेश कुमार साहू तथा शासकीय हाई स्कूल खरथा के प्राचार्य आर.डी. प्रजापति सहित संकुल के समस्त प्रधानपाठक एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

चारामा में 14 अक्टूबर को मनाया जाएगा धम्म परिवर्तन दिवस

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। नगर चारामा में रविवार को बौद्ध समाज द्वारा भगवान गौतम बुद्ध की पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात अंबेडकर भवन में सामाजिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी 14 अक्टूबर को धम्म परिवर्तन दिवस मनाने को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में समाज के महिला एवं पुरुषों ने बड़ी संख्या में सहभागिता निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सहयोग देने का संकल्प लिया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 14 अक्टूबर, बुधवार को शाम 6 बजे चारामा बस स्टैंड स्थित संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष पूजा-अर्चना कर धम्म परिवर्तन दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर बाबा साहेब के बौद्ध धम्म अपनाने के ऐतिहासिक निर्णय, उनके विचारों और बौद्ध धर्म के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

बाबा साहेब का धम्म परिवर्तन संदेश: समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व

14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धम्म की दीक्षा ग्रहण की थी। उनका यह ऐतिहासिक कदम जातिगत भेदभाव, ऊंच-नीच और सामाजिक असमानता के विरुद्ध एक क्रांतिकारी संदेश था।

बाबा साहेब का मानना था कि समाज का निर्माण समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय के सिद्धांतों पर होना चाहिए। उन्होंने बौद्ध धम्म के माध्यम से मानवता, करुणा, प्रज्ञा और नैतिकता का मार्ग दिखाया। उनका संदेश था कि प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार मिलना चाहिए और किसी भी मनुष्य के साथ जाति के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए।

बाबा साहेब ने समाज को शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो का संदेश देकर लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा दी। बौद्ध धम्म हमें अंधविश्वास से दूर रहकर विवेक, करुणा, मैत्री और मानवता के मार्ग पर चलने की शिक्षा देता है।

धम्म परिवर्तन दिवस केवल एक ऐतिहासिक घटना का स्मरण नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और मानवीय गरिमा के संकल्प को दोहराने का अवसर है। चारामा में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के माध्यम से बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और समाज में आपसी भाईचारे, एकता तथा बौद्ध धम्म के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

बैठक में ये रहे उपस्थित

बैठक में बौद्ध समाज के अध्यक्ष योगेश्वर मेश्राम, उपाध्यक्ष नागेश भोवते, सचिव दिनेश गजभिये, कोषाध्यक्ष कोमल मेश्राम सहित आशीष गजभिये, मंगेश मेश्राम, दीनबंधु वाल्मीकि, निकेश मेश्राम, अनिता खोबरागड़े, वैजयंतीमाला बंसोड़, मनोरमा गजभिये, बेबीनंद मेश्राम एवं शीतल राउत सहित समाज के अन्य महिला एवं पुरुष सदस्य उपस्थित रहे।

नवरात्रि पर मां दंतेश्वरी मंदिर में किन्नर समाज ने की प्रथम पूजा

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। नवरात्रि की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी जगदलपुर के मां दंतेश्वरी मंदिर में शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि किन्नर समाज ने प्रथम पूजा विधान संपन्न किया।

इस दौरान माता को चुनरी और श्रृंगार सामग्री भेंट कर सुख-समृद्धि की कामना की गई। इस अवसर पर किन्नर समाज के सदस्य सोलह श्रृंगार कर नयामुंडा से सुसज्जित रथ पर सवार होकर निकले।

डीजे पर बज रहे भजनों की धुन पर नाचते-झूमते किन्नर समाज के लोग नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मंदिर पहुंचे। रास्ते में जगह-जगह सड़क, चौक-चौराहों पर लोगों की भीड़ जुटी रही। लोग किन्नर समाज से आशीर्वाद स्वरूप सिक्का प्राप्त करने के लिए उत्सुक नजर आए। नवरात्रि के इस पारंपरिक आयोजन ने शहर में भक्तिमय माहौल बना दिया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251